हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • सोमवार • 14.07.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 350 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

राहुल गांधी ने पीड़ित परिवार से की बातचीत न्याय की मांग

पूर्णिया : बिहार में पूर्णिया जिले के टेटगामा गांव में हाल ही में हुए दिल दहला देने वाले नरसंहार मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने रविवार को पीड़ित परिवार के संबंधियों से फोन पर बातचीत की। उन्होंने घटना के बारे में विस्तार से जानकारी ली और यह भी जाना कि अब तक पुलिस द्वारा क्या कार्रवाई की गई है। बीते 6-7 जुलाई की रात रजीगंज पंचायत स्थित टेटगामा गांव में अंधविश्वास के चलते एक ही आदिवासी परिवार के पांच सदस्यों की निर्मम हत्या कर दी गई थी। मृतकों में बाबूलाल उरांव, उनकी पत्नी, मां, बेटा और बहू शामिल थे। परिजनों के अनुसार, आरोपियों ने पहले मारपीट की, फिर पेट्रोल डालकर सभी को जिंदा जला दिया और शवों को खेत में गड्ढे में छिपा दिया। राहुल गांधी से बात के दौरान पीड़ितों ने गांव में व्याप्त भय और असुरक्षा की भावना को साझा किया। कांग्रेस नेता ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

मालगाड़ी में लगी भीषण आग, चेन्नई-अरक्कोणम रेलमार्ग पर आवागमन ठप

चेन्नई : तमिलनाडु के तिरुवल्लुर के पास रविवार सुबह एक मालगाड़ी में भीषण आग लग गई, जिसे दमकलकर्मियों के काफी प्रयासों के बाद करीब दो घंटे बाद बुझाया जा सका। हादसे के कारण चेन्नई-अरक्कोणम रेलमार्ग पर सेवाएं पूरी तरह ठप हो गईं। खतरे को देखते हुए आसपास के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। आग तिरुवल्लुर-एगट्टूर खंड में लगी, जो चेन्नई सेंट्रल से 43 किमी दूर है। रेलवे के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सुबह करीब साढ़े चार बजे एक मालगाड़ी में अचानक आग भड़क गई, जो तेजी से पांच वैगनों तक फैल गई। यह मालगाड़ी एननोर से 45-52 डीजल टैंकर ले जा रही थी। दमकल और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की दो टीमें दो घंटे में आग पर काबू पाने में सफल रहीं। क्षतिग्रस्त वैगनों को हटाने और पटरियों की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। तिरुवल्लुर पुलिस ने क्षेत्र को सुरक्षित किया और जहरीले धुएं के कारण आसपास के लोगों को हटाया गया। सुबह 10:37 बजे तक आग बुझ चुकी थी, लेकिन रेल सेवा पूरी तरह बहाल होने का समय नहीं बताया गया है। दक्षिण रेलवे ने यात्रियों के लिए हेल्पलाइन नंबर (044-25354151, 044-24354995) जारी किए हैं।

भारतमाला हाईवे के क्षतिग्रस्त होने के मामले में जांच शुरू

गांधीनगर : भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (दिल्ली) के सदस्य वेंकटरमन ने रविवार को जिला कलेक्टर तुषार भट्ट के साथ पाटण जिले से गुजरने वाले भारतमाला हाईवे का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। वेंकटरमन ने सांतलपुर तहसील के बकुत्रा के समीप टोल टैक्स बूथ के पास निरीक्षण कर सैम्पल लिए। उन्होंने कहा कि सैंपल की गुणवत्ता में किसी तरह की क्षति-कमी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों और वाहन चालकों को हो रही असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए शीघ्र ही सुविधाजनक परिवहन का आश्वासन दिया।

राष्ट्रपति ने उज्ज्वल निकम सहित चार सदस्यों को राज्यसभा के लिए किया मनोनीत

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राज्यसभा के लिए चार नए सदस्यों उज्ज्वल देवराव निकम, सी. सदानंदन मास्टे, हर्षवर्धन श्रृंगला और मीनाक्षी जैन को मनोनीत किया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक भारत के संविधान के अनुच्छेद 80 की उपधारा (1) के उपखंड (क) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा उक्त अनुच्छेद की उपधारा (3) के साथ पठित होकर राष्ट्रपति ने नामित सदस्यों के सेवानिवृत्त होने से उत्पन्न रिक्तियों की पूर्ति हेतु राज्यसभा में उज्ज्वल देवराव निकम, सी. सदानंदन मास्टर, हर्षवर्धन श्रृंगला तथा डॉ. मीनाक्षी जैन को नामित किया है। नामित सदस्यों में उज्ज्वल देवराव

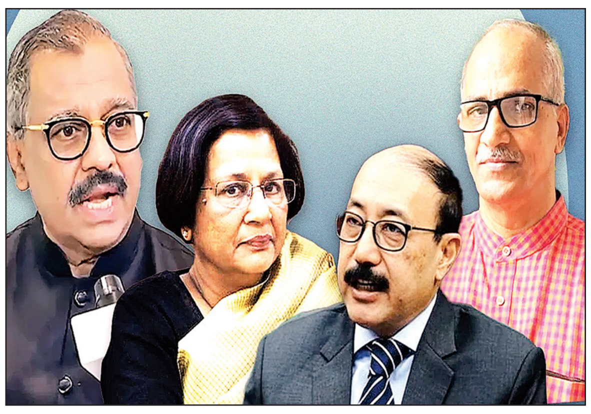

निकम जाने-माने अधिवक्ता हैं जिन्होंने मुंबई आतंकी हमले में जिंदा पकड़े गए पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब को फांसी तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

जबकि सी. सदानंदन मास्टर केरल के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद् हैं। हर्षवर्धन श्रृंगला भारत के पूर्व विदेश सचिव हैं। मीनाक्षी जैन प्रख्यात इतिहासकार एवं शिक्षाविद् हैं। ये नामांकन पूर्व में नामित सदस्यों की सेवानिवृत्ति के कारण खाली पड़ी सीटों को मद्देनजर किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने राज्यसभा के नामित सदस्यों की उपलब्धियों का उल्लेख कर उन्हें दी बधाई

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा के लिए नामित चार प्रतिष्ठित व्यक्तियों की उपलब्धियों और योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हें बधाई दी। यह जानकारी प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अधिवक्ता उज्ज्वल निकम का न्यायिक क्षेत्र में समर्पण अनुकरणीय है। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों में अग्रणी भूमिका निभाई है और संविधान के मूल्यों को सशक्त करने की दिशा में कार्य किया है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए नामित किया है। सी. सदानंदन मास्टर के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका जीवन साहस और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने उनके शिक्षा और सामाजिक सेवा क्षेत्र में योगदान की सराहना की और कहा कि वे युवा सशक्तिकरण के प्रति अत्यंत समर्पित हैं। हर्षवर्धन श्रृंगला को प्रधानमंत्री ने एक कुशल राजनयिक, विचारशील बुद्धिजीवी और रणनीतिक चिंतक बताया। उन्होंने कहा कि श्रृंगला का योगदान भारत की विदेश नीति को सुदृढ़ करने में उल्लेखनीय रहा है, विशेष रूप से जी20 की अध्यक्षता के दौरान उनकी भूमिका महत्त्वपूर्ण रही। डॉ. मीनाक्षी जैन की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने शिक्षा, साहित्य, इतिहास और राजनीतिक विज्ञान के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य किया है।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मिले विदेशी

एजेंसी

नई दिल्ली : बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के दौरान बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों की पहचान हुई है। यह जानकारी घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के माध्यम से सामने आई है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार बिहार में मतदाता सूची अपडेट के इस विशेष कार्यक्रम के दौरान घर-घर जाकर किए गए सत्यापन में बूथ लेवल अधिकारियों को बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिक मिले हैं। निर्वाचन आयोग के सूत्रों का कहना है कि 1 अगस्त के बाद उचित जांच पूरी होने के बाद इनके नाम 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली अंतिम सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। बिहार में मतदाता सूची के इस विशेष संवीक्षण अभियान का उद्देश्य

आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। इसके तहत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची में दर्ज नामों की पुष्टि की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस पहल का उद्देश्य पात्र मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित करना और अपात्र नामों को सूची से हटाना है। यह अभियान बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी के अंतर्गत चलाया जा रहा है। इसके तहत शनिवार तक हर चार में से तीन मतदाताओं ने अपना नामांकन फॉर्म जमा करा दिया है।

लातेहार पुलिस ने माओवादी नक्सली जगन लोहरा को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लातेहार : लातेहार पुलिस ने लोहरदगा पुलिस के सहयोग से छापेमारी अभियान चलाकर पेशरार थाना क्षेत्र से माओवादी नक्सली जगन लोहरा को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली माओवादी कमांडर नकुल यादव और छोटू खरवार का काफी विश्वसनीय सहयोगी था। रविवार को प्रेस वार्ता करते हुए डीएसपी भरत राम ने बताया कि लातेहार पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना पर पुलिस ने नक्सली जगन को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली

थी कि नक्सली जगन लोहरा अपने गांव लोहरदगा जिले के पेशरार थाना क्षेत्र अंतर्गत करंज टोली आया हुआ है। सूचना के बाद थाना प्रभारी धीरज कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई और सीमा सुरक्षा बल की टीम तथा लोहरदगा पुलिस की टीम के साथ छापेमारी की गई। पुलिस ने इस दौरान नक्सली जगन को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि नक्सली जगन लोहरा पिछले कई वर्षों से भाकपा माओवादी नक्सली संगठन में सक्रिय था। यह कुख्यात नक्सली कमांडर नकुल यादव और छोटू खरवार के दस्ते में भी काम कर चुका है। पुलिस के साथ 2020 में हुई मुठभेड़ में भी यह शामिल था। इसके खिलाफ लातेहार जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र के अलावे अन्य सीमावर्ती थाना क्षेत्र में नक्सली हिंसा के मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सली से पुलिस को कई महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त हुई है। जिसके आधार पर पुलिस आगे की कार्य योजना तैयार कर रही है।

झामुमो का आधिकारिक एक्स हैंडल हुआ हैक, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के आधिकारिक एक्स हैंडल को आसामाजिक तत्वों ने हैक कर लिया है। हैक किए जाने के मामले को लेकर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपने एक्स हैंडल से रविवार को जानकारी दी है।

क्या है मामला

झारखंड की सत्ताधारी पार्टी झामुमो के आधिकारिक एक्स हैंडल को साइबर अपराधियों ने हैक कर लिया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पूरे मामले की जानकारी खुद से दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा का आधिकारिक एक्स हैंडल को असामाजिक तत्वों के

द्वारा हैक कर लिया गया है। मुख्यमंत्री ने इस मामले में झारखंड पुलिस को संज्ञान लेते हुए जांच कर शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद साइबर क्राइम ब्रांच की टीम पूरे मामले की जांच में जुट गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के आधिकारिक एक्स हैंडल को साइबर अपराधियों ने हैक किया है या फिर यह किसी और की साजिश है, इसकी जांच की जा रही है। एक्स हैंडल को हैक कर किसी तरह की छेड़खानी की गई है या नहीं इसकी भी जांच की जा रही है।

यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए ट्रेन के डिब्बों में लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने रविवार को ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से इंजनों और कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रगति की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। रेल मंत्री से यात्रियों की सुरक्षा से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्देश अधिकारियों को दिए। समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि उत्तर रेलवे के लोको इंजनों और कोचों में सीसीटीवी कैमरों का

सफल परीक्षण किया जा चुका है। रेल मंत्री ने सभी 74,000 कोचों और 15,000 लोको में सीसीटीवी कैमरे लगाने की अनुमति दे दी है। प्रत्येक कोच में चार डोम कैमरे लगाए जाएंगे, जिनमें से दो प्रत्येक प्रवेश द्वार पर होंगे। लोकोमोटिव में छह सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जो इंजन के आगे, पीछे और दोनों तरफ की निगरानी करेंगे। साथ ही, इंजन की आगे और पीछे की कैब में एक-एक डोम कैमरा और दो डेस्क माउंटेड माइक्रोफोन भी लगाए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि ये कैमरे नवीनतम मानकों वाले होंगे और मानकीकरण, परीक्षण और गुणवत्ता (एसटीक्यूसी) प्रमाणित होंगे, जिससे कि बेहतर निगरानी संभव हो सकेगी। केंद्रीय रेल मंत्री ने भी बैठक के दौरान अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं।

बोकारो की बेटी प्रियांशु मिस ग्रैंड इंडिया खिताब के फाइनल में पहुंची, झारखंड का कर रही प्रतिनिधित्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मेहनत, जुनून और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी मंजिल पाई जा सकती है। बोकारो जिले की एक बेटी इस बात को सच साबित कर रही है। ऑटो चालक की बेटी प्रियांशु चौधरी अब मिस ग्रैंड इंडिया 2025 बनने के करीब पहुंच चुकी हैं। वह राजस्थान के जयपुर में आयोजित इस राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। प्रियांशु बोकारो जिला के बेरमो प्रखंड अंतर्गत जारंगडीह स्थित सावित्री कॉलोनी की रहने वाली हैं। उनके पिता नरेश प्रसाद चौधरी पेशे से एक

ऑटो चालक हैं। बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद, प्रियांशु ने अपने मेहनत और लगन से फैशन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रियांशु के पिता ने बताया कि प्रतियोगिता 4 जुलाई से जयपुर में शुरू हुई है और 13 जुलाई को फाइनल मुकाबला होगा। उन्हें पूरी उम्मीद है कि उनकी बेटी इस बार मिस ग्रैंड इंडिया का खिताब जीतकर न केवल परिवार बल्कि पूरे झारखंड का नाम रोशन करेगी। प्रियांशु 3 बहनों में सबसे बड़ी हैं। उनकी छोटी बहन दीपांशु दिल्ली से स्नातक की पढ़ाई कर चुकी हैं और अब रांची में योग प्रशिक्षक के रूप में काम कर रही हैं। सबसे छोटी बहन ज्ञानशु बारहवीं साइंस की छात्रा हैं। प्रियांशु का यह पहला प्रयास नहीं है। इससे पहले उन्होंने 2024 में मिस इंडिया झारखंड का खिताब जीता था और 2025 में मिस यूनिवर्स झारखंड के टॉप 5 में जगह बनाई थी। इसके अलावा वह मिस स्पॉटलेस फेस ऑफ इंडिया और नॉर्थ ईस्ट आइकॉन ऑफ इंडिया की रनर-अप भी रह चुकी हैं।

युवाओं के लिए रोजगार ला रही ब्रह्मोस जैसी परियोजनाएं : राजनाथ सिंह

एजेंसी

लखनऊ : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश आज कानून, निवेश और उद्योग के नए मानक गढ़ रहा है। ब्रह्मोस जैसी परियोजनाएं न सिर्फ रक्षा क्षेत्र को मजबूती दे रही हैं, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार भी ला रही हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में कानून का राज है। निवेश बढ़ रहा है। उद्योग-धंधे फल-फूल रहे हैं। बुनियादी ढांचे में ऐतिहासिक बदलाव हो रहे हैं। एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, मेट्रो, मेडिकल कॉलेज-ये सब विकास की नई तस्वीर पेश कर रहे हैं। अभी कुछ दिनों पहले ही मैंने लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस की इंटीग्रेशन एवं टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया था। यह फैसिलिटी

रक्षा क्षेत्र में हमारे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगी। रक्षामंत्री नेशनल पीजी कालेज सभागार में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. चंद्रभानु गुप्ता के 124 वें अवतरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि कामराज प्लान से चंद्रभानु गुप्त सहमत नहीं थे। चंद्रभानु ने कामराज प्लान के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर इस्तीफा दे दिया था। एक चुने हुए नेता को कुछ लोगों की नापसंदगी की वजह से पद से हटना पड़ा था। रक्षामंत्री ने कहा कि स्व. चंद्रभानु गुप्ता का जीवन सदैव सेवा और सादगी का प्रतीक रहा। उन्होंने प्रशासन और राजनीति में सेवा की भावना की परंपरा डाली और जनता के हितों को सबसे ऊपर रखने का मंत्र दिया। जब भी हम उत्तर प्रदेश के गौरवशाली अतीत की चर्चा करते हैं, तो चंद्रभानु गुप्ता का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। आज जब हम यह डाक टिकट जारी कर रहे हैं, तो यह केवल चंद्रभानु गुप्ता जी के नाम का ही सम्मान नहीं है, यह उनके उच्च जीवन मूल्यों का सम्मान है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज जो प्रशासनिक व्यवस्था देश और प्रदेश में कार्य कर रही है, उसकी नींव बनाने में चंद्रभानु गुप्ता जैसे लोगों का बहुत योगदान रहा है। उन्होंने प्रशासन और राजनीति में सेवा की भावना की परंपरा डाली और जनता के हितों को सबसे ऊपर रखने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि चंद्रभानु के पास बहुत लंबे समय तक सत्ता नहीं रही। लेकिन जितने भी कम समय के लिए वह सत्ता में रहे उन्होंने जनकल्याण के कार्यों को प्राथमिकता दी। वह हमेशा अपनी शुचिता के लिए जाने गए। वह एक नेता से ज्यादा जन-सेवक थे। वह केवल कई बार के उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री नहीं थे, बल्कि वे उस उच्च-परंपरा के व्यक्ति थे जिनकी गिनती भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से निकले नेताओं में थी। रक्षामंत्री ने कहा कि चन्द्रभानु गुप्ता का जीवन हमें यह बताता है कि सत्ता का अर्थ केवल पद या अधिकार नहीं होता, बल्कि जिम्मेदारी, त्याग और जनता के हितों की रक्षा करना होता है। उनके जीवन से हमें यह भी संदेश मिलता है कि राजनीति में मतभेद भले ही हों लेकिन वैमनस्य नहीं होना चाहिए।

दिग्गज अभिनेता और पूर्व राजनेता कोटा श्रीनिवास राव का निधन

एजेंसी

मुंबई : दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रतिष्ठित अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव का निधन हो गया है। उन्होंने 83 वर्ष की आयु में आज सुबह करीब 4 बजे अंतिम सांस ली। वे उम्र संबंधी कई स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर से फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। अभिनेता कोटा श्रीनिवास राव के निधन से न सिर्फ साउथ भारतीय सिनेमा, बल्कि पूरी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री को गहरा सदमा लगा है। आंध्र प्रदेश के कांकीपाडु में जन्मे श्रीनिवास एक प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके पिता, डॉ. सीता राम अंजनेयुलु, एक जाने-माने चिकित्सक थे। हालांकि श्रीनिवास का झुकाव शुरू से ही अभिनय की ओर था। विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने कॉलेज के दिनों में थिएटर के प्रति अपने जुनून को जीवित रखते हुए स्टेट बैंक में नौकरी भी की, लेकिन अभिनय का प्रेम इतना गहरा था कि वे जल्द ही रंगमंच और फिर सिनेमा की दुनिया में पूरी तरह रम गए। भारतीय सिनेमा के चमकते सितारे कोटा श्रीनिवास राव का फिल्मी और राजनीतिक सफर एक प्रेरणा की मिसाल है।

एक नजर

जंगली हाथियों का उत्पात कई किसानों के तैयार धान के बिचड़ो को रौंदा

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जंगली हाथियों का उत्पादन जारी है इसी कारण में रात्रिभगवान बागी की तरफ से पंकरी बरवाडीह के लहरखानी सोती के पास दर्जनों किसान के लगभग नब्बे सौ किलो तैयार धान के बिचडो.को रौंदा डाला। जिसमें किसानों अशोक कुमार साव, जागेश्वर साव,तेजू साव,जालिम साव,बुद्धलाल साव, चरकु साव ,निरु साव,मनोज गंझु,जुगेश्वर गंझु, मोसोमात गुलिया ,महावीर साव, कबूतरी देवी, निर्मल कुमार,सहित दर्जनों किसानों के बिचड़े पुरी तरह हाथियों द्वारा रौंद डालने से किसानों की कमर टुट गई वहीं मायुस होकर किसानों ने कहा कि खेत रोपाई के लिए तैयार किये थे और आज कल में धान के बिचड़े खेत में रोपाई करते पर मेहनत पर पानी फिर गया अब साल भर क्या खायेंगे वहीं वन विभाग से हुए नुकासान की मुआवजा की मांग की गुहार लगाए हैं साथ हाथियों को दूसरी ओर भगाने की बात कहें की कब हाथी आ जाए इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

सदर विधायक ने चुटियारो पंचायत के सरौनी में लगाया चौपाल

हजारीबाग : सदर विधानसभा क्षेत्र के सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने रविवार को सदर प्रखंड के चुटियारो पंचायत अंतर्गत सरौनी गांव का दौरा कर ग्रामीणों के बीच चौपाल का आयोजन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए और अपनी समस्याओं को खुलकर रखा। चौपाल में सबसे बड़ी समस्या गांव को मुख्य मार्ग से जोड़ने वाले केसुरा से सरौनी तक के जर्जर सड़क और जलजमाव की रही। ग्रामीणों ने बताया की सड़क पर गड्ढे व कीचड़ के कारण आवागमन में भारी तकलीफ होती है, विशेषकर बरसात के मौसम में स्थिति और भी बदतर हो जाती है। विद्यार्थियों, मरीजों और किसानों को आवागमन में भारी दिक्कत होता है विधायक प्रदीप प्रसाद ने ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित विभागीय पदाधिकारी से दूरभाष पर बात कर समस्या से अवगत कराया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया की प्राथमिकता के आधार पर सड़क मरम्मत, जल निकासी और स्थायी समाधान की दिशा में तुरंत कार्य प्रारंभ किया जाए। विधायक ने कहा कि जनता की समस्या का समाधान उनकी पहली प्राथमिकता है।

क्रेक बम मंडली बोल बम के उद्घोष संग हजारीबाग से निकली भव्य कांवर यात्रा

हजारीबाग : क्रेक बम मंडली ने बुढ़वा महादेव मंदिर, ग्वाल टोली चौक श्री हरि हनुमान मंदिर और कैलाश धाम में विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा बैद्यनाथ धाम, देवघर के लिए कांवर यात्रा को रवाना किया गया । ढोल - नगाड़ों की गूंज और बोल बम,ॐ नमः शिवाय,बाबा एक सहारा है जैसे गगनभेदी नारों के बीच कांवरियों का उत्साह देखते ही बनता था। भक्ति के रंग में रंगे कांवरियों ने हजारीबाग की फिजाओं को बाबा भोलेनाथ के जयकारों से गुंजायमान कर दिया। कांवरिया संघ में शामिल श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए गाजे-बाजे के साथ देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए कूच किया।

हजारीबाग में शैक्षणिक योजनाओं की समीक्षा, उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले में संचालित शैक्षणिक योजनाओं की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, समग्र शिक्षा अभियान एवं पीएम पोषण योजना की गहन समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने निम्न निर्देश जारी किए

शैक्षणिक प्रदर्शन मूल्यांकनः सभी कस्तूरबा विद्यालयों से पिछले पाँच वर्षों का मैट्रिक परीक्षाफल प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। जिन विद्यालयों का शैक्षणिक प्रदर्शन कमजोर है, वहाँ छात्राओं को मेंटरशिप प्रदान किया जाएगा। गिरते नामांकन व उपस्थिति पर चिंताः जिन छात्राओं की उपस्थिति लगातार क्षीण हो रही है, उनके मामलों का केस स्टडी तैयार कर विश्लेषण करने का निर्देश दिया गया। आधारभूत संरचना की समीक्षाः विद्यालयों की आधारभूत संरचना का गैप एनालिसिस कर एक सप्ताह में रिपोर्ट देने हेतु जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं सहायक अभियंता की समिति गठित की गई। बायोमेट्रिक उपस्थिति का अनुश्रवणः शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति की निगरानी को सख्त करते हुए अनुपस्थित शिक्षकों से स्पष्टीकरण लेने का आदेश दिया गया। यू-डायस एवं ई-विद्यावाहिनी प्रविष्टि यू-डायस एवं ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर सभी संबंधित डेटा को समय पर अपडेट करने का निर्देश दिया गया। विशेष रूप से चलकुशा, चौपारण, दारू, केरेडारी एवं कटकमदाग में कार्य में तेजी लाने को कहा गया। शून्य एवं न्यून नामांकन वाले विद्यालयः ऐसे विद्यालयों की वस्तुस्थिति का आकलन कर ग्राम स्तर पर बैठक कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। विद्यालय भ्रमणः सभी संकुल/प्रखंड साधन सेवी को निर्धारित संख्या में विद्यालय भ्रमण कर समीक्षा करने का निर्देश दिया गया पाठ्यपुस्तक वितरण। अब तक 928 विद्यालयों द्वारा पाठ्यपुस्तक वितरण की प्रविष्टि की गई है, शेष विद्यालयों को तीन दिन के भीतर ई-विद्यावाहिनी पर अद्यतन करने को कहा गया। पीएम पोषण योजना स्वास्थ्य जांच, पेंशन तथा आयरन-फोलिक एसिड वितरण की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट अगली बैठक में प्रस्तुत की जाएगी। पौधारोपण एवं ईको क्लबः मात्र 441 विद्यालयों द्वारा पौधारोपण किया गया है। सभी विद्यालयों में लक्ष्य के अनुरूप पौधे लगाने एवं ईको क्लब गठन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने का निदेश दिया गया। बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्राओं की शैक्षणिक गुणवत्ता, नामांकन, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं में सुधार को प्राथमिकता दी जाए एवं सभी योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

मिट्टी का कच्चा मकान गिरा दादा पोती दबे ग्रामीणों ने निकाला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : प्रखंड अंतर्गत तालाश्वर पंचायत के पलान्डू गांव में एक दिल दहलाने वाली घटना घटी है। जिसमें पलान्डू निवासी सुरेश करमाली अपनी 3 वर्षीय पोती के साथ अपने घर के अंदर सो रहे थे तभी कई दिनों से लगातार बारिश के कारण उसका मिट्टी का कच्चा मकान अचानक गिर गया। जिसके कारण दोनों दब गए। ग्रामीणों के प्रयास के बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। मकान गिर जाने के कारण लोगों को रहने में परेशानी हो रही है, जिसके कारण मजबूरन दूसरे के घर में रहना पड़ रहा है। ज्ञात हो की प्रखंड में कच्चा मकान में रहने वाले लोगों को चुन चुन कर अबुवा एवं प्रधानमंत्री आवास दिया जा रहा है। परंतु सुरेश करमाली को पक्का मकान नहीं मिलना प्रशासन की व्यवस्था पर बहुत बड़ा सवाल खड़ा करता है। कई लोगों को पक्का मकान के ऊपर पक्का मकान मिल रहा है परंतु ब्लॉक का कई बार चक्कर लगाने के बावजूद कई जरूरतमंद लोगों को मकान नसीब नहीं हो पा रहा है। इस पर प्रशासन विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। मामले को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल ने बताया कि मकान गिरने से लोगों का दब जाने के मामले कि खबर अब तक मेरे तक नहीं आई है जांच करवाते हैं। निश्चित कार्रवाई होगी।

चंद्रवंशी महासभा ने पांच दर्जन मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : अखिल भारतीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में स्थानीय स्तर पर प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन बिगहा स्थित चंद्रवंशी भवन में किया गया। इस कार्यक्रम में समाज के पांच दर्जन मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इनमें मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर समाज और क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस अवसर पर मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित भी किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके मनोबल को ऊँचा करना रहा। समारोह में चयनित छात्र-छात्राओं में आयुषी कुमारी, अमित कुमार, दिव्या भारती, स्मृति कुमारी, अंशिता कुमारी, अनमोल कुमार, सिमरन कुमारी, रिया रानी, अंशिता कुमारी, नितेश कुमार, विवेक कुमार, कोमल कुमारी, कुशल कुमार, अजय कुमार, सुमित कुमार, खुस्बू कुमारी सहित पांच दर्जन बच्चों का नाम शामिल है। महासभा के अध्यक्ष छत्रधारी चंद्रवंशी ने कहा कि समाज के युवाओं की शिक्षा में रुचि और उपलब्धियाँ पूरे समाज के लिए गौरव का विषय हैं। महासभा लगातार इसी तरह के आयोजनों के माध्यम से समाज में शिक्षा के स्तर को और ऊँचा उठाने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं और सफल आयोजन के लिए आयोजकों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा ने राज नर्सिंग होम में लगाया निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़): लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा द्वारा वन जिला, वन एक्टिविटी कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को भुरकुंडा टेकर स्टैंड स्थित राज नर्सिंग होम में निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 62 लोगों की शुगर, बीपी और वजन की जांच निःशुल्क की गई। इस जनसेवा कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को मधुमेह जैसी बीमारियों के प्रति जागरूक करना और समय रहते उनका निदान सुनिश्चित करना था। क्लब के अध्यक्ष लायन अशोक सिन्हा ने जानकारी दी कि यह शिविर आगामी पांच दिनों तक लगातार चलेगा और सभी इच्छुक लोग इसमें आकर निशुल्क जांच करवा सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लायंस जिला 322ए के चेयरपर्सन एमजेएफ लायन डॉ. राजेंद्र महतो ने कहा कि मधुमेह आज भारत में एक महामारी का रूप ले चुका है, जिसे नियंत्रित करने के लिए खान-पान और जीवनशैली में सुधार आवश्यक है। वहीं लायन डॉ. एमके मंजुल ने कहा कि नियमित व्यायाम, समय पर दवा सेवन, मीठे भोजन से परहेज और जंक फूड से दूरी बनाकर हम मधुमेह पर काफी हद तक नियंत्रण पा सकते हैं। कार्यक्रम ने समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल प्रस्तुत की। शिविर को सफल बनाने में क्लब के अध्यक्ष लायन अशोक सिन्हा, सचिव अखिलेश शर्मा, कोषाध्यक्ष निर्मल अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष रेखा बर्णवाल, पूर्व सचिव अंजू देवी, पूर्व कोषाध्यक्ष शिवा प्रसाद, जिला चेयरपर्सन डॉ. राजेंद्र महतो, विजयंत कुमार, डॉ एमके मंजुल, माला शर्मा, एचएन यादव, दीनबंधु सिंह, विजय बर्णवाल, एमजेएफ संजय जायसवाल, रेनू जायसवाल, रेखा मंजुल, लायन भूपेंद्र सिंह सैनी, अजय सिंह, रमेश अग्रवाल एवं अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

रामगढ़ में गरीब समाजसेवी संघ ने जरूरतमंदों के बीच बांटा चाय-नाश्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़) : गरीब समाजसेवी संघ द्वारा रविवार को भुरकुंडा बाजार क्षेत्र में जरूरतमंदों के बीच चाय-नाश्ता का वितरण किया गया। इस सेवा कार्यक्रम का नेतृत्व संघ के उपाध्यक्ष उदय स्वर्णकार ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मनोज राम तथा विशिष्ट अतिथि समाजसेवी पप्पू सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संघ के सचिव दिनकर कुमार सिंह, रमेश राम, अशोक कुमार चौहान, संतोष कुमार सिंह, डॉ. केसी दास, तिजराम, लीला सागर, पिंकी सागर, सावित्री विश्वकर्मा, मधु श्रीवास्तव, सविता देवी, विनोद शाह, सुनील सोनी, राजेंद्र कुमार मुंडा, उत्तरा देवी, विजयलक्ष्मी शर्मा, सुधा तिवारी, प्रदीप कुमार अग्रवाल, रोहिणी कुमारी, श्रावणी विश्वास, सुभाष करमाली, राजेंद्र मुंडा, अजय सोनी, मनोज कुमार, अलका पाठक, रेणुका दास सहित संघ के कई लोगों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के उपरांत संघ के सदस्य मनोज राम एवं पप्पू सिंह बिरसा चौक निवासी बीमार पिंकी देवी से मिलने पहुंचे। पिंकी देवी दोनों किडनी खराब होने के कारण डायलिसिस पर हैं और अत्यंत कठिन परिस्थिति से जूझ रही हैं। इस दुखद परिस्थिति में संघ के सभी सदस्यों ने मिलकर सहयोग राशि एकत्र की, जिसे पिंकी देवी की माता को सौंपा गया। इस सहयोग से फिलहाल चार से पांच डायलिसिस की व्यवस्था हो सकेगी। पिंकी देवी की माता ने उनके दो छोटे बच्चों के भविष्य और इलाज को लेकर समाजसेवियों एवं प्रतिनिधियों से भावुक अपील की है। पप्पू सिंह ने भी उपस्थित जनों से कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है, इससे बड़ा कोई धर्म नहीं। उन्होंने सभी से अपील की कि मानवता के इस पुनीत कार्य में यथासंभव सहायता करें।

'नन्हे कदम' और आधारशिला को मजबूत बनाने हेतु सेविकाओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : समाज कल्याण विभाग, विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 23 जून से 12 जुलाई 2025 तक कुल 6 बैचों में हजारीबाग की कुल 270 सेविकाओं का प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और नो-कॉस्ट लो-कॉस्ट सामग्री निर्माण हेतु दो दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सेविकाओं में प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा की समझ को सुदृढ़ करना था और साथ ही उन्हें निम्न लागत सामग्री निर्माण हेतु सक्षम बनाना था जिससे सेविकाएं अपने अपने आंगनवाड़ी केंद्रों में दैनिक आधार पर नन्हे कदम और आधारशिला पाठ्यक्रम आधारित रूटीन अनुसार गतिविधियों का बेहतर तरीके से संचालन कर सकें। इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चे का पूर्ण विकास होगा और साथ ही वह दैनिक आधार पर केंद्र में आने हेतु उत्साहित रहेंगे। प्रशिक्षण के सफल आयोजन और इसका सही इंप्लीमेंटेशन के लिए प्रशिक्षण स्थल पर महिला पर्यवेक्षिकाओं ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वहीं कई ब्लॉकों जैसे बढ़ी, चुरचू और बडकागांव के प्रशिक्षण स्थल में प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा वेन्यू में पहुंचकर इसका जायजा लिया और साथ ही सेविकाओं से बात भी की गई। प्रशिक्षण के दौरान विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसायटी के जिला स्तरीय टीम से मुख्य प्रशिक्षण के रूप में अदीब बशर, वहीं सहायक प्रशिक्षक के रूप में सत्यम कुमार, किसन कुमार और, विनीता मौजूद रहीं। प्रशिक्षण के समापन समारोह में प्रतिपुष्टि लेने के दौरान सेविकाओं ने प्रत्येक 6 महीने में इस प्रकार के प्रशिक्षण के आयोजन करने हेतु इसकी मांग रखी। साथ ही महिला प्रवेक्षिकाओं ने ब्लॉक की अन्य सेविकाओं को भी प्रशिक्षित करने का अनुरोध किया । प्रखंड विकास पदाधिकारी व महिला पर्यवेक्षिकाओं ने अपने वक्तव्य के दौरान सभी सेविकाओं का मनोबल बढ़ाया और आने वाले समय में क्लस्टर व परियोजना स्तर पर बेहतर कार्य करने वाली सेविकाओं को चिन्हित कर उन्हें जिला स्तर पर पुरुष्कृत करने की भी बात कही। साथ ही इस प्रकार के बेहतर प्रशिक्षण के लिए टीम विक्रमशिला का धन्यवाद किया ।

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी लेने दिल्ली पहुंचे सांसद मनीष जायसवाल

हजारीबाग : लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने दिल्ली में सर गंगा राम हॉस्पिटल पहुंचकर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य का हालचाल जाना। विगत कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे गुरुजी का कुशलक्षेम जानने के लिए सांसद जायसवाल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की । सांसद मनीष जायसवाल ईश्वर से प्रार्थना भी किया कि गुरुजी शीघ्र ही पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर हम सबके बीच लौटें ।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय सेवा मंच ने गरीबों के बीच भोजन का किया वितरण

भुरकुंडा (रामगढ़): समाजसेवी संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच ने प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में दुर-दराज ग्रामीण क्षेत्रो से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले गरीबों को भोजन कराया। इस दौरान मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने सैंकडों गरीब महिला-पुरूष व बच्चों के बीच पुरी-सब्जी का वितरण करते हुए कहा बताया कि जन सहयोग के माध्यम से पिछले 10 वर्षो से मंच द्वारा गरीबो को भोजन कराने का कार्य किया जा रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जायसवाल, रिंकु वर्णवाल, शिवकुमार यादव, उदयभान दुबे, लखन राम, बारीक अंसारी, संजू सिन्हा मो. शाहिद आदि का विशेष योगदान रहा।

भुरकुंडा में दो दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर सह ग्रेडिंग टेस्ट का हुआ आयोजन

भुरकुंडा (रामगढ़): मार्शल आर्ट सीटोरियू कराटे डो फेडरेशन ऑफ (इंडिया-झारखंड) भुरकुंडा शाखा के तत्वावधान में भुरकुंडा पेट्रोल पंप स्थित अंबेडकर स्थल प्रांगण में चल रहे दो दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर सह ग्रेडिंग टेस्ट का रविवार को समापन हुआ। शिविर में मुख्य प्रशिक्षक टेक्निकल डायरेक्टर सिहोन जीबी थापा ने प्रतिभागियों का ग्रेडिंग टेस्ट लिया। मौके पर प्रशिक्षक सेंसाई कंचन दास ने बताया कि ग्रेडिंग टेस्ट में सफल प्रतिभागियों को सिहोन जीबी थापा द्वारा प्रमाण-पत्र एवं बेल्ट देकर सम्मानित किया गया। सफल प्रतिभागियों में चौथा क्यू में भूमि करमाली, दूसरा क्यू में मो. अजीज, पहला क्यू में मो. अनीस और खुशी कुमारी बेसरा शामिल हैं। शिविर में विकास, शिवांस, रेयांश, चित्रलेखा, भूमि और अनन्या आदि सफल प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए जीबी थाना ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। शिविर को सफल बनाने में महिला कराटे प्रशिक्षिका आस्था सिंह, मयूरी थापा तथा स्मृति मुंडा सहित रंजीत कुमार, कमलनाथ सिंह, राजेश मुंडा, सूरज करमाली, मो. अखलाकुर रहमान का सराहनीय योगदान रहा।

अंबा टोला में नए ट्रांसफार्मर का हुआ उद्घाटन

बड़कागांव : बड़कागांव फोटो उद्घाटन करते कोलेश्वर गंझु आंगो पंचायत स्थित सुदूर ग्रामीण क्षेत्र अंबा टोला में पिछले एक माह से बिजली ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण गांव में अंधेरा था। जिसे देखते हुए उरेज गांव निवासी आजसू नेता कोलेश्वर गंझु के पहल एवं विधायक रोशन लाल चौधरी के प्रयास से बिजली विभाग के द्वारा 100 केवीए का नया बिजली ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया। जिसका उद्घाटन रविवार को आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य कोलेश्वर गंझु ने फीता काटकर। तथा गांव में बिजली बहाल कराई गई। उद्घाटन मौके पर मुखिया प्रतिनिधि महेंद्र मांझी, हेमंत , अबरार हुसैन, अबरार हुसैन, राज मुंडा, शिबू महतो, जगदेव मुंडा, हसदा दर्जनों लोग उपस्थित थे।

चौपारण थानेदार अनुपम प्रकाश बने ओवरऑल रेंज चैंपियन

चौपारण : इन दिनों चैंपियन के नाम से मशहूर चौपारण थानेदार अनुपम प्रकाश की हर और प्रशंसा हो रही है। चौपारण को अपराध मुक्त से लेकर हर त्यौहार को शांतिपूर्ण तरीके से कराने में इनका बड़ा योगदान रहा है। कुंभ मेले में लगे ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने में अनुपम प्रकाश ने दिन और रात एक कर दी थी। चौपारण के युवा इनके सहयोग में आ खड़े हुए थे। बहुत ही कम समय में युवा के चाहिता और प्रखंडवासियों के दिल में अपनी जगह बना चुके अनुपम प्रकाश गिरिडीह में आयोजित प्रतियोगिता में भी अव्वल आए हैं। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के अंतर्गत आयोजित रेंज पुलिस ड्यूटी मीट 2025 में हजारीबाग जिला के चौपारण थाना के थाना प्रभारी एसआई अनुपम प्रकाश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल रेंज चैंपियन (व्यक्तिगत) का खिताब अपने नाम किया। वहीं उतरी छोटानागपुर क्षेत्र में ओवरऑल रेंज चैंपियन में हजारीबाग जिला का भी प्रथम स्थान रहा। इस प्रतियोगिता में हजारीबाग, कोडरमा, चतरा, गिरीडीह और रामगढ़ पांच जिला की टीम शामिल हुए थे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 09 से 11 जुलाई 2025 तक गिरिडीह में किया गया था, जिसमें उत्तर छोटानागपुर रेंज के सभी जिलों की पुलिस इकाइयों ने भाग लिया। चौपारण थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश ने इन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेडिकोलीगल में प्रथम स्थान, फिंगर प्रिंट में प्रथम स्थान, फॉरेंसिक साइंस में प्रथम स्थान, क्राइम इन्वेस्टिगेशनः में तृतीय स्थान के अलावे साइंटिफिक ऐड टू इन्वेस्टिगेशन श्रेणी में अपने क्षेत्र का नेतृत्व करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन कर समस्त रेंज में श्रेष्ठता हासिल की।

मांगों को लेकर मॉनसून सत्र में विधानसभा का घेराव करेंगे सहायक शिक्षक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा राज्य कमेटी की बैठक रविवार को रांची के मोराहाबादी मैदान में हुई। बैठक की अध्यक्षता संघर्ष मोर्चा के वरीय सदस्य विनोद बिहारी महतो, संचालन विनोद तिवारी और संजय दुबे ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में झारखंड के सभी 24 जिला अध्यक्ष, जिला सचिव, सभी प्रखंड कमेटी और सैकड़ों सहायक अध्यापकों ने भाग लिया। बैठक में कहा गया कि सरकार ने अपने वादे के मुताबिक अब तक सहायक अध्यापकों को वेतनमान और समान काम का समान वेतन की सुविधा प्रदान नहीं की है। इसके अलावा अनुकंपा सहायक अध्यापकों की सेवानिवृत्ति 65 वर्ष पर कोई निर्णय अब तक नहीं किया गया है। सरकार के साथ हुए विगत समझौते का 90 प्रतिशत अब तक मांग पूरा नहीं किया गया है। वर्तमान में झारखंड के तकरीबन 2000 सहायक अध्यापकों को सर्टिफिकेट जांच के नाम पर कार्यमुक्त करने का जो निर्णय सरकार के अधिकारियों ने लिया है इससे झारखंड के तमाम सहायक अध्यापकों में सरकार और विभागीय अधिकारी के खिलाफ आक्रोश है। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 19 एवं 20 जुलाई को सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के सभी मंत्री और विधायकों को संयुक्त रूप से मांग पत्र दिया जाएगा। साथ ही विधानसभा के मानसून के सत्र में विधानसभा का घेराव किया जाएगा। इसके बाद भी यदि सरकार समान काम का समान वेतन, 2000 बर्खास्त सहायक अध्यापकों की सेवा वापसी अन्य समस्याओं का समाधान नहीं करती है तो पांच सितंबर को तमाम सहायक अध्यापक मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। इसके बाद 15 नवंबर को मोराहाबादी के मैदान में एकत्रित होकर सभी सरकारी कार्यक्रम का विरोध करते हुए काला झंडा के साथ तमाम सहायक अध्यापक प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। इसकी सूचना सरकार को सोमवार को दिया जायेगा। बैठक में झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के राज्य कमेटी सदस्य विनोद बिहारी महतो, विनोद तिवारी, संजय दुबे, ऋषिकेश पाठक, दिलशाद अंसारी, सिंटू सिंह, विकास कुमार चौधरी, सुमन कुमार, निरंजन दे सहित अन्य मौजूद थे।

एक नजर

14-15 जुलाई को झारखंड में भारी बारिश के आसार

रांची : झारखंड के दक्षिण पूर्वी और उत्तर पश्चिमी जिलों में अगले एक- दो दिनों में भारी बारिश होने की आशंका है। यह जानकारी मौसम विभाग ने दी है। विभाग की ओर से 14 जुलाई को दक्षिण पूर्वी और उत्तरी हिस्सों एवं 15 जुलाई को उत्तर पश्चिमी तथा उत्तरी-मध्यवर्ती जिलों के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने की आशंका है। साथ ही इन इलाकों में कहीं-कहीं आकाशीय बिजली गिरने की आशंका को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में पिछले 24 घण्टों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश गढ़वा जिले में 62.5 मिमी रिकॉर्ड की गई। वहीं , इस दौरान राज्य के जिन इलाकों में बारिश दर्ज की गई उनमें डाल्टनगंज 57.2, मंझारी 45.2, चक्रधरपुर 30, गढ़वा जिला का धुरकी 25.5, भवनाथपुर 25.1, खूंटी का अड़की में 25.1, चैनपुर 18.5, रामगढ़ में 14.6, बोकारो 14, नीमडीह 13.8 और बरकट्ठा में 12.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से रुक-रुक कर बारिश होती रही। रांची में अधिकतम तापमान 29.9, जमशेदपुर में 33.6, डालटेनगंज में 30.8, बोकारो में 31.1 और चाईबासा में तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सेवा, सुरक्षा और संस्कार दुर्गावाहिनी का है मुख्य आधार : डॉ. शोभा रानी

रांची : विश्व हिंदू परिषद महिला इकाई की क्षेत्रीय मातृशक्ति प्रमुख डॉ. शोभा रानी दीदी ने कहा कि सेवा, सुरक्षा और संस्कार दुर्गावाहिनी का मुख्य आधार है। डॉ. शोभा रांची के एयरपोर्ट रोड स्थित एक होटल में विश्व हिंदू परिषद महिला इकाई की एक दिवसीय प्रांत स्तरीय वार्षिक बैठक को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि सेवा,सुरक्षा और संस्कार दुर्गावाहिनी का मुख्य आधार है। उन्होंने कहा कि दुर्गा वाहिनी एवं मातृशक्ति की धर्म को बचाकर सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका हैं। संगठन की स्थापना निराशा जनक परिस्थियों में हुई थी। स्थापना का मुख्य उद्देश्य धर्म एवं संस्कृति की रक्षा,मठ मंदिरों की रक्षा करना। उन्होंने कहा कि श्रीराम मंदिर स्थापना के समय मातृ शक्ति एवं दुर्गा वाहिनी बहनों की भूमिका को देखते हुए साध्वी ऋतंभरा दीदी को संयोजिका बनाया गया था। उन्होंने कहा कि संस्कार निर्माण परिवार की रक्षा में सबल राष्ट्र, आत्म रक्षा में मानसिक एवं शारीरिक रूप से सक्षम बनाना हमारे मुख्य कार्य हैं। इस वार्षिक बैठक में मातृ शक्ति एवं दुर्गा वाहिनी बहनों के कार्यक्रम के संदर्भ में वार्षिक योजना बनाई गई। संस्कारशाला, संस्कार केन्द्र, शक्ति साधना केन्द्र चलाना, समानता का भाव, समाज जागरण के लिए दायित्व के संदर्भ में बताया।

16-17 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का होगा आयोजन

रांची : श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति की ओर से दो दिवसीय कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 16 और 17 अगस्त को मनाया जाएगा। मीडिया प्रभारी प्रमोद सारस्वत ने रविवार को बताया कि इस अवसर पर दही हांडी प्रतियोगिता का भी आयोजन रखा गया है। दही हांडी प्रतियोगिता उत्सव के साथ भजन संध्या सहित देश भक्ति के गीतों का भी कार्यक्रम रखा गया है। उन्होंने बताया कि समिति रांची के सानिध्य में अलबर्ट एक्का चौक, मेन रोड पर 16 और 17 अगस्त को दो दिवसीय श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जाएगा। वर्तमान में श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति के संरक्षक केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, संरक्षक सीपी सिंह , संरक्षक अजय मारू और समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा हैं।

ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 27 प्रतिशत करे सरकार : महासभा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कुशवाहा महासभा की ओर से रविवार को झारखंड सरकार में पिछड़ा वर्ग सदस्य के रूप में मनोनीत नरेश वर्मा का स्वागत रविवार को किया गया। इस अवसर पर महासभा के संरक्षक पूर्व सांसद भुवनेश्वर मेहता की अध्यक्षता में प्रदेश कुशवाहा महासभा के कोर कमेटी की बैठक की गई। बैठक में कई निर्णय लिया गया। इसमें राज्य झारखंड सरकार से पिछड़ा वर्ग के लिए अलग मंत्रालय का गठन करने, ओबीसी के आरक्षण को 14 से बढ़कर 27 प्रतिशत करने, कृषि को उद्योग का दर्जा देना शामिल है। कार्यक्रम में सभा प्रदेश अध्यक्ष हकीम महतो ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश से कुशवाहा समाज के किसी व्यक्ति को सरकार में शामिल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि नरेश वर्मा को पिछड़ा वर्ग का सदस्य बनाकर हमें सम्मानित किया है। इसके लिए उन्होंने सरकार के प्रति आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में महामंत्री सत्यदेव वर्मा, कमेटी के सदस्य रवींद्र वर्मा, बटेश्वर मेहता सहित काफी संख्या में महासभा के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

तटरक्षक बल करियर अभियान 14 जुलाई से चार जगहों पर होंगे कार्यक्रम : संजय सेठ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि रांची के चार जगहों पर 14 जुलाई को भारतीय तटरक्षक बल में करियर अवसरों के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। मंत्री सेठ ने रविवार को यहां एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह आह्वान है कि देश के अधिक से अधिक युवा देश की सुरक्षा में अपनी भागीदारी निभाएं। इस परिप्रेक्ष्य में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मार्गदर्शन में रक्षा मंत्रालय देश के विभिन्न हिस्सों में जागरूकता अभियान चला रहा है। इसी उद्देश्य से रांची में भारतीय तटरक्षक बल के जरिये एक ऐसे अभियान की शुरूआत की जा रही है, जो पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 14 जुलाई को रामटहल चौधरी विद्यालय ओरमांझी में 10:00 बजे ,एसएस मेमोरियल कॉलेज कांके 12:00 बजे, लाला लाजपत राय स्कूल पुनदाग 1:00 बजे, गोसनर कॉलेज क्लब रोड में 2:00, बजे से संगोष्ठी आयोजित की गई है। उन्होंने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल की ओर से देश के युवा विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए एक जागरूकता एवं भर्ती अभियान चलाया जा रहा है, जो रांची के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित किया जाएगा। यह अभियान रांची में पहली बार शुरू हुआ है, जो 20 जुलाई, 2025 तक आयोजित होगा। यह बल रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। उन्होंने कहा कि यह बल भारत के समुद्री हितों की रक्षा, समुद्री कानूनों का प्रवर्तन, तटीय सुरक्षा, खोज एवं बचाव कार्य, समुद्री पर्यावरण का संरक्षण करता है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच भारतीय तटरक्षक बल को एक आकर्षक करियर विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना है।

द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025 रिपोर्ट में रांची सबसे आगे, जीवनशैली खर्चों में नया ट्रेंड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : होम क्रेडिट इंडिया, एक अग्रणी कनज्यूमर फाइनेंस कंपनी, ने आज अपनी महत्वपूर्ण रिपोर्ट 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025' के तीसरे संस्करण के निष्कर्षों का अनावरण किया। इस वर्ष के अध्ययन में यह बात सामने आई है कि निम्न मध्यम वर्ग के भारतीयों की वित्तीय बेहतरी के दृष्टिकोण में एक परिवर्तनकारी बदलाव आया है। 'मैपिंग इंडियाज एस्पिरेशन्सः द ड्रीम्स इन एवरी वॉलेट' की थीम के साथ, यह अध्ययन देश के दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है और एक लचीले, आशावादी और तेजी से डिजिटल हो रही आबादी की तस्वीर पेश करता है, जो न केवल जीवंत है, बल्कि अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए फल-फूल रहा है। यह अध्ययन वित्तीय बेहतरी के सूचकांक से प्राप्त अंतर्दृष्टि के साथ-साथ आय, व्यय, वॉलेट शेयर, आकांक्षाओं और विवेकाधीन खर्च पर विस्तृत डेटा का लाभ उठाते हुए, पूरे देश में उपभोक्ताओं के वित्तीय जीवन की एक झलक प्रदान करता है। अध्ययन के अनुसार, देश की वित्तीय नब्ज मजबूत बनी हुई है, उपभोक्ता बढ़ती लागतों के अनुकूल होते हुए व्यावहारिक योजना और तेजी से महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण प्रदर्शित कर रहे हैं। यह भावना विशेष रूप से शिक्षा, नौकरी के अवसरों और किफायती ऋण की इच्छा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर उनके ध्यान में स्पष्ट है। होम क्रेडिट इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी, आशीष तिवारी ने कहा, जब हमने 2023 में 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट स्टडी' शुरू की, तो हम भारत की वित्तीय धड़कन को समझना चाहते थे। हमने जो पाया वह चुपचाप क्रांति की ओर बढ़ता एक देश था - लाखों परिवार बाधाओं को सीढ़ी में, चुनौतियों को अवसरों में बदल रहे थे। उन्होंने आगे कहा, इस साल के निष्कर्ष कुछ असाधारण बातें बताते हैं: आर्थिक बाधाओं के बावजूद, भारत का निम्न मध्यम वर्ग पहले से कहीं अधिक आशावादी, अधिक डिजिटल और अधिक दृढ़ है। उनका वित्तीय अनुशासन, उद्यमशीलता की भावना और अगली पीढ़ी की समृद्धि के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमें नवाचार करने और उनकी #ज़िंदगी हिट बनाने में सच्चे भागीदार बनने के लिए प्रेरित करती है।

झारखंड में स्कूली बच्चों की साइकिल भी चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड में स्कूली बच्चों की साइकिल भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी है। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि हेमंत सरकार में चौतरफा भ्रष्टाचार व्याप्त है। स्कूली छात्रों को दी जाने वाली साइकिल भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। उन्होंने कहा कि कल्याण विभाग की ओर से सरकारी स्कूल के छात्र-छात्राओं को कबाड़ साइकिलें वितरित की जा रही हैं। साइकिलें या तो पहले से पंचर थीं, या उनके टायर-ट्यूब ही फटे हुए थे। कुछ के हैंडल ढीले तो कुछ की चेन जाम। मजबूरन बच्चे साइकिलें कंधे पर ढोते या हाथ में थामे पैदल लौटे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हो चुकी हैं कि हर बच्चों की योजनाएं तक इससे अछूती नहीं रही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को खराब हो चुकी सारी साइकिलें वापस लेकर बच्चों को अच्छी गुणवत्ता वाली साइकिल उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।

लोकहित अधिकार पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजद में हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश कार्यालय में रविवार को मिलन समारोह का आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में लोकहित अधिकार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार साहू सैकड़ों लोगों के साथ राजद में शामिल हुए। इस मौके पर राष्ट्रीय जनता दल झारखंड के प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, बिहार राजद के प्रधान महासचिव रणविजय साहू, झारखंड के श्रम नियोजन एवं उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री सुरेश पासवान, पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता,गौतम सागर राणा, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रंजन यादव सहित अन्य मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने कहा कि केंद्र सरकार पिछड़े, दलित, आदिवासियों और अल्पसंख्यक की विरोधी है। केंद्र उन राज्यों के खिलाफ काम कर रहा है जहां भाजपा की सरकार नहीं है। इसलिए ऐसे सरकार को तत्काल हटाने की जरूरत है। जयप्रकाश नारायण यादव ने कहा कि बिहार में जनता डबल इंजन की सरकार से त्राहिमाम है। भोला यादव ने कहा कि जिस प्रकार तेली समाज आज यहां एकजुट है। उसे आगे भी एकजुट रहने की आवश्यकता है, क्योंकि इसी तेली समाज को पहले मनुवादियों ने दुत्कारने का काम किया और सुबह उठकर उनका मुंह ना देखने की बात कहा करते थे। यह लालू यादव का प्रयास है कि उन्होंने सभी वंचित पिछड़े समाज को सशक्त और जागरूक बनाने का काम किया है। श्रम नियोजन एवं उद्योग मंत्री ने कहा की लालू यादव के विचारधारा पर चलकर ही झारखंड का उद्धार होगा। बिहार राजद के प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने कहा कि पिछड़ों, दलितों, गरीबों को अगर कहीं इज्जत है तो वह राजद में ही है। उन्होंने कहा कि सुनील साहू से उन्हें बहुत उम्मीद है कि वह झारखंड में साहू समाज को एकत्रित करेंगे और राष्ट्रीय जनता दल को मजबूत करेंगे। सत्यानंद भोक्ता और सुरेश पासवान ने कहा कि लालू यादव की विचारधारा के बदौलत हम पिछड़े, दलितों और आदिवासियों की आवाज सदन तक पहुंचाते हैं। मंजू साह और रंजन यादव ने भी अपनी बातों को रखा। वहीं सुनील कुमार साहू ने कहा कि लालू यादव के विचारों से प्रभावित होकर ही वह राजद का दामन थामे हैं। मंच का संचालन पार्टी की उपाध्यक्ष अनीता यादव ने किया। मौके पर प्रदेश राजद के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सऊदी अरब से स्वदेश आया धनंजय महतो का पार्थिव शरीर

रांची : धनंजय महतो का पार्थिव शरीर रविवार को सऊदी अरब से झारखंड लाया गया। उनके पार्थिव शरीर को गांव तक पहुंचा दिया गया है। धनंजय महतो हजारीबाग के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के बंडखड़ी गांव के रहने वाले थे। सऊदी अरब में हुए एक हादसे में झारखंड के मजदूर धनंजय महतो की मौत हो गई थी। इस बाबत जानकारी के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सऊदी अरब में मृत धनंजय महतो के पार्थिव शरीर को स्वदेश लाकर गांव तक पहुंचाने का निर्देश अधिकारियों को दिया था। इसके बाद राज्य सरकार के अधिकारियों ने विदेश मंत्रालय के जरिये इसकी कोशिशें तेज कर दी थी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष की ओर से कंपनी एवं परिजनों के साथ समन्वय स्थापित कर मृतक के परिवार को मुआवजा दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 29 वर्षीय धनंजय महतो लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) में काम करते थे। 24 मई को वहां हुई एक दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी। इसके बाद परिजनों ने उनके पार्थिव शरीर को स्वदेश वापस लाने का आग्रह झारखंड सरकार से की थी।

पासवा मनाएगा 14 से पर्यावरण जागरूकता सप्ताह : आलोक कुमार

रांची : पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने ग्रीन झारखंड की संकल्पना को साकार करने के लिए निजी विद्यालयों को आगामी 14 जुलाई से 20 जुलाई तक पर्यावरण जागरूकता सप्ताह मनाने का निर्देश दिया। पासवा की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के दिन से ही ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह और पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे के दिशा निर्देश पर एक लाख पौधे लगाकर पर्यावरण जागरूकता अभियान की शुरूआत की गई थी। साथ ही इस अभियान के तहत झारखंड में स्कूली विद्यार्थियों की ओर से 50 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही पौधों को संरक्षित करने का भी संकल्प लिया गया है। अपने इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए तथा झारखंड में पर्यावरण के प्रति जन जागृति फैलाने के लिए आगामी 14 जुलाई से 20 जुलाई तक पासवा पर्यावरण जागरूकता सप्ताह मनाएगा। इसके तहत पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने रविवार को राज्य के प्रत्येक जिले के निजी विद्यालयों के प्राचार्य और डायरेक्टर्स को निर्देश दिया कि वे 14 से 20 जुलाई तक अपने-अपने विद्यालयों में पर्यावरण पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर संपूर्ण झारखंड में पर्यावरण के प्रति जन जागृति फैलाएं।

पेसा लागू करने में देरी नहीं, आदिवासी अधिकारों का व्यवस्थित उल्लंघन है : विजय शंकर नायक

रांची : पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम, 1996 (पेसा) भारत के आदिवासी समुदायों को स्वशासन, प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार, और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा के लिए प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव,संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के नेतृत्व में बनाया गया था । जो एक क्रांतिकारी कानून है। यह कानून 73वें संवैधानिक संशोधन (1992) का हिस्सा था, जिसने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत किया। पेसा कानून 24 दिसंबर 1996 को संसद द्वारा पारित किया गया और इसे पांचवीं अनुसूची के तहत अनुसूचित क्षेत्रों में लागू किया गया। इसका उद्देश्य आदिवासी समुदायों को स्वशासन और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण प्रदान करना था। पेसा को विशेष रूप से अनुसूचित जनजातियों के लिए बनाया गया था। यह कानून पांचवीं अनुसूची के तहत अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को सशक्त करता है। झारखंड, जो आदिवासी बाहुल्य राज्य है, में पेसा कानून को लागू करने में 25 वर्षों से अधिक की देरी ने कई सवाल खड़े किए हैं। 1996 में पेसा लागू होने के बाद, झारखंड राज्य का 2000 में गठन के बाद भी नियमावली तैयार नहीं की। 2022 में पहली ड्राफ्ट नियमावली जारी हुई, लेकिन आपत्तियों के कारण इसे लागू नहीं किया गया। 2023 में दूसरा ड्राफ्ट आया, और 29 जुलाई 2024 को झारखंड हाई कोर्ट ने सरकार को दो महीने में नियमावली अधिसूचित करने का आदेश दिया, जो अब तक पूरा नहीं हुआ। उदाहरण: पंचायती राज विभाग की निदेशक निशा उरांव ने स्वीकार किया कि सुझावों पर विचार चल रहा है, लेकिन प्रक्रिया धीमी है। राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी वभिन्न दलों की सरकारों (भाजपा: 2000-2019, झामुमो-कांग्रेस-आरजेडी: 2019-वर्तमान) ने पेसा को प्राथमिकता नहीं दी। हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह संविधान के 73वें संशोधन की भावना के खिलाफ है।

श्याम मित्र मंडल की बैठक में चुनावी घोषणा स्थगित, जल्द होगी नई बैठक

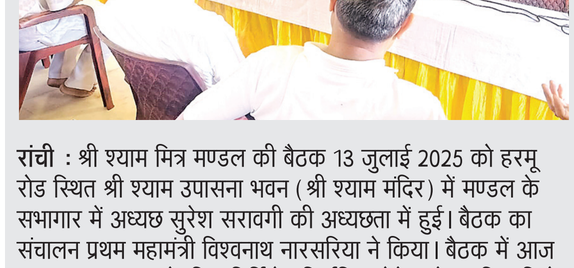

रांची : श्री श्याम मित्र मण्डल की बैठक 13 जुलाई 2025 को हरमू रोड स्थित श्री श्याम उपासना भवन (श्री श्याम मंदिर) में मण्डल के सभागार में अध्यछ सुरेश सरावगी की अध्यछता में हुई। बैठक का संचालन प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने किया। बैठक में आज सत्र 2025-2027 के लिए निर्विरोध निर्वाचित होने वाले पदाधिकारियो व कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा होनी थी। बैठक में सुझाव आया कि फिर से एक बैठक आयोजित करनी चाहिये। सर्वश्री अजय मारू, अनुज मोदी, राजीव रंजन मित्तल, राजकुमार केडिया आदि ने अपने विचार रखे। मण्डल के पूर्व अध्यछ व वर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने अध्यछ सुरेश सरावगी से विमर्श करके फिर से जल्द से जल्द बैठक पुनः बुलाने की घोषणा की। बैठक में सर्वश्री गोपाल मुरारका, श्रवण ढांढनिया, संजय सराफ, पंकज गाड़ोदिया, गौरव अग्रवाल, श्याम सुंदर शर्मा, कविता मित्तल, राजेश ढांढनिया, अशोक लाडिया, रोहित अग्रवाल, विष्णु चौधरी, अनिल नारनोली, रतन सिंघानिया, आदित्या लोहिया,रतन शर्मा सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे। चुनाव पदाधकारी विश्वनाथ नारसरिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

एक नजर

नाबालिग ने जहर खा कर की आत्महत्या

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र के मरकच्चो दक्षिणी पंचायत स्थित ग्राम भोजपुर में एक नाबालिग छात्रा ने जहर खा कर अपनी इह लीला समाप्त कर ली। मृतका की पहचान भोजपुर निवासी मो मुजीबुर रहमान की 16 वर्षीय पुत्री मुनीबा खातुन के रूप में कई गयी है। मृतका इसी वर्ष मैट्रिक की परीक्षा में द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण की थी। जानकारी अनुसार किसी बात को लेकर नावालिग ने शुक्रवार को विषपान कर लिया था। जिसे उसकी हालत बिगड़ने लगी थी। परिजन आनन फानन में बाहर ले जाकर एक निजी क्लिनिक में इलाज करा रहे थे। इलाज के दौरान रविवार की दोपहर नाबालिग छात्रा की मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलने पर मरकच्चो थाना के ए एस आई मो इसराफुल दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे तथा पूरी घटनाक्रम की जानकारी लेते हुवे शव को अपने कब्जे में ले लिया। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। सामाचार लिखे जाने तक शव को पोस्मार्टम में नही भेजा गया था।

मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी में स्कूली बच्चों के बीच ऑक्सीजन मैन के द्वारा किया गया साइकिल वितरित

डोमचांच/ कोडरमा : जिले के डोमचांच नगर क्षेत्र स्थित मंजुला शर्मा मेमोरियल एकेडमी परिसर में दिन सोमवार को समय 10:00 बजे बिहार के ऑक्सीजन मैन गौरव राय के द्वारा तीन स्कूली बच्चों के बीच साइकिल वितरण किया जाएगा। विद्यालय के निदेशक रजनीश कुमार के अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। साइकिल वितरण कार्यक्रम में ऑक्सीजन मैन का गर्म जोशी से उनका स्वागत किया किया जाएगा । बता दे की जब पूरे देश में कोरोना महामारी जैसे आपदा को झेल रहा था, उस समय बिहार के एक लाल गौरव राय ने बढ़ चढ़कर मानव सेवा किया था। उसका ताजा उदाहरण है कि उस समय उन्होंने अस्पतालों में जाकर ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचाकर कई लोगों की थी। गौरव राय एक निजी कंपनी में वरीय महाप्रबंधक पद पर कार्यरत थे, वे मूलत: सिवान जिला के रहने वाले है और वर्तमान में पटना में रहते हैं इन्होंने मानव सेवा मिसाल पेश करते हुए सौ बार रक्तदान किया है। इस संबंध में पूछे जाने पर गौरव राय ने बताया कि अपनी मां आशा सिन्हा के पुण्यतिथि के अवसर पर उन्होंने स्कूली बच्चों के बीच साइकिल वितरण किया है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अब तक करीबन उनके परिवार व मित्रों के द्वारा 254 साइकिल जरूरतमंद बच्चों को दिया जा चुका है। वर्तमान में 145 लोगों का समूह है, जो जरूरतमंद लोगों को अपने आसपास के इलाकों से निकाल कर जीवन जीने के दिशा में एक बड़ा कार्य कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

सेक्टर 2 सी में संदिग्ध युवकों की धरपकड़ एक युवक हिरासत में दूसरा फरार

बोकारो : सेक्टर 2 सी में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया जब इलाके के लोगों ने दो संदिग्ध युवकों को एक बोरे में सामान ले जाते देखा। नर्मदेश्वर शिव मंदिर के सामने बैठे लोगों ने जब दोनों युवकों को रुकने का इशारा किया, तो वे भागने लगे। इसके बाद मुहल्ले के दर्जनों लोग उनके पीछे दौड़े। दोनों युवक पास के जंगल में छुप गए, लेकिन स्थानीय लोगों ने जंगल को चारों ओर से घेर लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एक युवक को हिरासत में ले लिया, जबकि दूसरा युवक फरार हो गया।

बोकारो में नेक्सोन कार से भारी मात्रा में गांजा-शराब बरामद, दो गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली कि बीएस सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत एल.एच. कॉलोनी से एक व्यक्ति भारी मात्रा में गांजा और शराब कार में लादकर बेचने के लिए निकल रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नगर डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया। छापामारी दल ने दुगल गेट के पास एक नेक्सोन कार (जे एच 09 एजे-6547) को रोककर तलाशी के दौरान कार से करीब 9 किलोग्राम गांजा और अवैध शराब की भारी खेप बरामद की गई। मौके से अनिल यादव (41 वर्ष), पिता दयानाथ सिंह, निवासी एलएच मोड़ सोनाटांड़ को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अनिल ने खुलासा किया कि गांजा मिथलेश यादव नामक व्यक्ति से प्राप्त हुआ था।

उसकी निशानदेही पर चास थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रभात कॉलोनी से मिथलेश यादव (38 वर्ष), पिता हुलास यादव को गिरफ्तार किया गया। इसके पश्चात मिथलेश की सूचना पर पिंकु उर्फ टिंकु उर्फ सुनील महतो के किराए के मकान से 9 किलोग्राम अतिरिक्त गांजा बरामद किया गया। कुल जप्त सामानों में शामिल हैं: कुल 18 किलोग्राम गांजा, किंगफिशर बीयर - 103 बोतल,आईकोनिक व्हाइट व्हिस्की - 50 बोतल,बिलियम लॉसन व्हिस्की - 06 बोतल,ब्लेंडर प्राइड व्हिस्की झ 33 बोतल,नेक्सोन कार (JH09AJ-6547) ,दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन गिरफ्तार अनिल यादव का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है: कांड संख्या 57/24, 69/24 और 192/24 (धारा 272/273/290 भादवि एवं 47अ उत्पाद अधिनियम के तहत) छापामारी दल में थाना प्रभारी बीएस सिटी सुदामा कुमार दास, चास थाना प्रभारी सुषमा कुमारी, पिंडराजोरा थाना प्रभारी अभिषेक रंजन सहित कुल 16 पुलिसकर्मी इस कार्रवाई में शामिल थे। इस संबंध में बीएस सिटी थाना में कांड संख्या 142/25, दिनांक 12.07.25, धारा 20 बी बी/25 एनडीपीस एक्ट एवं 47 ए एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर एक व्यक्ति को किया गया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : गिरीडीह जिला के मकतपुर चौक पर बंगाली स्कूल के सामने एक लोहार के दुकान में दीपक कुमार, निरीक्षक प्रभारी कोडरमा साथ स्टाफ के द्वारा स्थानीय थाना के सहयोग से छापेमारी कर एक व्यक्ति गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति विशाल कुमार विश्वकर्मा, उम्र करीब 33 वर्ष, पिता- स्व0 शिव प्रसाद विश्वकर्मा, सा0- नगिना सिंह रोड, गिरीडीह, वार्ड सं0 16, थाना- गिरीडीह, जिला- गिरीडीह (झारखंड) का रहने वाला है उसके दुकान में दुकान में छुपाकर रखा हुआ एक प्लास्टिक का बोरा में 23 अदद पेन्ड्रोल क्लिप, पेंड्रोल क्लिप को पीटकर बनाया हुआ 05 अदद बड़ा छेनी एवं 04 अदद छोटा छेनी पाया गया तथा उसी के बगल में 01 अदद 15 ईंच लम्बाई का रेल लाईन का टुकड़ा जिसका वजन करीब 20 किलोग्राम पाया गया साथ ही छेनी तथा अन्य सामान बनाने में प्रयोग किया जाने वाला 01 अदद बड़ा सरसी, 03 अदद मध्यम सरसी, 03 अदद छोटा सरसी, 04 अदद छोटा-बड़ा हथौड़ा, 03 अदद रेती, 01 अदद पुराना इस्तेमाली लाल रंग का जिसपर 14 लिखा हुआ तथा अलग-अलग आकार में परिवर्तित लोहा का सामाग्री वजन करीब 15 किलोग्राम बरामद किया गया। पाये गये रेल सम्पति के बारे में लोहार विशाल कुमार विश्वकर्मा से पूछताछ की गई तो उसके द्वारा बताया गया।

पासवान एकता मंच ने प्रतिभा सम्मान समारोह का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : रविवार को झुमरीतिलैया के महाराजा अग्रसेन भवन में पासवान एकता मंच के तत्वाधान में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पासवान एकता मंच के जिलाध्यक्ष विजय पासवान ने किया। जबकि संचालन प्रभात प्रकाश व रवि पासवान ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पासवान समाज के कुल देवता शिरोमणि बाबा चौहरमल, संविधान निमार्ता डॉ बीआर अंबेडकर, ज्योतिबा फुले, स्व रामविलास पासवान की तस्वीर पर माल्यार्पण के साथ हुई। साथ ही समाज के प्रबुद्ध गणमान्य व अतिथियों के अलावे पासवान एकता मंच के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संरक्षक सीडी प्रसाद,स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ बी रानी,संजय लाल पासवान,प्रेम पासवान आदि ने संबोधित करते कहा कि समाज की यह पहल काफी सराहनीय है। सामाजिक स्तर पर समाज के होनहार छात्र छात्राओं और विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मान प्राप्त होने से हौसला बढ़ता है। उन्हें सम्मनित होता देख अन्य छात्र छात्राएं प्रेरित होती है। वक्ताओं ने कहा कि पासवान समाज का आर्थिक ढांचा आज भी काफी कमजोर है,लेकिन आर्थिक संपन्नता लाने के लिए समाज को शिक्षित होना ही पड़ेगा। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा ही आर्थिक सशक्तिकरण की ओर ले जाने का द्वार खोलती है। अतिथियों ने मैट्रिक से लेकर स्नातकोत्तर और प्रतियोगिता परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को शुभकामनाएं प्रेषित की और हौसला बढ़ाया। वहीं कवि और मंच के संगठन महासचिव भुनेश्वर पासवान ने प्रेरणादायक कविता पेश किया।

लायंस क्लब ने सेक्टर 2 गुरुद्वारा साहिब में स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : लायंस क्लब बोकारो द्वारा आज सेक्टर 2 स्थित गुरुद्वारा साहिब परिसर में स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर सुबह 10:15 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक चला, जिसमें ब्लड शुगर और बीपी (ब्लड प्रेशर) की जांच की गई। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया और गुरुद्वारा साहिब में मत्था टेकने के बाद अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 115 लोगों की जांच की गई। डॉक्टरों की टीम ने सभी को आवश्यक स्वास्थ्य सलाह और सावधानियां भी बताईं। शिविर का संचालन लायन डॉ. के. के. सिन्हा, लायन डॉ. प्रवीण मिश्रा और लायन डॉ. रमेश राजवार ने किया, जिनके योगदान के लिए लायंस क्लब ने आभार प्रकट किया। शिविर में 34 अन्य लायन सदस्य, लायन महिलाएं और अतिथि भी शामिल हुए, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को सफल बनाया। लायन प्रेसीडेंट माधवी सिंह के नेतृत्व में लायंस मधुकर सिन्हा, लायन सुधा किरण (सचिव), आर. सी. खन्ना, अजय केडिया, रवींद्र कुमार, डी. के. श्रीवास्तव, बिन्नी श्रीवास्तव, यूनुस सादली, जगमोहन सिंह, जे. एस. बेदी, जस्बीर सलूजा, जया सिंह, तनवीर सिंह, अखिलेश, भूषण गुलाटी, अर्चना डोकानिया, मुनीरा सादली, शुवरा वर्मा, मोहिता वर्मा, अरविंद बग्गा और वी. के. सिंह सहित कई सदस्यों की उल्लेखनीय भूमिका रही। लायनलेडी सरिता केडिया, अमरजीत कौर, मंजू गुलाटी, मंजीत सलूजा, मनिंदर बेदी और मीता बग्गा की उपस्थिति सभी के लिए प्रेरणादायक रही। पूर्व लायंस आर. के. वर्मा, स्नेह वर्मा और गुरजीत कौर पोपली को भी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया। शिविर के सफल समन्वय के लिए जी. एस. टी. के अध्यक्ष लायन जसबीर सिंह की भी सराहना की गई। अंत में, लायंस क्लब ने श्री एस. पी. सिंह जी और गुरुद्वारा साहिब समिति के सभी सदस्यों को उनकी उत्कृष्ट व्यवस्था और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। लायंस क्लब बोकारो का यह सेवा कार्य समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

सीआईएससीई जोनल फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शिक्षा और खेल के समन्वय का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए संत जेवियर्स विद्यालय, बोकारो इस्पात नगर में 12 जुलाई को सीआईएससीई जोनल फुटबॉल टूनार्मेंट 2025 का भव्य, सजग एवं सुसंगठित आयोजन किया। यह आयोजन शौर्य, साहस और सौहार्द का सजीव प्रतीक बनकर उभरा, जहाँ प्रतिभा और परिश्रम का अद्वितीय संगम दृष्टिगोचर हुआ। इस भव्य टूनार्मेंट में कुल 10 प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया, जिनमें अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्ग के उत्कृष्ट खिलाड़ियों ने भागीदारी निभाई। प्रतिभागी विद्यालयों के नाम डिनोबिली एफआरआई, मैथन, सीएमआरआई, सिंदरी, भूली, सीटीपीएस, गोमो, कोराडीह, लोयोला स्कूल तालडंगा तथा संत जेवियर्स बोकारो इस्पात नगर है। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के उप-प्राचार्य महोदय द्वारा स्वागत भाषण एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न विद्यालयों टीमों की सजीव उपस्थिति ने पूरे वातावरण को उल्लासमयी, उत्साहवर्धक और ऊजार्वान बना दिया। प्राचार्य महोदय ने अपने भावविभोर भाषण में कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, यह जीवन मूल्यों, आत्मानुशासन और नेतृत्व क्षमता का व्यावहारिक शिक्षालय है। ऐसे आयोजनों से नवोदित प्रतिभाओं को मंच मिलता है तथा उनमें राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचने की प्रेरणा जागृत होती है।खिलाड़ियों ने चपलता, धैर्य, रणनीति, और दृढ़ संकल्प का ऐसा प्रदर्शन किया, जो दर्शकों के हृदय को स्पंदित कर गया। प्रत्येक मैच रोचक, कठिन, तथा हृदय-उत्तेजक रहा, जिसमें खेल भावना की मिसाल देखने को मिली। परिणाम स्वरूप अंडर 19 वर्ग में प्रथम स्थान डीएनएस एफआरआई , द्वितीय स्थान डीएनएस सीएमआरआई और तृतीय स्थान सेंट जेवियर्स बोकारो को प्राप्त हुआ।

जर्जर स्कूल भवन में बच्चों की पढ़ाई, हर पल हादसे का खतरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिला अंतर्गत चास प्रखंड के बिजुलिया पंचायत स्थित नव प्राथमिक विद्यालय-2 पाठकडीह में बच्चों को जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। विद्यालय भवन की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि छत से बारिश के दौरान टुकड़े टूट-टूटकर गिरते हैं, जिससे बच्चे और शिक्षक दोनों डरे-सहमे रहते हैं।

विद्यालय में कुल 41 बच्चे नामांकित हैं और दो शिक्षक तैनात हैं। वर्ग 1 से 5 तक की पढ़ाई होती है। विद्यालय भवन के सभी कमरे—चाहे वह वर्ग कक्ष हों, किचन हो या स्टोर रूम—बेहद खस्ताहाल हैं। बरामदा तक बैठने लायक नहीं है और परिसर में बने गड्ढों में बारिश के समय जलजमाव की स्थिति बन जाती है, जिससे बच्चों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है।विद्यालय में 40 डीसमील जमीन उपलब्ध है। यह विधालय भवन का निर्माण 2005 में हुआ था। विधालय में चाहर दिवारी नहीं है जिससे पशु, भेड़, बकरी घुस जाते हैं। बच्चे को मध्यान भोजन के समय कठिनाई होती।

चापाकल और शौचालय भी बदहाल

विद्यालय में दो चापाकल हैं, जिनमें से एक मरम्मत के अभाव में खराब पड़ा है। शौचालयों की स्थिति भी बेहद खराब है, जिससे छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता पर भी खतरा मंडरा रहा है।

शिक्षकों ने कई बार जताई चिंता

प्रधानाध्यापक रामकिशन पाठक और सहायक शिक्षक जगदीश करमाली ने बताया कि विद्यालय की इस गंभीर स्थिति की जानकारी हर मासिक बैठक और रिपोर्ट के माध्यम से संबंधित पदाधिकारियों को दी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

मुखिया ने किया निरीक्षण, दिया आश्वासन

शनिवार को पंचायत के मुखिया बासुदेव राजवार ने विद्यालय का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है और बच्चे कभी भी घायल हो सकते हैं। मुखिया ने बताया कि वे जिला शिक्षा पदाधिकारी से मिलकर जल्द से जल्द इस समस्या के समाधान के लिए पहल करेंगे। शिक्षा का अधिकार बच्चों का मौलिक अधिकार है, लेकिन पाठकडीह विद्यालय की स्थिति बताती है कि अभी भी ग्रामीण इलाकों में शिक्षा व्यवस्था में सुधार की भारी जरूरत है। प्रशासन को चाहिए कि तत्काल भवन निर्माण की व्यवस्था करे ताकि बच्चों की पढ़ाई सुरक्षित वातावरण में हो सके। विधायक मे चाहिए फीस मिले जमीन उपलब्ध है।

संक्षिप्त खबरें

इको क्लब के छात्रों ने किया पौधरोपण

झुमरी तिलैया : आश्रम रोड स्थित कौण्डिन्या पब्लिक स्कूल में इको क्लब के छात्र-छात्राओं द्वारा एक विशेष पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य था—पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और हरियाली को बनाए रखने का संदेश देना।छात्रों ने स्कूल परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर यह संदेश दिया कि हर एक पौधा एक जीवन है₹, और अगर प्रत्येक नागरिक पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक छोटा-सा कदम उठाए, तो इसका व्यापक और सकारात्मक असर समाज पर पड़ेगा।इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य संजय सिन्हा, एडमिनिस्ट्रेटर शिवानी मिश्रा, उप-प्राचार्या सुमन सिंह, सभी शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।मेंटोर की भूमिका में विद्यालय की शिक्षिका मीनू कुमारी एवं शिक्षक अभिमन्यु ने बच्चों को मार्गदर्शन प्रदान किया तथा उन्हें पौधारोपण के महत्व और देखभाल से संबंधित जानकारी दी।कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवानी मिश्रा की सराहनीय भूमिका रही, जिनके समन्वय से यह अभियान सुचारू रूप से संपन्न हुआ।

छात्रों को संबोधित करते हुए प्राचार्य संजय सिन्हा ने कहा, आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर समस्या से जूझ रहा है। ऐसे में हर नागरिक की यह जिम्मेदारी है कि वह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाए। एक हरा-भरा वातावरण ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे सुंदर उपहार होगा।विद्यालय की इको क्लब कैप्टन, रिया ने भी सभी से आग्रह किया कि वे कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसका पालन-पोषण करें ताकि भविष्य को हरा-भरा और सुरक्षित बनाया जा सके।

चंदवारा गर्भवती महिला का संदिग्ध अवस्था में शव बरामद

कोडरमा : जिले के चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत थाम पंचायत के टोंगरा टांड़ में एक महिला का संदिग्ध अवस्था में शव बरामद किया गया है। मृतका की पहचान 45 वर्षीय उर्मिला देवी पति डोमन भुइयाँ के रूप में की गई है। मृतका के भतीजे किशोर कुमार के अनुसार मृतका के पति मुम्बई में कार्यरत हैं। वे दो दिन पूर्व ही मुम्बई से थाम स्थित अपने घर आए थे। इधर शनिवार अपराह्न करीब 3 बजे उनका और उनकी पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। जिसके पश्चात वे घर से लापता हो गईं। इधर रविवार की सुबह जब गांव के कुछ लोग शौच के लिए निकले तो मृतका के घर से करीब 2 सौ मीटर की दूरी पर एक मैदान के पास उसका शव दिखाई पड़ा। जिसके पस्चात उनलोगों ने शोर करके गांव के अन्य लोगों को वहां बुलाया। वहीं मृतका के पति भी घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद इसकी सूचना चंदवारा पुलिस को दी गई। घटना की सूचना पाकर चंदवारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम हेतु उसे सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। मामले को लेकर चंदवारा थाना प्रभारी धनेश्वर कुमार ने बताया घटना को देखकर प्रथम दृष्टया यह आरमहत्या का मामला प्रतीत होता है। महिला का पति के साथ कुछ विवाद होने की भी बातें सामने आ रही हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के पश्चात आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारी मात्रा में बियर बरामद एवं एक अभियुक्त गिरफ्तार

कोडरमा : सतगांवा पुलिस ने स्कॉर्पियो ओर पिकअप वाहन से 40 पेटी 960 पीस विभिन्न कंपनियों के बियर के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दिनांक 12 ओर 13 जुलाई की रात्रि को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि सतगावां थाना क्षेत्र के रास्ते वाहन में अवैध शराब बिहार की ओर व्यापार के लिए परिवहन किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन एवं कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह द्वारा एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा कार्रवाई करते हुए सतगावां थाना अन्तर्गत दर्शननाला के पास वाहन चेकिंग प्रारंभ किया गया। वाहन चेकिंग के क्रम में एक स्कोर्पियो वाहन जेएच 05 एजे 1212 को रोककर जाँच किया गया तो उक्त वाहन में कुल 18 पेटी विभिन्न कम्पनीयो का बियर बरामद किया गया। साथ ही स्कोर्पियो चालक राजन कुमार उम्र 28 वर्ष, पिता अशोक सिंह, ग्राम राहतपुर, थाना बलिया, जिला बेगुसराय जिला बिहार को गिरफ्तार किया गया। वाहन चेकिंग को देखते हुए पिछे से आ रहें एक पिअकप वाहन संख्या बीआर 09 एम 3099 के चालक वाहन को सड़क किनारे खड़ा कर वाहन छोड़ फरार हो गया। टीम के द्वारा पिअकप वाहन को जाँच किया गया तो उक्त वाहन मे कुल 22 पेटी विभिन्न कम्पनी की बियर को बरामद किया गया। दोनो वाहनो से कुल 40 पेटी बियर बरामद किया गया। जिसकी कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपए है।

बोकारो जिला आर्म रेसलिंग एशोसिएशन गठन

बोकारो : बोकारो के खेल जगत में एक और खेल आर्म रेसलिंग खेल जुड़ गया। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत झारखंड आर्म रेसलिंग एशोसिएशन के ऑब्जर्वर के देखरेख व मार्गदर्शन में बोकारो जिला आर्म रेसलिंग एशोसिएशन का गठन किया गया। इस अवसर पर झारखंड आर्म रेसलिंग एशोसिएशन के महासचिव दीपक दुबे विशेष रूप से उपस्थित हुए। श्री दुबे ने कहा कि बोकारो पूर्व से ही खेल का हब है और आज से एक और लोकप्रिय खेल आर्म रेसलिंग खेल जुड़ गया। यह खेल पहले शौकिया खेला करते थे। लेकिन अब इस खेल के प्रतिभा को निखारने के लिए एक मंच मिल गया है। आज यह खेल राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेला जा रहा है। अब बोकारोवासी व प्रतिभावन खिलाड़ी अपने उच्चस्तरीय प्रदर्शन से देश का नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे।

एक नजर

महिला को जहरीले सांप काटने से हुई मूर्छित

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक महिला को जहरीले सांप के काटने से मूर्छित होने लगी। मिली जानकारी के अनुसार मसकलैया निवासी अशोक मंडल की 40 वर्षीया पत्नी नीलम देवी दियारा के खेत में परवल तोड़ने गई थी। परवल तोड़ने के दरमियान किसी जहरीले सांप ने हाथ के उंगली में काट लिया जिससे उक्त महिला मूर्छित होने लगी। वही खेत में काम कर रहे अन्य लोगों व परिजनों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज लाया गया। जहां ड्यूटी में तैनात डॉक्टर के द्वारा उक्त महिला का इलाज किया गया। सदर अस्पताल में डॉक्टर के देख देख में इलाज चल रहा है।

ट्रैक्टर ट्राली मिर्जाचौकी रेलवे पटरी लाइन पे मारी पलटी कई ट्रेन घंटों बाधित

साहिबगंज : मालदा रेल खंड के मिजाचौकी पश्चिमी रेलवे फाटक पर रविवार अहले सुबह स्टोन डस्ट लोड ट्रेक्टर ट्राली पलटी मार गया जिससे कि ट्रेक्टर ट्राली में लोड डस्ट डाउन रेल लाइन पर बिखर गया। जिससे रेल यातायात कुछ समय के लिए बाधित हो गया। घटना के बाद आनन फानन में आसपास वाहन के मदद से किसी प्रकार रेलवे फाटक से ट्रेक्टर को हटाया गया, साथ ही पटरी पर बिखरे डस्ट को हटाया गया एवं विधिवत रेल संचालन व्यवस्था को चालू किया गया। बताया जाता है कि इस घटना के कारण कई ट्रेन विलम्ब से चली। घटना का मुख्य कारण ओभर लोड ट्रेक्टर ट्राली का गुल्ला अचानक टूटू जाने के कारण ये हादसा हो गया। वहीं रेल प्रशासन उक्त ट्रेक्टर को जप्त कर आगे की कारवाई में जुट गई है।

रैयतों के साथ जिला भू-अर्जन पदाधिकारी ने किया बैठक

पाकुड़/ लिट्टीपाड़ा : ज़िले के भू-अर्जन पदाधिकारी अजय सिंह बड़ाईक के द्वारा लिट्टीपाड़ा अंचल स्थित गम्हरिया में रैयतों से भू अर्जन का भुगतान हेतू शिविर का आयोजन कर कागजात संकलन किया गया। इसके साथ ही हिरणपुर अंचल अंतर्गत तोड़ाई मौजा में विवादित तथा असहमति संबंधी रैयतों के साथ बैठक कर भुगतान हेतु प्रोत्साहित किया गया। मौके पर अंचलाधिकारी लिट्टीपाड़ा संजय कुमार एवं अंचलाधिकारी मनोज कुमार के साथ भू अर्जन कार्यालय कर्मी तथा अंचल के कर्मी उपस्थित थे।

रेल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल, गुमानी रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी के इंजन से 2000 लीटर डीजल चोरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : हावड़ा रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले सीमावर्ती गुमानी रेलवे स्टेशन पर गुरुवार रात एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने भारतीय रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। रात लगभग 11 बजे, अज्ञात चोरों ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-4 पर खड़ी एक मालगाड़ी के इंजन से करीब 2000 लीटर डीजल चोरी कर लिया। इस घटना का खुलासा तब हुआ जब मालगाड़ी पाकुड़ स्टेशन पहुंची और लोको पायलट ने डीजल टैंक में भारी कमी की जानकारी अधिकारियों को दी। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे विभाग में हड़कंप मच गया। तुरंत हरकत में आया रेलवे प्रशासन शुक्रवार की सुबह पाकुड़ आरपीएफ पोस्ट के इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह अपनी टीम के साथ गुमानी स्टेशन पहुंचे और घटना स्थल की बारीकी से छानबीन शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेलवे की स्पेशल ब्रांच, क्राइम इंटेलिजेंस ब्यूरो और डॉग स्क्वायड टीम को भी जांच में शामिल किया गया है। उसी शाम हावड़ा रेल मंडल के वरिष्ठ सुरक्षा आयुक्त चोक्का रघुबीर ने भी घटनास्थल का दौरा किया और अधिकारियों को मामले की शीघ्र जांच पूरी कर दोषियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। रेलवे सूत्रों के अनुसार, पाकुड़ आरपीएफ पोस्ट में कांड संख्या 05/2025 के तहत अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।

लोको पायलट मौजूद, फिर भी चोरी कैसे....

इस मामले का सबसे हैरान करने वाला पहलू यह है कि घटना के वक्त मालगाड़ी के दोनों लोको पायलट इंजन में ही मौजूद थे, इसके बावजूद इतनी भारी मात्रा में डीजल की चोरी हो जाना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या यह किसी भीतरखाने मिलीभगत का मामला है, या फिर रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक–इन सवालों के जवाब ढूंढना जांच एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

गुमानी स्टेशन की उपेक्षा भी बनी चोरी की वजह

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, गुमानी एक उपेक्षित स्टेशन है, जहां ना तो स्थायी आरपीएफ की तैनाती है और ना ही कोई प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था। बीते कुछ वर्षों से यहां चोरी और अन्य असामाजिक गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है, लेकिन रेलवे प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई। इस घटना ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था को सीमावर्ती स्टेशनों पर विशेष प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।

अब तक खाली हाथ रेलवे प्रशासन

घटना को 48 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन रेल प्रशासन अभी तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच सका है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं, स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है, लेकिन अब तक कोई अपराधी गिरफ्त में नहीं आया है।वहीं स्थानीय स्तर पर रेलवे कर्मियों की मिलीभगत की भी आशंका जताई जा रही है। सूत्रों की मानें तो बिना किसी आंतरिक सहयोग के इस तरह की घटना को अंजाम देना असंभव है।फिलहाल, रेलवे प्रशासन जांच के अंतिम निष्कर्ष का इंतजार कर रहा है। इस घटना का जल्द उद्भेदन न केवल दोषियों को सजा दिलाने के लिए जरूरी है, बल्कि रेलवे की साख बचाने के लिए भी।

राजमहल अनुमंडल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की हुई समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/राजमहल : प्रखंड अंतर्गत रविवार को असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रामदेव पासवान की अध्यक्षता में अनुमंडल अस्पताल राजमहल में राजमहल एवं उधवा प्रखंड के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम, बीटीटी, सहिया साथी, एमपीडब्ल्यू एवं सभी पर्यवेक्षक का समीक्षा बैठक आहूत की गई। जिसमें सिविल सर्जन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार द्वारा दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधा को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। साथ ही कार्य में कोताही करने वाले कर्मी बक्से नहीं जाएंगे। मौके पर उपस्थित प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अमित कुमार को जमकर फटकार लगाई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा सभी कर्मियों को अगले दो माह में लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने का निर्देश दिया और सभी कर्मियों को अपने-अपने कर्तव्य स्थल से जियो टैग कर फोटो प्रतिदिन भेजने का भी निर्देश दिया गया। मौके पर उपाधीक्षक अनुमंडल अस्पताल राजमहल डॉक्टर उदय टुडू, चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर खालीक अंसारी, डॉक्टर सादिक अंसारी, डॉक्टर कुमार सौरभ, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अमित कुमार, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, सभी एएनएम, एसटीएस, एमटीएस, केटीएस, पीएम डब्ल्यू, बीटीटी, सहित सहिया साथी उपस्थित रहे।

बरहरवा में दिनदहाड़े चोरी, घर लौटे प्रोफेसर कॉलोनी निवासी को लगा बड़ा झटका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : जिले में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं और अब यह आम लोगों की शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। ताजा मामला बरहरवा प्रखंड के प्रोफेसर कॉलोनी का है, जहां एक बंद घर को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने लाखों के जेवरात और नगद रुपए पर हाथ साफ कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रोफेसर कॉलोनी निवासी आलोक आनंद, पिता बिरेन्द्र कुमार, दिनांक 09 जुलाई से 12 जुलाई 2025 की रात तक अपने पूरे परिवार के साथ घर से बाहर थे। 13 जुलाई की सुबह जब वे वनांचल एक्सप्रेस से लौटकर करीब 6:00 बजे घर पहुँचे, तो उन्होंने देखा कि सामने का ताला टूटा हुआ है, और घर के अंदर तीनों कमरों का सामान पूरी तरह बिखरा पड़ा है। आलमारी तोड़ी जा चुकी थी और रसोईघर के बगल की खिड़की की ग्रिल भी कटी हुई पाई गई। आलोक आनंद ने बताया कि चोर उनके घर से सोने और चांदी के कीमती आभूषण, दो लैपटॉप और 15 हजार नकद ले उड़े हैं। चोरी गए आभूषणों में सोने की अंगूठी (2 पीस), सोने की नथ (1 पीस), मानटीका (1 पीस), चांदी की पायल (4 जोड़ी), चांदी का ओम लॉकेट, लाल मोती के साथ सोने की माला, सोने के कान के टॉप (1 जोड़ी), चांदी की बिछिया (2 जोड़ी), चांदी का मठिया (2 पीस), और नाक की कील शामिल हैं। पीड़ित परिवार के अनुसार, चोरी गई सामग्रियों की कुल कीमत लगभग 6 लाख के आसपास है। इस वारदात के बाद से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। आलोक आनंद ने स्थानीय थाना में आवेदन देकर इस मामले की शिकायत दर्ज करवाई है और चोरों की शीघ्र पहचान कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि बरहरवा समेत आसपास के क्षेत्रों में बीते कुछ महीनों से चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, लेकिन अभी तक किसी बड़े मामले का उद्भेदन नहीं हो पाया है। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी और असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

डीसी को ज्ञापन सौंपने के बावजूद आदिम जनजातियों की समस्या का नहीं हुआ समाधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पहाड़िया समुदाय के लोग, आजादी के बाद भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित साहिबगंज जिले के बोरियो प्रखंड क्षेत्र के जेटके कुम्हरजोरी पहाड़िया टोला के ग्रामीणों ने सड़क व पानी समस्या से निजात पाने के लिए डीसी सहित अन्य जनप्रतिनिधि से शिकायत करने के बावजूद अब तक आदिम जनजातियों की समाधान नहीं हो पाई है। ज्ञात हो कि पिछले साल दिसंबर महीने में ग्राम प्रधान की अगुवाई में ग्रामीणों ने डीसी को मांग पत्र सौंपा गया था उसमें बताया गया था कि जेटके कुम्हरजोरी पंचायत भवन से लेकर ग्राम प्रधान विनोद पहाड़िया के घर तक पीसीसी सड़क व पानी टंकी निमार्ण कराने की बात कही गई थी लगभग दो किलोमीटर तक कच्ची सड़क होने की वजह से आए दिन ग्रामीणों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, खासकर बरसात के मौसम में यह कच्ची सड़क कीचड़मय हो जाती है। पक्की सड़क नहीं होने की वजह से गांव में चार पहिया वाहन प्रवेश नहीं हो पाता है जिस कारण गर्भवती महिलाओं व बीमार मरीजों को अस्पताल लाने व ले जाने में भी काफी मशक्कत करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों व पदाधिकारियों को सड़क व पानी समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन इनकी कोई भी समस्याओं को दूर नहीं किया गया है। मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहने पर आदिम जनजाति पहाड़िया समुदाय के लोगों काफी आक्रोशित है। ग्राम प्रधान विनोद पहाड़िया, वार्ड सदस्य नाइकी सोरेन, अनिल मालतो, लखिंदर मालतो सहित अन्य ग्रामीणों के हस्ताक्षर है। बता दें कि पिछ्ले दिनों बोरियो प्रखंड विकास पदाधिकारी नागेश्वर साव को भी इस गांव की समस्या से रूबरू कराया गया था।

अ.म.ख. पंचायत भवन बड़ी धर्मशाला में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मारवाड़ी युवा मंच शाखा साहिबगंज के द्वारा निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन स्थानीय अ.म.ख. पंचायत भवन बड़ी धर्मशाला में किया गया। जिसमें 135 बच्चों ने रजिस्ट्रेशन करवाया और अपनी आंखों की जांच करवाई जिसमें कुछ बच्चों को आंख जांच कर दवाइयां दी गई एवं कुछ को निशुल्क चश्मा वितरण किया जाएगा, लगातार 40 सालों से समाज और पूरे देश में युवा मंच के कार्यकर्ता सेवा भाव से लगे रहते है। दीप हॉस्पिटल साहिबगंज के डॉक्टर और उनकी टीम के द्वारा निशुल्क सेवाएं दी गई, इस इस कार्यक्रम में सस्ता सुंदर ऐप का भी सहयोग प्राप्त हुआ। दीप हॉस्पिटल के डॉ कुलदीप के द्वारा दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया, डॉक्टर ने कहा आंख की रोशनी बढ़ाने के लिए सुबह खाली पैर मैदान में हरी घास जिसमें ओस की बूंदे हो उस पर पैदल चलने से आंखों की रोशनी बढ़ती है एवं हरे सब्जियों का सेवन अवश्य करना चाहिए, सबसे जरूरी बात डॉक्टर ने बताई जब भी मोबाइल देखें लगातार ना देखें अपनी आंखों को तिम तिमाते रहे, जिससे आंखों में सीधा संबंध कम रहेगा। मारवाड़ी युवा मंच द्वारा हर महीना एक विद्यालयों जिस बच्चों को जरूरत है निःशुल्क जांच करवाएगी।

ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन पाकुड़ शाखा की युवा इकाई के अध्यक्ष बने कामरेड संतोष कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन पाकुड़ शाखा की युवा इकाई का गठन गत शनिवार को किया गया। उक्त अवसर पर ईस्टर्न रेलवे मेंस यूनियन के मंडल युवा समिति के अध्यक्ष कामरेड सुमन घोष, वर्तमान शाखा सचिव संजय कुमार ओझा तथा शाखा अध्यक्ष कामरेड अखिलेश कुमार चौबे की उपस्थिति में शाखा के सभी कार्य समिति के सदस्यों की उपस्थिति में पूरा शाखा परिसर कर्मचारियों से खचाखच भरा रहा। उपरोक्त अवसर पर कई वक्ताओं ने अपनी बात रखी। इस अवसर पर सहायक लोको पायलट प्रसून पाराशर ने संगठन में युवाओं की उपयोगिता पर अपना वक्तव्य रखाअ। मंडल युवा कमेटी के अध्यक्ष कामरेड सोमेन घोष ने नई कार्यकारिणी के गठन के लिए कई तरह के सुझाव दिए, जिसमें जमीनी स्तर तक कार्य करने वाले नए कर्मचारियों को जोड़ने पर बल दिया ताकि संगठन के कार्यों को नीचे के लेवल तक ले जाया जा सके एवं काम करने के स्थल पर होने वाली कठिनाइयों को भी शीर्ष स्तर तक पहुंचाया जा सके। शाखा के वर्तमान शाखा सचिव संजय कुमार ओझा ने नए कर्मचारियों से आह्वान किया कि संगठन में अपनी भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए एवं आने वाले समय में संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु युवा कर्मचारी आगे आए एवं शाखा के युवा कमेटी से जुड़कर संगठन में काम करने के लिए तौर तरीकों को सिखना एवं पदाधिकारी से मिलकर कर्मचारी की समस्याओं के लिए समाधान खोजने का प्रयास करना, संगठन को मजबूती प्रदान करना, ऐसी कई बातें हैं जिनकी शिक्षा युवा कमेटी से जुड़कर ही ली जा सकती है।

बोकारो में अमूल छांछ के पैकेट में काला पदार्थ मिलने से हड़कंप, जांच के लिए सभी पैकेट जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के सेक्टर 4 थाना क्षेत्र में अमूल कंपनी के छांछ के पैकेट में काले रंग का संदिग्ध पदार्थ मिलने का मामला सामने आया है। पीड़ित ओम प्रकाश ने बताया कि उन्होंने सेक्टर 4जी स्थित अयोध्या मोड़ के पास एक दुकान से अमूल छांछ के दो पैकेट खरीदे थे। छांछ पीने के दौरान एक पैकेट से अजीब बदबू आई और स्वाद भी खराब लगा। जब पैकेट को फाड़कर देखा गया तो उसमें काले रंग का पदार्थ कई हिस्सों में मौजूद था, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और उल्टी होने लगी। इलाज के लिए वे तुरंत बोकारो जनरल अस्पताल पहुंचे। इलाज के बाद ओम प्रकाश ने पूरे मामले की लिखित शिकायत बोकारो के फूड इंस्पेक्टर स्वेता लकड़ा के पास की। शिकायत के आधार पर फूड इंस्पेक्टर और सेक्टर 4 थाना पुलिस टीम ने संबंधित दुकान पर छापा मारा और वहां मौजूद अमूल छांछ के सभी पैकेट जब्त कर सील कर दिए। फूड इंस्पेक्टर ने बताया कि सभी पैकेट एक ही बैच नंबर के हैं और इन्हें जांच के लिए लैब भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद ही असली वजह सामने आएगी कि छांछ में काला पदार्थ कैसे पहुंचा और क्या यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। पीड़ित ओम प्रकाश ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो ताकि भविष्य में किसी के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न हो सके। फिलहाल पुलिस और खाद्य विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी है।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार ने 12 वर्षीय किशोर को टक्कर मार किया घायल

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक किशोर को तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने धक्का मार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार महाराजपुर मीना बाजार फूरचन टोला निवासी ललन महतो का 12 वर्षीय पुत्र इंद्रजीत कुमार को एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने धक्का मार कर बुरी तरह घायल कर दिया। परिजनों ने बताया कि मीना बाजार मुख्य सड़क पर शादी में भोज खाने के लिए गया था। जहां पुराना भट्ठ के तरफ से मोटरसाइकिल आ रहा था वही इंद्रजीत कुमार सड़क के किनारे खड़ा था सामने से आ रहे तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार ने उक्त किशोर को धक्का मार बुरी तरह घायल कर दिया। परिजनों ने उक्त घायल किशोर को इलाज के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल लाया। जहां ड्यूटी में तैनात चिकित्सकों के द्वारा उक्त घायल किशोर का इलाज किया गया। वही ग्रामीणों के द्वारा मोटरसाइकिल को पकड़ कर घटना की सूचना तालझारी थाना को दिया गया, सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मोटरसाइकिल को जप्त कर थाना लेकर चला गया। पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

मुफ्फसिल पुलिस ने हत्या व डकैती के फरार 4 वारंटियों को भेजा जेल

साहिबगंज : जिले के मुफ्फसिल थाना पुलिस ने रविवार को हत्या आरोपी मामले के तीन वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जिनमें नजबूल, शादिक और शागिर शामिल है,पुलिस ने बताया कि तीनों ग्राम शोभनपुर निवासी है,और तीनों पर हत्या मामले में कांड संख्या 45/22 दर्ज है। यह सभी पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहे थे। वही मुफ्फसिल पुलिस ने आगे बताया कि डकैती में शामिल एक आरोपी महादेव बिन को भी गिरफ्तार किया गया है। यह पिछले 12 वर्षों से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। सभी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

दुष्कर्म मामले में दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र में 11 जुलाई 2025 दिन शुक्रवार की रात को एक पिड़िता के साथ चार लोगों ने मिलकर दुष्कर्म किया था। इस मामले में पुलिस ने शनिवार को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। वही पुलिस ने बताया की घटना की गंभीरता को देखते हुए इस संबंध में वरीय पदाधिकारी को सुचित किया गया। तत्पश्चात एसपी अमित कुमार सिंह साहेबगंज के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया था। छापामारी टीम के द्वारा घटना के 24 घंटे के अंदर कांड में संलिप्त दो अभियुक्तों को विधिवत गिरफ्तार कर रविवार को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। पकड़े गए दोनो आरोपियों राजमहल थाना क्षेत्र के मंगलहाट टीकाटोला निवासी श्रवण मंडल के पुत्र कुन्दन कुमार मंडल व राजमहल थाना क्षेत्र के गढ़तलाब निवासी निरेन मंडल के पुत्र रामदेव मंडल है। वही साथ ही घटना में दो अन्य अभियुक्तों के विरूद्ध गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की जा रही है।

मोबाइल चोरी मामले में वाराणसी जीआरपी कैंट पुलिस पहुंची बाबूपुर गांव

साहिबगंज: रविवार के दिन वाराणसी जीआरपी कैंट पुलिस पहुंची तीनपहाड़ थाना। तीनपहाड़ थाना पुलिस के सहयोग से बाबूपुर गाँव पहुँच कर छापेमारी अभियान चलाया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक थाना क्षेत्र अंतर्गत बाबूपुर गाँव का मोबाईल चोरी के आरोपी अमर नाथ महतो, पिता स्वर्गीय जीतराम महतो के तलाश में जीआरपी पुलिस ने छापेमारी किया। छापेमारी मे पुलिस को अभियुक्त घर पर नही मिला। आरोपी नही मिलने के बाद जीआरपी पुलिस को वापस खाली हाथ लौटना पड़ा।

पेंशनभोगियों के लिए डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने से संबंधित शिविर का हुआ आयोजन

पाकुड़ : ज़िले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तत्वाधान में सामाजिक सुरक्षा अंतर्गत विभिन्न पेंशन योजनाओं के लाभुकों को डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने संबंधित शिविर का आयोजन सदर प्रखंड पाकुड़ सभागार में आयोजित किया गया। इस शिविर का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग कांति रश्मि, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में उपायुक्त ने सभी केन्द्र प्रायोजित पेंशन की योजनाओं में डिजिटल लाईफ सर्टिफिकेट के संबंध में कहा की यह एक आधार आधारित डिजिटल सेवा है जो लाभार्थी के बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण के लिये आधार तंत्र का उपयोग करती है। आगे उन्होंने कहा कि सभी प्रखंडों में प्रतिदिन तीन –तीन ग्राम पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जाएगा।जिसमें पेंशन के सभी लाभार्थी आसानीपूर्वक अपना डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र उपलब्ध करवा सकेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना में आधार सीडिंग एवं बैंक में ई–केवाईसी करवाने हेतु भी लाभुकों को प्रेरित किया।

अमेरिका पर ही भारी पड़ने वाला है टैरिफ युद्ध

अमेरिकी में डोनाल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। किंतु अमेरिका विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार-बार परिवर्तन कर इस टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब तक स्पष्टता का पूर्ण अभाव दिखाई देता है। इसे यदि भारत के संदर्भ में देखें तो ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि वह भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न करेगा। इसके लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका गया भी और निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहकर द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत करने में भी सफल रहा, परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा इस द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा सकी है।

दूसरी ओर इस बीच अमेरिका ने कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। फिलहाल भारत इस सूची में शामिल नहीं है। पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी।

कहना होगा कि अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है।

दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजरायल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है।

सूडोकु नवताल- 7490

★ ☆ ☆ ☆ ☆
सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7489 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

अमेरिकी साम्राज्यवाद के प्रबल विरोध का प्रतीक हैं आयतुल्लाह खामनेई

तनवीर जाफ़री

पिछले दिनों खासतौर पर मुहर्रम सम्बन्धी आयोजनों के दौरान भारत सहित दुनिया के और भी कई देशों में 86 वर्षीय ईरानी सुप्रीम लीडर व धार्मिक विद्वान आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई के पोस्टर लगाये गये। भारत में इस तरह के पोस्टर प्रायः श्रीनगर से लेकर लखनऊ, उन्नाव, बिजनौर, भोपाल व इंदौर जैसे और भी कई शहरों में लगाये गये। इनमें कई जगह तो पुलिस ने इन पोस्टर्स को उतरवा दिया और कई जगहों पर पुलिस ने पोस्टर लगाने वालों को ही समझा बुझा कर इन्हें सार्वजनिक स्थानों से हटाने हेतु प्रेरित किया। भोपाल व अन्य कई जगहों पर तो आयतुल्लाह खामनेई के चित्र के साथ ही भारतीय तिरंगा भी लगाया गया था। बिजनौर में कुछ युवकों द्वारा आयतुल्लाह का पोस्टर फाड़ने की घटना के अतिरिक्त देश की आम जनता की ओर से इन चित्रों को लेकर कोई आपत्ति नहीं सुनाई दी। यहाँ तक कि अनेक जगहों पर शिया सुन्नी हिन्दू व सिख सभी समुदायों के लोग आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई के पोस्टर हाथों में लिये देखे गये। परन्तु मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष ने जरूर आयतुल्लाह का पोस्टर लगाने को देश विरोधी व राष्ट्रविरोधी बता डाला।

दरअसल ईरानी सुप्रीम लीडर व धार्मिक विद्वान आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई पिछले दिनों ईरान, इजरायल के मध्य हुये 12-दिवसीय युद्ध के दौरान अमेरिकी साम्राज्यवाद का मुंह तोड़ जवाब देने की हिम्मत

व क्षमता रखने वाले विश्व के इकलौते नेता के रूप में स्थापित हुये हैं। इस युद्ध में इजरायल में लगभग 585 लोग मारे गए और 1,326 घायल हुए, जबकि ईरान में करीब 230 लोग मारे गए जिनमें अधिकांश आम नागरिक थे। युद्ध के नौवें दिन अमेरिका भी इस्राईल के समर्थन में युद्ध में कूदा और उसने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने भी कतर में अमेरिका के अल-उदीद सैन्य अड्डे पर 6 मिसाइलें दागीं। साथ ही यह धमकी भी दे डाली कि वह होर्मुज जलडमरू समुद्री मार्ग को बंद कर देगा। यह संक्षिप्त युद्ध कोई मामूली युद्ध नहीं था बल्कि यह मध्य पूर्व की भू-राजनीति में एक ऐसी महत्वपूर्ण घटना थी, जिसने निश्चित रूप से क्षेत्रीय और वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर दिया है । बेशक भारत जैसे कई देशों ने इस युद्ध के दौरान अपना रुख तटस्थ बनाए रखा परन्तु भारत में अमेरिकी साम्राज्यवाद व इस्राईली आतंक का विरोध करने वाला एक बड़ा वर्ग भावनात्मक रूप से ईरान व उसके बुलंद हौसलों के साथ जुड़ा हुआ था। ईरान द्वारा इस्राईल व अमेरिका से टकराने की सराहना इसलिये भी की जा रही है क्योंकि मुस्लिम जगत के 56 देशों के असहयोग व अनेक मुस्लिम देशों के अमेरिका व इस्राईल के समर्थन में खड़े होने के बावजूद ईरान ने इस्राईल व अमेरिका की किसी धमकी व हमलों की कोई परवाह किये बिना इनके हर हमलों का जवाब उसी तीव्रता से दिया।

ऐसे में अमेरिका व इस्राईल विरोधी भावना रखने वालों का ईरान के पक्ष में खड़े होना स्वाभाविक है। वैसे भी भारत से ईरान के पुराने और गहरे सम्बन्ध रहे हैं। रहा सवाल आयतुल्लाह खामनेई के चित्र को विदेशी नेता का चित्र बताकर इसका विरोध करना, तो यह तो केवल प्रेरणा हेतु व उनके समर्थन में पोस्टर मात्र लगाये गये थे। वह भी आयतुल्लाह खामनेई के शिया समुदाय के सर्वोच्च धर्मगुरु होने के लिहाज से। परन्तु हमें यह भी नहीं भूलना चाहिये कि इसी देश में अनेक जगहों पर ट्रंप के चित्र लगाकर उनके चुनाव में विजयी होने की प्रार्थना करने हेतु लोग हवन पूजा भी कर चुके हैं। ट्रंप कौन से स्वदेशी नेता हैं ? अबकी बार ट्रंप सरकार के नारे लगवाना,यह राष्ट्रभक्ति की कौन से श्रेणी है ? हमारे ही देश में क्यूबा के महान क्रांतिकारी नेता अर्नेस्तो चे ग्वेरा को देश में एक वर्ग अपना आदर्श मानता है। उनके पोस्टर लगता है व उनके चित्र की टी शर्ट पहनता है। कारण सिर्फ एक है कि इसी महान साहसी युवक ने अमरीका के बढ़ते साम्राज्यवाद को 1950-60 के दशक में कड़ी चुनौती दी थी और उस दौरान अमरीका इसे अपना सबसे बड़ा दुश्मन समझता था। परन्तु आज अमेरिकी साम्राज्यवाद का विरोध करने वालों की नजर में चे ग्वेरा एक महान क्रांतिकारी है। भारत में लेनिन व कार्ल मार्क्स के चित्र भी उनके समर्थक लगते रहते हैं। कई जगहों पर तो इनकी आदमकद प्रतिमाएं भी लगी हुई हैं।

दुनिया के अनेक देशों में यहां तक कि ब्रिटेन व अमेरिका जैसे देशों में भी महात्मा गांधी,बाबा साहब भीम राव अंबेडकर,पंडित जवाहर लाल नेहरू जैसे कई प्रतिष्ठित नेताओं के चित्रों का इस्तेमाल होता रहता है बल्कि कई जगह उनकी प्रतिमायें भी लगी हुई हैं। गाँधी के चित्र तो अक्सर आज भी दुनिया के अनेक देशों में शांति व अहिंसा सम्बन्धी प्रदर्शनों या मार्च में शांति व अहिंसा का सन्देश देने की गरज से प्रयोग किये जाते हैं। उस समय कहीं भी कोई ऐसी संकीर्ण आवाज नहीं उठाता कि यह नेता तो भारतीय है इनके चित्र यहाँ क्यों ? परन्तु भारत में कुछ लोगों द्वारा आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई के चित्र का विरोध करना जरूर इस बात को दशार्ता है कि जो वर्ग आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई के चित्र से नफरत करता है इसका सीधा मतलब है कि वह न केवल अमेरिकी साम्राज्यवाद का समर्थक है बल्कि वह गजा में लगभग अस्सी हजार बेगुनाहों के हत्यारे इजराईल व उसके नेता बेंजमिन नितिन याहू के साथ खड़ा है। याद रखना चाहिये कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने 21 नवंबर 2024 को इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के विरुद्ध गजा में युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में गिरफ़्तारी वारंट जारी किया है। नेतन्याहू पर आम नागरिकों को निशाना बनाने , क्षेत्र में भुखमरी फैलाने, हत्या, उत्पीड़न और अमानवीय कृत्य के आरोप हैं जोकि केवल 8 अक्टूबर 2023 से 20 मई 2024 के बीच गजा में इजरायली सैन्य कार्रवाइयों के दौरान अंजाम दिये गये हैं। जबकि 20 मई 2024 और इस वारंट के जारी होने के बाद नेतन्याहू की दमनात्मक कार्रवाइयों में और भी इजाफा हुआ है। ब्रिटेन, कनाडा, नीदरलैंड, इटली, और अन्य यूरोपीय देश यह कह चुके हैं कि वे आईसीसी द्वारा जरी इस वारंट का पालन करेंगे। अतः 124 आईसीसी हस्ताक्षरकर्ता देशों में यात्रा करना नेतन्याहू के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इन देशों में उन्हें गिरफ़्तार किया जा सकता है।

ऐसे अपराधी व्यक्ति के समर्थन में खड़े होना व एक साहसी,निडर व अमेरिका के बजाय केवल 'सर्वशक्तमान' ईश्वर की सत्ता पर विश्वास रखने वाले फकीर का विरोध करना चिंताजनक है। आयतुल्लाह खामेनेई को केवल शिया,मुसलमान या ईरानी नेता जैसे संकुचित नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिये बल्कि वे आज अमेरिकी साम्राज्यवाद के साथ साथ इस्राईली आतंकवाद के प्रबल विरोध का प्रतीक बन चुके हैं।

कट्टरपंथ से डरा न्याय, तुष्टीकरण में फंसा देश

अजय कुमार

उदयपुर फाइल्स पर दिल्ली हाईकोर्ट की रोक ने एक बार फिर भारत की न्यायिक और राजनीतिक व्यवस्था की रीढ़ पर सवाल खड़ा कर दिया है। यह फिल्म 28 जून 2022 को राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल तेली की नृशंस हत्या पर आधारित है। एक दर्जी की हत्या, जो केवल एक कथित सोशल मीडिया पोस्ट के कारण हुई, और वह पोस्ट भी उसका नहीं था उसका 8 वर्षीय बेटा गलती से उसे फॉरवर्ड कर बैठा था। इस पूरी त्रासदी को तीन साल हो गए, लेकिन इंसाफ अब तक अटका हुआ है। वहीं, उस पर बनी फिल्म को कोर्ट ने तीन दिन में रोक दिया। क्या यह विरोधाभास नहीं है ?फिल्म को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिली थी। 150 से अधिक कट्स लगाए गए। धार्मिक स्थलों और संगठनों के नाम हटाए गए, नूपुर शर्मा का नाम हटाया गया। पूरी कोशिश की गई कि किसी समुदाय को आहत न किया जाए, फिर भी विरोध हुआ। और विरोध भी किसी आम व्यक्ति ने नहीं, बल्कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद नाम की उस संस्था ने किया जिसकी पृष्ठभूमि खुद विवादों से भरी पड़ी है। कोर्ट ने ट्रेलर और याचिका के आधार पर फिल्म पर अंतरिम रोक लगा दी और केंद्र से रिपोर्ट मांग ली।

यही जमीयत उलेमा-ए-हिंद है, जिसने पिछले दो दशकों में 700 से अधिक आतंकवाद के आरोपियों को कानूनी मदद दी है। 7/11 मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट, 26/11 का मुंबई हमला, मालेगांव विस्फोट, वाराणसी सीरियल धमाके, दिल्ली हाईकोर्ट ब्लास्ट, अहमदाबाद बम धमाके जिन घटनाओं ने पूरे देश को दहला दिया, जिनमें सैकड़ों निर्दोष नागरिक मारे गए, उनमें भी यह संस्था आतंक के आरोपियों की तरफ खड़ी दिखी। कोर्ट में उनके पक्ष में बहस करने के लिए वकील खड़े किए गए, हर कानूनी रास्ता उन्हें राहत दिलाने के लिए अपनाया गया। उत्तर प्रदेश में अल-कायदा के दो संदिग्ध आतंकियों को भी यही जमीयत वकील उपलब्ध करवाती है। 2022 में जब अहमदाबाद धमाकों में 49 आतंकियों को दोषी ठहराया गया, तब भी उनके बचाव में जमीयत के वकील कोर्ट में मौजूद थे। यह कहकर कि सभी को न्याय मिलना चाहिए, यह संस्था वर्षों से उन चेहरों को कानूनी सुरक्षा देती रही है, जिन पर दर्जनों लाशों का खून चिपका है। और अब जब एक फिल्म उन आतंक की घटनाओं की मानसिकता को बेनकाब करने की कोशिश करती है, तो यही संस्था कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर उस पर रोक लगाने की मांग करती है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि क्या किसी संगठन को कोर्ट जाना चाहिए या नहीं, सवाल ये है कि आखिर एक फिल्म से इतना डर क्यों? किसे डर है कि कहीं सच सामने न आ जाए? क्या ये वही सच है जिसे अदालतों में बरसों तक घसीटने की कोशिश की जाती है, लेकिन पर्दे पर आते ही असहनीय लगने लगता है? और जब ये संस्था एक फिल्म को 'सांप्रदायिक' बताकर उसे जनता तक पहुंचने से रोकने की कोशिश करती है, तो उसकी नीयत पर सवाल उठना स्वाभाविक है क्योंकि उसका अतीत सिर्फ इंसाफ की लड़ाई नहीं, कई बार सच्चाई को धुंधलाने की कोशिशों से भरा हुआ है।

कन्हैयालाल की हत्या का जो वीडियो सामने आया था, वह किसी भी सभ्य समाज की आत्मा को झकझोरने के लिए काफी था। दो युवक रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद उसकी दुकान में ग्राहक बनकर दाखिल होते हैं और धारदार हथियार से उसका गला रेत देते हैं। न सिर्फ यह कृत्य किया गया, बल्कि उसका प्रचार भी किया गया। वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया और घोषणा की गई कि यह हत्या ₹नबी के अपमान₹ के जवाब में की गई है। यह वही कट्टरपंथी विमर्श था जो सर तन से जुदा के नारे लगवाता है। इसके बावजूद, यह मुकदमा आज भी निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचा है।

और इसी के समानांतर, ह्यउदयपुर फाइल्सह्ल नाम की एक फिल्म जो उस कट्टर सोच की परतें उधेड़ना चाहती है, वह अदालत के आदेश पर रुक जाती है। न्यायिक व्यवस्था की यह दोगली प्राथमिकता स्पष्ट है एक ओर खून का वीडियो सार्वजनिक है, आरोपी जेल में हैं, सबूत पुख्ता हैं, लेकिन फैसला नहीं; दूसरी ओर, एक फिल्म जो केवल सवाल उठाती है, उसे तीन दिन में प्रतिबंधित कर दिया जाता है। राजनीतिक दलों की चुप्पी और भी शर्मनाक है। जो दल हर मौके पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के झंडे लेकर सड़कों पर उतरते हैं कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, वामपंथी खेमे उनकी तरफ से इस फिल्म पर न कोई प्रतिक्रिया, न कोई बयान आया। क्या इसलिए कि कन्हैयालाल हिंदू थे? या इसलिए कि यह मामला किसी विशेष वर्ग को ह्यअसहजह्ल कर सकता है? या इसलिए कि यह मुद्दा भाजपा के नैरेटिव को बल दे सकता है? वजह चाहे जो हो, यह चुप्पी देश के राजनीतिक विमर्श की रीढ़ तोड़ देती है।

इससे पहले 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द केरल स्टोरी' जैसी फिल्मों पर भी यही तर्क दिए गए थे कि ये समाज में तनाव फैला सकती हैं। लेकिन वे फिल्में रिलीज हुईं, दर्शकों ने देखा, प्रतिक्रिया दी, बहस हुई और देश ने अपनी समझदारी से तय किया कि क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं। लोकतंत्र का यही तो सौंदर्य है। लेकिन अगर हम हर असहज सच को ह्यसांप्रदायिकह्ल बताकर उसका मुंह बंद करना शुरू कर दें, तो यह लोकतंत्र का गला घोंटने जैसा होगा।कन्हैयालाल कोई राजनीतिज्ञ नहीं थे, न कोई आंदोलनकारी। वे एक आम नागरिक थे जो अपनी दुकान में बैठकर रोजी-रोटी कमा रहे थे। उनकी हत्या बताती है कि अब कट्टरपंथ सिर्फ सीमाओं तक नहीं, हमारे बाजारों, दुकानों और घरों तक घुस आया है। यह चेतावनी है कि अगर इस सोच को चुनौती नहीं दी गई, तो अगला निशाना कौन होगा, यह कोई नहीं जानता। उदयपुर फाइल्स को रोकना एक फिल्म का नहीं, सच्चाई का गला घोंटना है। यह उन आवाजों को दबाने की साज़िश है जो कट्टरपंथ से सवाल करती हैं। और सबसे बड़ी बात यह है कि यह एक बहुत ही खतरनाक मिसाल बनाता है कि अगर किसी संगठन को कोई फिल्म पसंद न आए, तो वह कोर्ट जाकर उसे रुकवा सकता है, भले ही वह फिल्म कानून के हर पैमाने पर खरी उतरती हो।आज सवाल सिर्फ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का नहीं है। सवाल यह है कि क्या भारत अब सच के सामने खड़ा हो पाने का साहस खोता जा रहा है? क्या हम सिर्फ उन कहानियों को सुनना चाहते हैं जो सुविधाजनक हों? क्या अब सच्चाई अदालतों के फैसलों की मोहताज हो गई है ?सच को कुछ वक्त के लिए रोका जा सकता है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं। 'उदयपुर फाइल्स' भले अभी रुकी हो, लेकिन जिस दिन वह फिर सामने आएगी, तब सवाल और तीखे होंगे, और जवाब देना और कठिन हो जाएगा। क्योंकि जब आप सच्चाई से भागते हैं, तो वो और तेजी से आपका पीछा करती है।

गुरु दक्ष प्रजापति : सृष्टि के अनुशासन और संस्कारों के प्रतीक

प्रियंका सौरभ

भारतीय वैदिक परंपरा में दक्ष प्रजापति एक ऐसा नाम है, जो सृष्टि के आरंभ से ही जुड़ा हुआ है। ब्रह्मा जी के मानस पुत्र, प्रजापतियों में सर्वश्रेष्ठ, जिनका नाम ही 'दक्ष' अर्थात 'कुशलता' का प्रतीक है। गुरु दक्ष केवल एक ऋषि या सृष्टिकर्ता नहीं थे, वे वेद, यज्ञ, अनुशासन, मयार्दा और पारिवारिक मूल्य प्रणाली के प्रणेता भी माने जाते हैं। वेदों, पुराणों और उपनिषदों में उनका उल्लेख किसी देवता के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसे मनीषी के रूप में हुआ है जिनका जीवन अनुकरणीय था और जिनकी जीवन दृष्टि आज भी सामाजिक संतुलन और नैतिकता का मार्गदर्शन करती है।

ब्रह्मा के पुत्र, सृष्टि के विस्तारक

दक्ष प्रजापति को ब्रह्मा जी ने सृष्टि के विस्तार के लिए नियुक्त किया था। वे उन 21 प्रजापतियों में से एक हैं जिन्हें ब्रह्मा ने विविध जीवों की उत्पत्ति और उनके संचालन हेतु सृजित किया। ह्यदक्षह्ल का शाब्दिक अर्थ होता है–जो दक्ष है, कुशल है, अनुशासित है। और यह नाम उनके आचरण, कार्यों और योगदानों के अनुकूल भी है। उन्होंने सृष्टि के विविध तत्वों में संतुलन बनाए रखने हेतु अपनी कन्याओं का विवाह विभिन्न ऋषियों और देवताओं से किया। उनकी 27 कन्याओं का विवाह चंद्रमा से हुआ, जो कालगणना और प्रकृति चक्र के संचालन के लिए अत्यंत आवश्यक माना गया।

यज्ञ परंपरा के मूल स्रोत

दक्ष प्रजापति को वैदिक परंपरा में यज्ञाचार्य की सर्वोच्च उपाधि प्राप्त है। यज्ञ, जिसे हम कर्मकांड या धार्मिक कृत्य के रूप में जानते हैं, उसका उद्देश्य मात्र देवताओं की तुष्टि नहीं, बल्कि प्राकृतिक और सामाजिक संतुलन था। दक्ष के यज्ञों में वेदों की ऋचाओं का उच्चारण, मयार्दा और नियम का विशेष ध्यान रखा जाता था। उन्होंने समाज में यज्ञ को केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि सामाजिक कर्तव्य के रूप में स्थापित किया।

पारिवारिक मयार्दा बनाम व्यक्तिगत अहं

गुरु दक्ष का जीवन एक अद्भुत दार्शनिक ग्रंथ की तरह है। वह अध्याय जहाँ उन्होंने अपनी पुत्री सती और शिव के विवाह का विरोध किया, हमारे सामाजिक मनोविज्ञान पर गहरी रोशनी डालता है। दक्ष को शिव का आसामाजिक, भस्मधारी, स्मशानवासी स्वभाव स्वीकार नहीं था। वे मयार्दा, अनुशासन, और वेदों के विधानों के अनुकूल जीवन को ही श्रेष्ठ मानते थे। जबकि शिव इस परंपरा से इतर एक मुक्त योगी, एक तटस्थ महादेव थे, जो सामाजिक मान्यताओं से परे थे।

यह विरोध एक ऐसी त्रासदी में बदल गया जिसने सती के आत्मदाह, यज्ञ के विध्वंस और अंततः शिव के तांडव रूपी विनाश का मार्ग प्रशस्त किया। यह प्रसंग केवल पारिवारिक संघर्ष नहीं था, बल्कि 'संस्कृति बनाम साधना', 'परंपरा बनाम स्वतंत्रता', 'आस्था बनाम तर्क' के गहरे द्वंद्व को उजागर करता है।

यज्ञ की विनाशगाथाः प्रतीक और संदेश

दक्ष द्वारा शिव को आमंत्रण न देना, सती का अपमान, और फिर यज्ञ का विनाश – यह त्रयी केवल पौराणिक कथा नहीं, बल्कि यह बताती है कि जब अहंकार, मयार्दा से बड़ा हो जाए, तो धर्म भी विनष्ट हो जाता है। दक्ष का यज्ञ विनाश एक सीख है कि धर्म केवल विधियों से नहीं, विनम्रता और समावेश से चलता है। शिव ने केवल यज्ञ विध्वंस नहीं किया, उन्होंने यह सिखाया कि एक पक्षीय धार्मिकता अधूरी होती है। दक्ष का अंत भी शिक्षा देता है। शिव ने अंततः उन्हें पुनर्जीवन दिया – किन्तु एक बकरी के सिर के साथ। यह प्रतीक है, कि यदि हम सिर यानी विवेक खो बैठें, तो हमारी पहचान भी बदल जाती है। लेकिन यदि हम पुनरुद्धार की इच्छा रखें, तो पुनर्जन्म संभव है।

आज के युग में गुरु दक्ष की प्रासंगिकता

आज जब आधुनिक समाज अनुशासनहीनता, पारिवारिक विघटन और आध्यात्मिक खोखलेपन से जूझ रहा है, तब गुरु दक्ष की शिक्षाएँ और दृष्टि अत्यंत प्रासंगिक हो जाती हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि जीवन में केवल स्वतंत्रता नहीं, अनुशासन भी आवश्यक है। केवल अधिकार नहीं, कर्तव्य भी आवश्यक हैं। केवल यश नहीं, मयार्दा भी महत्वपूर्ण है।

आज के युवा जो आकर्षण और स्वच्छंदता के नाम पर सामाजिक दायित्वों से कटते जा रहे हैं, उनके लिए गुरु दक्ष का जीवन अनुकरणीय है। उन्होंने अपने कर्तव्यों, पुत्रियों के विवाह, यज्ञ के आयोजन और समाज संचालन में अनुशासन का जो आदर्श प्रस्तुत किया, वह आज भी मार्गदर्शन करता है।

सामाजिक समरसता के प्रेरक

गुरु दक्ष ने अपनी कन्याओं के विवाह विभिन्न ऋषियों, देवताओं, ग्रहों और नक्षत्रों से कराकर यह संकेत दिया कि सृष्टि में सभी का आपसी सहयोग आवश्यक है। नक्षत्र चंद्रमा के विवाह का ही उदाहरण लें–उन्होंने 27 कन्याओं को एक ही देवता को सौंपा। यह केवल खगोल विज्ञान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, संतुलन और सह-अस्तित्व की भावना का प्रतीक है।

दैनिक पंचांग

14 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

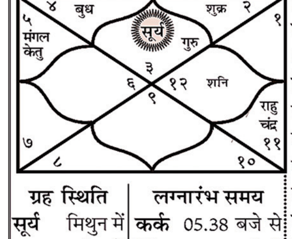

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.38 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	07.54 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.06 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.16 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.31 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.47 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.52 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.11 बजे से
राहुकाल		मेष	23.42 बजे से
7.30 से 9.00 बजे तक		वृष	01.22 बजे से
		मिथुन	03.20 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 195 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 00.00 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 06.49 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 16.14 बजे को समाप्त। **करण** बव 12.34 बजे तदनन्तर बालव 00.00 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 40' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872405 **जूलियन दिन** 2460870.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 18 **विशेष** संकष्टी चतुर्थी, श्रावण सोमवार व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

विभावि में भूविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

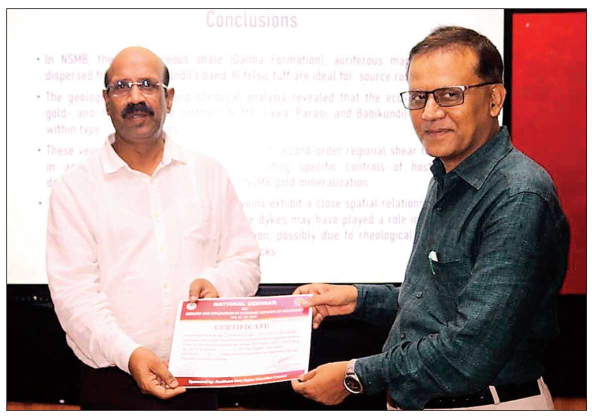

हजारीबाग : झारखंड की आर्थिक खनिज निक्षेपों की भूविज्ञान और अन्वेषण पर विभावि के भूविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन रविवार को, दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इन सत्रों में कई विद्वानों ने अपने शोध प्रस्तुत किए। वाडिया हिमालयन भूविज्ञान संस्थान, देहरादून के वैज्ञानिक डॉ परमजीत सिंह ने रणीगंज बेसिन की उत्पत्ति और थर्मल विकास पर एपेटाइट फिशन ट्रैक थर्मोक्रोनोलॉजिकल सीमाओं पर व्याख्यान दिया। विभावि के डॉ. यशोदानंद झा ने बरन मेजर्स फॉर्मेशन, बोकारो की पैलिनोलॉजी, पैलिनोफेसीस और पुरापर्यावरण पर अपना शोध प्रस्तुत किया। आईआईटी आईएसएम धनबाद के प्रो सहेंद्र सिंह ने उत्तरी सिंहभूम मोबाइल बेल्ट की प्रोटेरोजोइक गोल्ड मेटालोजेनी पर व्याख्यान दिया और सोने के भंडार व निष्कर्षण प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। कुणाल कौशल, उप निदेशक, खान एवं भूविज्ञान विभाग, झारखंड सरकार, दुमका ने हजारीबाग जिले में खनिज संसाधनों की संभावनाएं एवं भविष्य की खोज की दिशा पर प्रस्तुति दी। विभावि की सुश्री ऋतु जया केरकेट्टा ने गढ़वा के बेसल सेमरी ग्रुप से लियोस्फेरेडिया पर प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। विभावि की सुश्री शिल्पी तिर्की ने ईस्ट बोकारो कोलफील्ड के पी.टी. सीमा पर पर्मियन चट्टानों में मियोस्पोर के रंग के माध्यम से गहराई के इतिहास का आकलन पर व्याख्यान दिया।संत कोलंबा महाविद्यालय के डॉ. हर्षवर्धन ने क्रिटिकल मिनरल डिपॉजिट्स और उनके अन्वेषण की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। डीएसपीएमयू, रांची के अनिल कुमार ने हिमाचल प्रदेश के स्पीति स्थित पिन घाटी के फरका मुठ क्षेत्र में टेथिस हिमालय के ताकचे फॉर्मेशन का पेट्रोग्राफिक अध्ययन प्रस्तुत किया। विभावि के डॉ. भैया अनुपम ने जारवा गांव में लोअर गोंडवाना तलछटी के पुरापर्यावरण की व्याख्या पर शोध प्रस्तुत किया। इस क्षेत्र में सोने के भंडार और निष्कर्षण प्रक्रिया पर डॉ सहेंद्र सिंह तथा हजारीबाग क्षेत्र की भूवैज्ञानिक संरचनाओं पर कुणाल कौशल द्वारा पत्र प्रस्तुत किए गए।

एक नजर

खेत में काम कर रहे एक युवक की वज्रपात से मौत

सरिया : रविवार की दोपहर सरिया थाना क्षेत्र के बरवाडीह पंचायत अंतर्गत माधवाडीह में खेत में काम कर रहे युवक की मौत वज्रपात की चपेट में आने से हो गया। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार सलाउद्दीन अंसारी के 18 वर्षीय पुत्र दस्तगीर आलम रविवार को अपने खेत में काम कर रहा था इसी बीच हल्की बारिश के बीच अचानक हुए वज्रपात की चपेट में आकर घायल हो गया। जिसे घायल अवस्था में सरिया के देवकी अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्वजनों ने बताया कि मृतक दस्तगीर अंसारी बड़ा ही सीधा साधा लड़का था और पढ़ने में भी तेज था। लेकिन घटना में मौत से पूरे परिवार सदमे में है ।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता, पुलिस के पैनी नजर से अपराधी का बचना मुश्किल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : छापामारी टीम द्वारा तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर 6 घंटे के अंदर कांड का उद्वेदन करते हुए लूट गए वाहन को रामगढ़ जिला के मांडू थाना क्षेत्र से बरामद किया। घटना में संलिप्त अपराधियों में से तीन अपराधी की गिरफ्तारी की गई तथा एक शेष अपराधी की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है। विशेष टीम के सभी पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को पुरस्कृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त में संदीप कुमार,दिलीप कुमार,राहुल कुमार का नाम शामिल है घटना में बरामद अपराधियों द्वारा लूटे गए पिकअप वाहन संख्या खल03 ए आर 5045, घटना में उपयोग किया गया टेंपो वाहन संख्या खँ12 के 5795 तथा लूटे गए सफेद रंग का रियलमी कंपनी का मोबाइल.उक्त घटना को लेकर कोडरमा थाना कांड संख्या 125/2025 दर्ज हुआ. छापेमारी दल में विकास पासवान थाना प्रभारी कोडरमा, विनय कुमार थाना प्रभारी तिलैया,शशि भूषण कुमार थाना प्रभारी नवलशाही, धनेश्वर कुमार थाना प्रभारी चंदवारा, अभिमन्यु कुमार एस.ओ.जी.प्रभारी, सशस्त्र बल, पैंथर आरक्षी कोडरमा थाना शामिल रहे पुलिस अधीक्षक ने किया प्रेस वार्ता.मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कोडरमा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बोकारो में चोरी के 7 मोटरसाइकिल सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

बोकारो : बताते चले की बोकारो पुलिस अधीक्षक हरविन्दर सिंह की गुप्त सूचना मिली की बोकारो के शहरी क्षेत्र में मोटरसाईकिल चोर गिरोह का एक दल सक्रिय है और शहर में भ्रमणशील है। मिली गुप्त सूचना के आधार पर वाहन जाँच करने के लिए सभी शहरी थाना प्रभारी को आदेश दिया गया जिसके पश्चात पुलिस उपाधीक्षक महोदय नगर के निदेर्शानुसार एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा सेक्टर 9 बसंती मोड़ के पास वाहन जाँच के क्रम में रात्री करीब 12.10 बजे एक मोटरसाईकिल सेक्टर 4 से बसंती मोड़ के तरफ आता दिखा जिसे गठित टीम के द्वारा रुकने का ईशारा किया गया परन्तु मोटरसाईकिल सवार वापस घुमाकर भागने लगे जिसे पुलिस बल के द्वारा मोटरसाईकिल सवार व्यक्तियों को पकड़ा गया। पकड़ाये व्यक्ति से पूछताछ के क्रम में बताया गया कि इनके द्वारा चोरी का मोटरसाईकिल का प्रयोग किया जा रहा है।

अनगड़ा में विधायक प्रतिनिधियों की नियुक्ति, विकास को मिलेगी गति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने अनगड़ा प्रखण्ड में अपने विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के संबंध में राजेश कच्छप ने कहा कि यह कदम क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए उठाया गया है, उन्होंने अनगड़ा प्रखण्ड में उनकी ओर से जनता के बीच समन्वय स्थापित करने और विकास कार्यों को गति देने की जिम्मेदारी सौंपी है। कच्छप ने यह भी विश्वास जताया कि अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे, जिससे क्षेत्र की जनता को बेहतर सुविधाएं और समाधान प्राप्त होंगे। इस नियुक्ति की घोषणा के बाद, स्थानीय लोगों और कार्यकताओं ने इस कदम का स्वागत किया है, और उम्मीद जताई है कि यह क्षेत्र में विकास कार्यों को और तेज करेगा। जानें किन्हें मिला क्या जिम्मेदारी अजय करमाली खाद्य आपूर्ति विभाग छोटेलाल महतो ऊर्जा विभाग संजय नायक मत्स्य विभाग जयपाल हजाम औद्योगिक विभाग सुनिता देवी बाल महिला विकास विभाग दुतीलाल बेदिया स्वस्थ्य विभाग सफिक अंसारी खनन विभाग नियुक्त किया गया है । मौके पर उपस्थित एतवा उरांव, राजेन्द्र मुण्डा, साकिर अंसारी, शिवदास गोस्वामी,राज पाडेय, एतवा बेदिया, अजय उरांव, सन्तोष राम, पंचू तिर्की, दिनेश चन्द्र प्रामाणिक, बबलू लकड़ा, अनिल टोप्पो, अमित उरांव, विनोद लकड़ा इत्यादि उपस्थित रहें ।

संक्षिप्त खबरें

बम बम कांवरिया संघ चंद्रमाणी का जत्था सुल्तानगंज के लिए रवाना

सरिया : बम बम कांवरिया संघ चंद्रमारणी (सरिया)का जत्था रविवार को सुल्तानगंज के लिए रवाना हुआ। इसके पहले लोग चंद्रमारणी स्थित सदाशिव धाम मंदिर परिसर में एकत्रित हुए। जहां लोगों ने परंपरा के अनुसार ग्राम देवी,हनुमान जी,भगवान शिव सहित अन्य देवी देवताओं की पूजा किए। पश्चात महिलाओं ने सभी कांवरियों को तिलक चंदन लगाई,फूलों की वर्षा कर यात्रा प्रारंभ करवाया। सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग भक्ति भजनों तथा डीजे की धुन पर नाचते गाते बोल बम,हर हर महादेव आदि जयकारों के साथ लगभग 2 किलोमीटर दूर पैदल चलकर यात्री बस को प्रस्थान करवाया। इस संबंध में बम बम कांवरिया संघ के व्यवस्थापक डॉक्टर उमेश कुमार ने बताया कि संघ के श्रद्धालु लगातार 25 वर्षों से सुल्तानगंज पहुंचकर पैदल चलते हुए देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ तथा बासुकीनाथ में जल चढ़ाते रहे हैं। इस वर्ष 70 यात्री एक साथ बम बम कांवरिया संघ के बैनर तले बोल बम यात्रा में निकले हैं। उन्होंने बताया कि सावन के इस पवित्र महीना में देवघर स्थित बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक करने हजारों की संख्या में श्रद्धालु कांवर लेकर सुल्तानगंज पहुंचते हैं। जहां गंगा नदी से पवित्र जल उठाकर 110 किलोमीटर पैदल चलकर बाबा बैद्यनाथ पर जलाभिषेक करते हैं। औघड़ दानी बाबा भोलेनाथ सभी के मनोरथ पूर्ण करते हैं। भगवान शिव पर आस्था जुड़े होने के कारण इस क्षेत्र के श्रद्धालु प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा में शामिल हुए हैं। जिसमें डॉ उमेश कुमार,मनोज कुमार अजनबी,डालेश्वर प्रसाद,रोशन कुमार कुशवाहा,दीपक कुमार,उर्मिला वर्मा,बोधी प्रसाद,रिंकी देवी,प्रियंका देवी, मुंशी प्रसाद,जागेश्वर प्रसाद, पवन कुमार,प्रवीण कुमार,आशा देवी,ममता देवी,जनक दुलारी देवी,मुनीलाल प्रसाद,निशांत शेखर, सुशांत शेखर,सुरेन्द्र महतो, सुनीता देवी आदि के नाम शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने उन सभी कावड़ यात्रियों के मंगलमय यात्रा की कामना की है।

तेज पानी के बहाव में क्षतिग्रस्त बिजली खंभा हुआ दुरुस्त

पटमदा : पटमदा प्रखंड बिडरा पंचायत के डांगा से दगड़ीगोड़ा गांव जाने वाले बिजली की मैन लाईन भारी बारिश में खेत की पगडंडी में लगा बिजली का खंभा पानी के। तेज बहाव में बह जाने से विद्युत आपूर्ति बाधित हो गया था। बिजली विभाग के जेई और एस डी ओ के निर्देश पर लाईन मिस्त्री बासुदेव महतो एवं शंकर माझी ने आपूर्ति को सुचारू कर लाइन चालू करवाया। बता दे कि इसकी सूचना गांव के निवासी अजीत महतो ,सोनु महतो, शक्ति महतो पूर्व मुखिया आदित्य माहली, उप मुखिया गोपाल गोराई ने जिला परिषद सदस्य खगेन महतो एवं विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू दी थी। दोनों स्थानीय जनप्रतिनिधियो ने तत्परता दिखाते हुए समस्या समाधान करवाया। जिसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

उत्तर प्रदेश

झांसी में कार सवार 4 लोग नदी में बहे

रस्सी से खींचकर बचाया, पुलिया समेत सड़क बही, काशी में सड़कों पर भरा पानी

लखनऊ। यूपी में मानसून जमकर बरस रहा है। प्रदेश के बांध अब ओवरफ्लो होने लगे हैं। ललितपुर में माताटीला बांध के 9 और गोविंद सागर बांध के 17 गेट खोले गए हैं। झांसी में पथराई बांध के 4 और लहचूरा बांध के 10 गेट खोले गए हैं। यहां लगातार बारिश से हालात खराब हैं। पुल के ऊपर से नदी बह रही है। पुल पार करते वक्त कार सवार 4 लोग फंस गए। कार अचानक बंद हो गई और नदी में बह गई। ग्रामीणों ने रस्सी से खींचकर कार सवारों को बाहर निकाला। इसके अलावा, गनेशगढ़ गांव के पास पुलिया के साथ सड़क बह गई। 20 फीट चौड़ी और 15 फीट गहरी सड़क बहने से गांव का संपर्क टूट गया। सिलगुवां गांव के पास रपटे पर 3 से 4 फीट पानी भर गया। इसके चलते स्कूल गए 17 छात्र फंस गए। ग्रामीणों ने बच्चों को गोद में उठाकर रपटा पार कराया। वाराणसी में सुबह 2 घंटे तक जोरदार बारिश हुई। इससे सड़कों पर 2 फीट तक पानी भर गया। यहां गंगा नदी उफान पर है। 2 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जलस्तर बढ़ रहा है। सुबह 8 बजे गंगा का जलस्तर 66.54 मीटर दर्ज किया गया। अब घाट किनारे स्थित बड़े मंदिर भी डूबने के कगार पर हैं। मणिकर्णिका घाट पूरी तरह डूब गया है, जिसकी वजह से अंतिम संस्कार छत पर किया जा रहा है। ललितपुर में इतनी बारिश हुई कि GRP थाने में 2 फीट तक पानी भर गया। GRP के जवान फाइलों को सुरक्षित स्थान पर रखते नजर आए।पिछले 24 घंटे में बारिश और बिजली गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई है। आज भी 47 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले तीन दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। पिछले 24 घंटे में 54 जिलों में औसतन 13.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य 11.1 मिमी से 21% अधिक है। सबसे ज्यादा बारिश चित्रकूट में 141.5 मिमी दर्ज की गई। इसके बाद बांदा में 97.2 मिमी पानी बरसा। 1 जून से अब तक प्रदेश में कुल 199.9 मिमी बारिश हो चुकी है, जो सामान्य 190.9 मिमी से 5% अधिक है। शनिवार की बात करें तो चित्रकूट में भारी बारिश से बाढ़ आ गई। घाट किनारे एक मंजिल तक मकान डूब गए हैं। मंदाकिनी नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। कानपुर में बारिश के चलते रेलवे ट्रैक धंस गया, जिससे कालिंदी एक्सप्रेस को अचानक रोकना पड़ा। लखनऊ में एक घंटे तक जोरदार बारिश हुई, जिससे शहर की 20 से ज्यादा कॉलोनियों में जलजमाव हो गया। लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर घुटनों तक पानी भर गया। 14 जुलाई: पश्चिमी यूपी के अधिकांश जिलों में बारिश हो सकती है। पूर्वी यूपी के अधिकतर जिलों में बादल छाए रहेंगे, वहीं कुछ जगहों पर हल्की बारिश भी हो सकती है। 15 जुलाई: यूपी के अधिकांश जिलों में हल्की से भारी बारिश की संभावना है। कहीं-कहीं बिजली गिरने की आशंका भी है। इसके अलावा, तेज हवाएं भी चल सकती हैं। 16 जुलाई : पश्चिमी यूपी में भारी बारिश की संभावना है। पूर्वी यूपी में हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान 20-30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। लखनऊ के कई इलाकों में बारिश हो रही है। तेज हवाएं भी चल रही हैं। रातभर भी लखनऊ में रुक-रुककर बारिश हुई। इस दौरान कुल बारिश 39.5 मिमी रिकॉर्ड की गई। बिजली गिरने से 1 व्यक्ति की मौत भी हुई। मौसम विभाग ने आज मध्यम से भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। लखनऊ के गोसाईंगंज थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से घर में आग लग गई। मकान की छत में दरार पड़ गई। घटना के वक्त घर में कोई मौजूद नहीं था। घर से धुआं निकलते देख पड़ोसियों ने घर का ताला तोड़कर आग बुझाई और घर मालिक को सूचना दी। ललितपुर के गढ़िया गांव में शहजाद नदी उफान पर है, जिससे बांसी-बार मार्ग पर बना पुल पूरी तरह पानी में डूब गया है। पुल पर पानी भरने से रास्ता बंद हो गया है और ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर गोविंद सागर बांध की तलहटी में कुछ युवक बारिश का आनंद लेते हुए मस्ती करते नजर आए। ललितपुर में जीआरपी थाने में 2 फीट तक पानी भर गया है। लॉकअप से लेकर मुंशीयाना कक्ष और परिसर तक पानी ही पानी है। पुलिसकर्मी फाइलें और जरूरी सामान को बचाने में लगे हुए है। झांसी में भीषण बारिश के चलते गनेशगढ़ गांव के पास पुलिया के साथ सड़क बह गई। करीब 20 फीट चौड़ी और 15 फीट गहरी सड़क बहने से गांव का संपर्क टूट गया। गांव के रवि राजपूत ने बताया- पिछले 24 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। इससे मटैया नाले उफना उठा। बहाव तेज होने की वजह से पुलिया समेत सड़क नाले में बह गई। आज सुबह लोग रक्सा जाने के लिए घर से निकले तो 15 फीट गहरा और 20 फीट चौड़ा गड्ढा था। पुलिया बहने की बहन से रक्सा और जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया। वाराणसी में 2 घंटे तक तक मूसलाधार बारिश हुई। इसके चलते काशी विश्वनाथ मंदिर मार्ग को जाने वाली सड़क तालाब बन गईं। यह वीडियो मंदिर ट्रस्ट की तरफ जारी किया है। इसमें दिख रहा है कि काशी विश्वनाथ मंदिर में बारिश के बीच भक्त बाबा के दर्शन के लिए लाइन में लगे हैं। यह वीडियो आज सुबह का है। झांसी में भीषण बारिश के चलते शनिवार को सिलगुवां गांव का नाला उफना उठा। इससे रपटे पर पानी आ गया और स्कूल गए बच्चे दूसरी ओर फंस गए। ग्राम प्रधान शकीन्द्र कुमार तिवारी ने बताया- गांव के बच्चे नाले के पार पूर्व माध्यमिक विद्यालय और उल्दन के जानकी रमन विद्यालय में पढ़ते हैं। शनिवार सुबह बच्चे स्कूल गए तो रपटे पर पानी नहीं था। नाले उफनाने से दोपहर को रपटे पर 3 से 4 फीट पानी आ गया। इससे 17 स्टूडेंट्स फंस गए। ग्रामीणों की मदद से रस्सी डाली गई। फिर ग्रामीणों ने गोद में उठाकर बच्चों को रपटा पार कराया। हर बार बारिश में ये परेशानी झेलनी पड़ती है। झांसी के गुरसराय के सुट्टा गांव की पुख्खन देवी (65) ससोर नाले के पास बगिया है। वह अपने बेटे गजराज अहिरवार (45) के साथ बगिया में रहती हैं। शनिवार शाम को ससोर नाला उफना उठा। इससे बगिया के चारों ओर पानी आ गया और मां-बेटे फंस गए। सूचना पर पूरा गांव मौके पर पहुंच गया। पुलिस-प्रशासन को सूचना दी। करीब 7 घंटे तक रेस्क्यू चला। गोताखोर नाव लेकर पहुंचा। रात करीब 2 बजे नाव में मां-बेटे और उनके पशुओं को बैठाकर सकुशल बाहर निकाला। झांसी में लगातार बारिश के चलती सिजार नदी शनिवार को उफना उठी। इसके चलते हरपुरा गांव के पास रपटा डूब गया। पुल को पार करते वक्त एक कार बंद हो गई और नदी में बह गई। गनीमत रही कि ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर तुरंत कार सवारों को निकाल लिया। कार सवारों की पहचान चुरारा निवासी महेंद्र कुमार, बृजेश कुमार, अनुरागी और उनके रिश्तेदार के रूप में हुई है। सभी कार से हरपालपुर रिश्तेदारी गए थे। वाराणसी में गंगा नदी उफान पर है। 2 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जलस्तर बढ़ रहा है। सुबह 8 बजे गंगा का जलस्तर 66.54 मीटर दर्ज किया गया। अब घाट किनारे स्थित बड़े मंदिर भी डूबने के कगार पर हैं। शीतला माता मंदिर के करीब पानी पहुंच गया है। मणिकर्णिका घाट पूरी तरह से डूब गया है, जिसकी वजह से शवदाह छत पर किया जा रहा है।

15 वीं पुण्यतिथि पर याद की गई स्व. फूला देवी

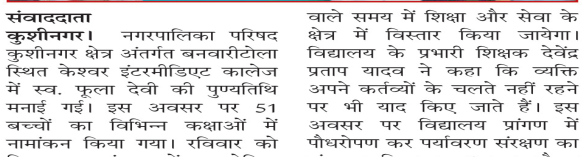

संवाददाता

कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर क्षेत्र अंतर्गत बनवारीटोला स्थित केश्वर इंटरमीडिएट कालेज में स्व. फूला देवी की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर 51 बच्चों का विभिन्न कक्षाओं में नामांकन किया गया। रविवार को विद्यालय प्रांगण में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शिक्षकों और छात्र - छात्राओं ने स्व. देवी के चित्र पत्र पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। स्व. देवी के पौत्र और विद्यालय के प्रधानाचार्य पुरंदर प्रताप यादव ने कहा कि सरल स्वभाव की उनकी दादी करुणा और ममता की प्रतिमूर्ति थीं। ग्रामीण क्षेत्र में उनकी प्रेरणा से कई शिक्षण संस्थान संचालित हो रहे हैं। आने वाले समय में शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में विस्तार किया जायेगा। विद्यालय के प्रभारी शिक्षक देवेंद्र प्रताप यादव ने कहा कि व्यक्ति अपने कर्तव्यों के चलते नहीं रहने पर भी याद किए जाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस दौरान शेषनाथ यादव, अमरजीत यादव, कन्हैया वर्मा, कमलेश कुमार भारती, जगतराज चौहान, सतवीर कुशवाहा, जयसिंह प्रसाद, सतवीर कुशवाहा, राम सनेही, ओमप्रकाश, रागिनी चौहान, मोनिका, खुशबू पटेल, नीलू सिंह, गुड्डी मद्धेशिया, जया सिंह, शशिमा पटेल, अंबालिका यादव, मुन्नी देवी आदि मौजूद रहे।

एनसीसी कैडेट्स को प्राथमिक चिकत्सा व मैप रीडिंग और कम्पास की दी गयी जानकारी

संवाददाता

कुशीनगर। 50 उतर प्रदेश वाहिनी पडरौना के सयुंक्त वार्षिक पर्शिक्षण संख्या 159 के तीसरे दिन कैडेट्स को एलएमओ पड़रौना द्वारा स्वास्थय प्राथमिक चिकत्सा और हाइजीन के बारे में जानकारी दी गयी ' इसके बाद कैडेट्स को पी आई स्टाफ द्वारा मैप रीडिंग कंपास और फील्ड सिग्नल के बारे विस्तृत जानकारी दिया गया ' इस दौरान कैंप कमांडेंट कर्नल हरीश चंद, डिप्टी कमांडेंट कैप्टन ओम प्रकाश , रिसालदार मेजर हरजीत सिंह, सुबेरदार संजय कुमार, सूबेदार त्रिलोक सिंह, हवलदार कुलदीप सिंह, हवलदार राज कुमार, हवलदार करनप्रीत सिंह, हवलदार जगत सिंह, हवलदार सरबजीत सिंह, हवलदार छब बहादुर, हवलदार निर्मल सारू , ए न ओ लेफिनेन्ट नरेंद्र त्रिपाठी लेफिनेन्ट नन्दलाल पाल, लेफिनेन्ट राजीव यादव, सेकंड अफसर मनोज कुमार,थर्ड अफसर के न मिश्रा मजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

लोक गायक इंद्रेश को विधायक पीएन पाठक ने किया सम्मानित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पीएन पाठक ने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत डुमरी चुरामनछपरा निवासी लोक गायक इंद्रेश कुमार सिंह को अपने जन सम्पर्क कार्यालय पर सम्मानित किया। विधायक के हाथों सम्मान मिलने पर गायक के परिजनों ने उनके प्रति आभार प्रकट किया। रविवार को विधायक पीएन पाठक ने कहा कि भोजपुरी लोक गायक इंद्रेश ने बहुत ही कम उम्र में गाने की शुरूआत कर दी। इनका ग्रामीण परिवेश से लेकर मुंबई तक का सफर संघर्षों से भरा रहा है। महज 15 साल की उम्र से ही गाना गाने लगे। इंद्रेश स्कूल फंक्शन और स्टेज शो में भी गाना गाता था। भोजपुरी में एक से बढ़कर एक गीत गाया है क्षेत्रीय भाषाओं में एक से बढ़कर एक गीत गाकर लोगों को मोहित कर लिया है। इस अवसर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, मण्डल अध्यक्ष राजेश राव, ग्राम प्रधान डिम्पल पांडेय, दिनेश तिवारी, मनोज मिश्रा, आदित्य तिवारी, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, शिवम मिश्रा, शिबलू सिंह, संजीव दूबे, लप्पू दूबे मौजूद रहे।

पुलिस ने कातिल को गिरफ्तार कर हत्या की घटना का किया खुलासा

संवाददाता

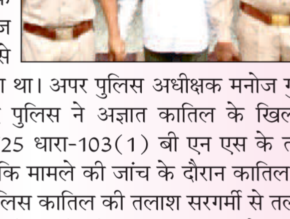

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर राठ के चिल्ली में 5 जुलाई को ट्यूबवैल में सोते वख्त हुये 68 साल के विजय बहादुर उर्फ बौरा बाबा के कत्ल की वारदात को अंजाम देने वाले गांव के ही 45 साल के कातिल विरेन्द्र राजपूत पुत्र रामेश्वर को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस का दावा है कि पकड़े गये कातिल ने मृतक को अपनी पत्नी से नाजायज ताल्लुकात के शक में फावड़े से काटकर मौत के घाट उतार दिया था। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज गुप्ता ने बताया कि वारदात के बाद पुलिस ने अज्ञात कातिल के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या- 322/25 धारा-103(1) बी एन एस के तहत मामला दर्ज किया गया था, जबकि मामले की जांच के दौरान कातिल का नाम सामने आया था, तभी से पुलिस कातिल की तलाश सरगर्मी से तलाश कर रही थी, इसी बीच जानकारी मिली थी, कि कातिल बुन्देलखण्ड एक्स्प्रेस वे के पास देखा गया है, जानकारी पर पुलिस ने बुन्देलखण्ड एक्स्प्रेस वे के पास पहुंचकर कातिल को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने पकड़े गये कातिल की निशानदेही पर आला कत्ल फावड़े के साथ ही खून में सने कपड़े बरामद करने के बाद कातिल को अदालत में पेश कर दिया गया है। वही कातिल को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से प्रभारी निरीक्षक रामआसरे सरोज, एस आई विनेश गौतम, एस आई शिवम दत्त, एसओजी प्रभारी एस आई सचिन शर्मा,हैड कांस्टेबल उमाशंकर शुक्ला, हैड कांस्टेबल विजेन्द्र सिंह, कांस्टेबल अतुल कुमार एसओजी, कांस्टेबल सुरेन्द्र मिश्रा एसओजी, कांस्टेबल शक्ति सिंह एसओजी, कांस्टेबल अतुल तिवारी एसओजी, कांस्टेबल अभिषेक राजपूत सहित कांस्टेबल मनोज शर्मा शामिल रहे।

ताइवान-वियतनाम की कंपनियां भारत में 'फुटवियर' क्षेत्र में करेंगी निवेश

कंपनियों को सरकारी समर्थन की जरूरत

नई दिल्ली । भारत का गैर-चमड़ा फुटवियर उद्योग विदेशी निवेश के एक नए अवसर की ओर बढ़ रहा है। ताइवान और वियतनाम की प्रमुख कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश को इच्छुक हैं। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के एक अधिकारी ने बताया कि इन देशों की कंपनियां भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित करना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए सरकार से नीति और लॉजिस्टिक सहयोग जरूरी होगा। इन कंपनियों को चीन से सोल, सांचे, मशीनरी और कपड़े जैसे उत्पाद आयात करने पड़ते हैं। ऐसे में भारत सरकार को इनके आयात को सुगम बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। अे धिकारी ने बताया कि भारत का फुटवियर निर्यात 2024-25 में 5.75 अरब डॉलर रहा और 2025-26 तक इसे 7 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अमेरिका इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार है, जहां 20 फीसदी भारतीय निर्यात जाता है, इसके बाद ब्रिटेन (11 फीसदी) और जर्मनी आते हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की वकालत करते हुए कहा कि वर्तमान 18.5 फीसदी शुल्क को कम कर बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने सरकार से फुटवियर क्षेत्र के लिए केंद्रित उत्पाद योजना शुरू करने की मांग भी की। ग्रोमोर इंटरनेशनल लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु में पहले ही कुछ ताइवानी कंपनियां निवेश कर चुकी हैं और उत्तर प्रदेश-बिहार जैसे राज्यों में किफायती श्रम बल को देखते हुए यहां भी निवेश की भारी संभावना है। विदेशी तकनीक के सहयोग से घरेलू उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

हुडको ने एमपी सरकार के साथ 1 लाख करोड़ का करार किया

- शेयर की कीमत 230 रुपए के आसपास

नई दिल्ली । हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) ने मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीयूडीसीएल) के साथ 1 लाख करोड़ का मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) साइन किया है। इस करार के तहत हुडको अगले पांच वर्षों में राज्य में हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा कंपनी कंसल्टेंसी और निर्माण कार्य में भी सहयोग करेगी। इस समझौते पर हस्ताक्षर समारोह हाल ही में इंदौर में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और हुडको के सीएमडी संजय कुलश्रेष्ठ मौजूद थे। यह करार शहरी विकास को गति देने और नागरिक सुविधाएं बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। हुडको ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 728 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट इंटरेस्ट इनकम में 26 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। एयूएम में 35 फीसदी की वृद्धि और ग्रॉस एनपीए घटकर

1.67 फीसदी हो गया। कंपनी ने 1.05 रुपए प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। शुक्रवार को बीएसई पर हुडको का शेयर 230.65 पर बंद हुआ, जिसमें 0.28 फीसदी की मामूली गिरावट रही।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन के दामों में मजबूती, सावन में मांग बढ़ी

- कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए

नई दिल्ली । बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों की कीमतों में सुधार और सावन के मौसम में बढ़ी मांग के कारण सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के दामों में मजबूती देखने को मिली। हालांकि, सोयाबीन तिलहन की कीमतें कमजोर मांग के चलते गिरावट के साथ बंद हुईं। बाजार सूत्रों के अनुसार सावन के मौसम में पारंपरिक तौर पर खाद्य तेलों की मांग बढ़ती है, जिससे घरेलू बाजार में तेल-तिलहन के दाम सुधरे। खासतौर पर कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए। सरकार के पास मौजूद सरसों के स्टॉक को संभलकर बेचना होगा, क्योंकि नई फसल आने में अभी 7-8 महीने का समय बचा है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि सरकार को स्टॉकिस्टों के बजाय तेल मिलों को सरसों बेचनी चाहिए ताकि वे पेराई के बाद तेल को बाजार में उतारने की गारंटी दें। सोयाबीन डी-आयल्ड केक के दाम ऊंचे होने से उसकी मांग

कमजोर रही, जिससे सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं, सोयाबीन तेल की कीमतों में सुधार रहा क्योंकि इसकी कीमतें आयातकों के लागत से कम हैं और सरसों- सूरजमुखी तेल की तुलना में सस्ती हैं। मूंगफली के दाम एमएसपी से करीब 15 प्रतिशत नीचे हैं, लेकिन निर्यात की उम्मीद और व्रत के कारण मूंगफली तेल की मांग बढ़ी है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 7,050-7,100 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल का भाव 15,450 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सोयाबीन दाने और लूज के दाम गिरावट के साथ 4,350-4,400 रुपये और 4,050-4,150 रुपये पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन और तेल के दामों में भी सुधार दर्ज हुआ। सरकार को खाद्य तेलों के खुदरा दामों पर नियंत्रण के लिए एक पोर्टल बनाने पर विचार करना चाहिए, जिससे एमआरपी की जानकारी पारदर्शी हो और कीमतों में तेजी को रोका जा सके।

भारत में अब कई प्रीमियम और खास इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद भी बनने लगे

- डिक्सन टेक्नोलॉजीज यूरेका फोर्ब्स के साथ मिलकर भारत में ही बना रही रोबोट वैक्यूम क्लीनर

नई दिल्ली। भारत में अब सिर्फ स्मार्टफोन या टीवी ही नहीं, बल्कि कई प्रीमियम और खास इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद भी बनने लगे हैं। इनमें रोबोट वैक्यूम क्लीनर, कॉफी मेकर, बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर और एयर फ्रायर जैसे उपकरण शामिल हैं, जो पहले पूरी तरह से विदेशों से मंगाए जाते थे। यह बदलाव सरकार की नई नीति, खासकर बीआईएस (ब्यूरो आफ इं डियन स्टैंडर्ड) के क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) के कारण आया है। क्यूओसी का मकसद है कि भारत में बनने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामानों की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की हो, और विदेशी कंपनियों से आने वाले सामानों पर नियंत्रण लगाया जा सके। इन नियमों के चलते अब इन उत्पादों को भारत में बेचने से पहले बीआईएस से प्रमाणन लेना जरूरी हो गया है। इससे स्थानीय निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। इसी दिशा में डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने यूरेका फोर्ब्स के साथ मिलकर भारत में ही रोबोट वैक्यूम क्लीनर बनाना शुरू किया है। डिक्सन के मैनेजिंग डायरेक्टर का कहना है कि बीआईएस के नियमों से प्रीमियम ब्रांड भी अब छोटे बाजारों के बावजूद भारत में निर्माण पर विचार कर रहे हैं। यह कंपनियों के लिए एक अच्छा अवसर है। जर्मनी की कंपनी ने औरंगाबाद में बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर बनाने का प्लांट शुरू किया है, जबकि भारत में इसकी वार्षिक बिक्री केवल 14,000-15,000 यूनिट है। कंपनी को उम्मीद है कि अगले पांच साल में यह बाजार एक लाख यूनिट तक पहुंच जाएगा। देश की बड़ी घरेलू कंपनियां जैसे हैवेल्स और क्राम्पटन ग्रीव्स भी अब इम्पोर्ट घटाकर भारत में निर्माण को प्राथमिकता दे रही हैं। हालांकि हर एक कैटेगरी का बाजार अभी छोटा है, लेकिन कुल मिलाकर यह करीब 12,000ङ्क13,000 करोड़ का है। विशेषज्ञों का मानना है कि बीआईएस के नियमों से भारत में प्रीमियम इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्माण तेज़ी से बढ़ेगा और देश आत्मनिर्भरता की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाएगा।

व्यापार वार्ता, तिमाही नतीजे और मुद्रास्फीति आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक संकेतक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी

मुंबई । आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अहम रहने वाला है, जिसमें निवेशकों की नजर कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता और प्रमुख मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इन घटनाक्रमों के साथ-साथ वैश्विक संकेतक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी। एक वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी के वरिष्ठ विश्लेषक के अनुसार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जारी अनिश्चितता के चलते निवेशक सतर्क हैं। जब तक इस वार्ता से कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आता, बाजार में सकारात्मक रुख बनना मुश्किल है। इसके अलावा कंपनियों के पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे भी बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, विप्रो और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों के नतीजे आएंगे। पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट देखी गई, जो निराशाजनक नतीजों की शुरुआत और वैश्विक व्यापार शुल्क संबंधी चिंताओं के कारण हुई थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि 14 जुलाई को जारी होने वाले थोक मूल्य सूचकांक और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार के लिए निर्णायक रहेंगे। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर अमेरिकी मुद्रास्फीति और चीन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। उनका कहना है कि तिमाही नतीजों के चलते कुछ शेयरों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार वार्ता की अनिश्चितता बाजार पर दबाव बनाए रख सकती है। निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहने और प्रमुख घटनाक्रमों पर नज़र बनाए रखने की सलाह दी जा रही है।

ट्रंप ने मेक्सिको और ईयू पर लगाया 30 फीसदी टैरिफ

- ट्रंप ने तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की बात भी कही

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त से मेक्सिको यूरोपीय यूनियन (ईयू) से आने वाले सभी सामानों पर 30 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। यह फैसला दोनों पक्षों के बीच कई हफ्तों तक चली व्यापारिक बातचीत के विफल रहने के बाद लिया गया। ट्रंप ने इस जानकारी को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' के जरिए साझा किया। इससे पहले ट्रंप जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा और ब्राजील जैसे देशों पर भी टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके हैं। उन्होंने तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की बात भी कही है। ट्रंप के इन फैसलों से अमेरिकी सरकार को आर्थिक लाभ हुआ है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के अनुसार, जून तक के वित्तीय वर्ष में सीमा शुल्क से 100 अरब डॉलर से अधिक की कमाई हुई है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के साथ रिश्तों में तनाव बढ़ा सकता है। मेक्सिको और ईयू दोनों ही जवाबी कदम उठाने की तैयारी में हैं, जिससे एक और ट्रेड वॉर की आशंका बढ़ गई है।

NLC INDIA
CREATING WEALTH FOR WELLBEING
NLC INDIA LIMITED
Navratna - Government of India Enterprise

एनएलसी इंडिया लिथियम आपूर्ति के लिए रूस की कंपनी संग करेगी साझेदारी

- माली के एक लिथियम ब्लॉक में इक्विटी भागीदारी को लेकर चल रही चर्चा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड अफ्रीका के माली देश में स्थित लिथियम खदान में हिस्सेदारी के लिए रूस की एक सरकारी कंपनी के साथ बातचीत के अंतिम चरण में है। यह कदम भारत द्वारा स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए लिथियम जैसे रणनीतिक खनिजों की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार एनएलसी इंडिया और रूस की कंपनी के बीच माली के एक लिथियम ब्लॉक में इक्विटी भागीदारी को लेकर चर्चा चल रही है। भारत सरकार का उद्देश्य लिथियम के घरेलू उत्पादन के साथ-साथ विदेशी स्रोतों को भी सुरक्षित करना है, ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरियों के निर्माण में निर्बाध आपूर्ति बनी रहे। एनएलसी इंडिया का प्रमुख कारोबार कोयला और लिग्नाइट खनन व बिजली उत्पादन रहा है। हाल के वर्षों में कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा, कोयला खनन, और रणनीतिक खनिजों के क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाया है। नीलामी के पांचवें दौर में एनएलसी ने छत्तीसगढ़ में दो महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक फॉस्फोराइट और चूना पत्थर हासिल किए। एनएलसी का यह कदम भारत को खनिज आत्मनिर्भरता की दिशा में ले जाने में मदद करेगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में देश की स्थिति को मज़बूत करेगा।

अरुणाचल प्रदेश में 18,000 मेगावाट पनबिजली परियोजनाओं पर तेजी से काम

- 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं शा मिल

नई दिल्ली । अरुणाचल प्रदेश में कुल 18,000 मेगावाट की पनबिजली परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिसमें एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। यह जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं में से 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) को, 5,097 मेगावाट की पांच परियोजनाएं सतलज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएन) को और 3,800 मेगावाट की दो परियोजनाएं एनएचपीसी को आवंटित की गई हैं। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि पहले ये परियोजनाएं निजी कंपनियों को दी गई थीं, लेकिन वे विभिन्न कारणों से शुरू नहीं हो सकीं। इसलिए राज्य सरकार ने सार्वजनिक उपक्रमों को इन्हें संभालने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सभी परियोजनाओं की समीक्षा कर पुरानी योजनाएं रद्द कर दीं और केंद्र सरकार से कहा कि पनबिजली जैसे बड़े निवेश वाले क्षेत्र में केवल सरकार को ही पहल करनी चाहिए। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद एनएचपीसी, नीपको और एसजेवीएन के साथ बेसिन-आधारित समझौते किए। इनमें से लोअर सुबनसिरी परियोजना 2,000 मेगावाट क्षमता की है, जो अगले साल से बिजली उत्पादन शुरू कर देगी। इसके अलावा, 2,880 मेगावाट की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना 2032 तक चालू होने की उम्मीद है, जिसमें देश का सबसे ऊंचा बांध भी शामिल होगा।

सेंसेक्स की प्रमुख आठ कंप नियों का मार्केट कैप 2.07 लाख करोड़ घटा

- सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल सबसे अधिक नुकसान में रहीं। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 56,279.35 करोड़ रुपये घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपये रह गया। जून तिमाही के कमजोर नतीजों के कारण टीसीएस के शेयर में शुक्रवार को करीब 3.5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन भी 54,483.62 करोड़ रुपये घटकर 10,95,887.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार पूंजीकरण में 44,048.2 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 20,22,901.67 करोड़ रुपये पर आ गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 18,818.86 करोड़ रुपये घटकर 6,62,564.94 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी 14,556.84 करोड़ रुपये घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपये पर आ गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में 11,954.25 करोड़ रुपये की कमी आई, जिससे इसका मूल्य 5,83,322.91 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 4,370.71 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह

15,20,969.01 करोड़ रुपये रह गया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 2,989.75 करोड़ रुपये घटकर 7,21,555.53 करोड़ रुपये पर पहुंचा।

इस गिरावट के बीच, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस ने बढ़त दिखाई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 42,363.13 करोड़ रुपये बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ रुपये हो गया, जिसके साथ उसके शेयर में लगभग 5 प्रतिशत की तेजी आई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन भी 5,033.57 करोड़ रुपये बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बनी हुई है, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान है।

शहरों में सस्ते प्रोडक्ट्स की धूम, गांवों में ब्रांडेड कंप नियों का जलवा

- वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही

मुंबई । भारत के एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) बाजार में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार जहां शहरी उपभोक्ता महंगाई और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की वजह से बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स और डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स की ओर झुक रहे हैं, वहीं ग्रामीण भारत में पारंपरिक और भरोसेमंद ब्रांड्स जैसे नेस्ले, डाबर और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में पहले बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स ज्यादा चलते थे, लेकिन अब बड़े ब्रांड्स ने मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और बेहतर पहुंच के जरिए अपनी पकड़ मजबूत की है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही, जबकि ग्रामीण भारत में यह केवल 2.3 फीसदी रही। वहीं लिस्टेड एफएमसीजी ब्रांड्स की वॉल्यूम ग्रोथ गांवों में 5.1 फीसदी रही, जो कि शहरों के 2.1 फीसदी के मुकाबले कहीं अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस ग्रोथ के पीछे अच्छा मानसून, सरकारी सहयोग और आय में सुधार प्रमुख कारण हैं। इसके विपरीत, शहरी उपभोक्ता महंगाई के दबाव के चलते छोटे पैक और किफायती विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। साथ ही, डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स जैसे स्लर्प फार्म भी शहरी बाजार में तेजी से जगह बना रहे हैं।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की महिला बनी सीईओ, शेयरों में आया 5 फीसदी उछाल

-बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 932.42 अंक यानी 1.11 फीसदी के नुकसान में रहा। इस दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपए (2,07,501.58 करोड़) की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल को हुआ। शीर्ष 10 में से केवल बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 42,363.13 करोड़ रुपए बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को करीब 5 फीसदी का उछाल आया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने प्रिया नायर को कंपनी की पहली महिला सीईओ और एमडी नियुक्त करने की घोषणा की है।

बजाज फाइनेंस की मूल्यांकन 5,033.57 करोड़ बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 56,279.35 करोड़ से घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपए पर आ गया था। कंपनी के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को उत्साहित करने में विफल रहे। शुक्रवार को टीसीएस के शेयर में करीब 3.5 फीसदी की गिरावट आई। इस तरह भारती एयरटेल का मूल्यांकन 54,483.62 करोड़ रुपए से घटकर 10,95,887.62 करोड़ पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 44,048.2 करोड़ रुपए घटकर 20,22,901.67 करोड़ पर आ गई।

इन्फोसिस के मूल्यांकन में 18,818.86 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,62,564.94 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,556.84 करोड़ रुपए घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपए पर आ गया। एलआईसी का मूल्यांकन 11,954.25 करोड़ से घटकर 5,83,322.91 करोड़ रुपए पर आ गया।

इलेक्ट्रॉनिक्स व दवा क्षेत्रों ने पीएलआई वितरण में मारी बाज़ी

- 2024-25 में 70 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । भारत सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 10,114 करोड़ रुपए का वितरण किया गया, जिसमें से 70 फीसदी से अधिक हिस्सा केवल दो क्षेत्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स को मिला। यह योजना 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 14 प्रमुख क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को सबसे अधिक 5,732 करोड़ प्राप्त हुए, जबकि दवा क्षेत्र की कंपनियों को 2,328 करोड़ का प्रोत्साहन मिला। इससे इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती ताकत और निर्यात क्षमताओं को बल मिला है। 2023-24 में कुल पीएलआई वितरण 9,721 करोड़ था, जो इस वर्ष और अधिक बढ़ गया। अन्य क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन दिया गया, जैसे दूरसंचार (840 करोड़), खाद्य प्रसंस्करण (448 करोड़), वाहन (322 करोड़), चिकित्सा उपकरण (77 करोड़), एसी-फ्रिज (210 करोड़), विशेष इस्पात (48 करोड़), कपड़ा (40 करोड़), ड्रोन (35 करोड़) और थोक दवा (22 करोड़)। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भी जोरदार वृद्धि देखी गई। 2021-22 में यह 15.7 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर 38.58 अरब डॉलर हो गया यानी 32.46 फीसदी की सालाना वृद्धि दर।

स्विगी पर ग्राहक और डिलीवरी स्टाफ की होती है रैंकिंग

- फ्रॉड ग्राहकों पर रहती है खास निगरानी

मुंबई । ऑनलाइन फूड और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी अपने ग्राहकों और डिलीवरी स्टाफ की गोपनीय रैंकिंग करता है, जिसका सीधा असर सेवा की गुणवत्ता और इंसेंटिव्स पर पड़ता है। एक कस्टमर सपोर्ट एग्जीक्यूटिव के अनुसार हर ग्राहक और डिलीवरी पार्टनर की एक खास रैंक होती है। ग्राहकों को उनकी खरीदारी की आदतों के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा जाता है हाई-वैल्यू, मीडियम-वैल्यू और लो-वैल्यू। हाई-वैल्यू ग्राहक नियमित ऑर्डर करने वाले होते हैं, जिन्हें तेज सपोर्ट और बेहतर रिफंड पॉलिसी मिलती है। लो-वैल्यू ग्राहक वे होते हैं जो नए होते हैं या कम ऑर्डर करते हैं। इसके अलावा बार-बार रिफंड मांगने वाले ग्राहकों को 'फ्रॉड यूजर' के तौर पर चिह्नित किया जा सकता है।

चिराग पासवान के बयान पर मचा सियासी बवाल

तेजस्वी ने भी ली चुटकी, कहाः पीएम को कहिये आ गया बिहार में जंगलराज

पटना। बिहार में विधान सभा चुनाव में अभी थोड़ा वक्त है, लेकिन विगत कुछ दिनों से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान का बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर खुला बयान दे रहे हैं। वह स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि बिहार में अपराधिक घटनाएं बढ़ गई हैं, जिस पर बिहार सरकार को ध्यान देना चाहिए। यह बयान उस समय भी आया था जब 4 जुलाई को पटना के बड़े उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या हुयी थी। इससे पहले मुजफ्फरपुर में एक दलित बच्ची के साथ दुष्कर्म और पटना के पीएमसीएच में इलाज में लापरवाही से उसकी मौत की घटना पर उन्होंने नीतीश सरकार पर जमकर बरसे थे। उन्होंने उस घटना को ह्लपूरे सिस्टम की विफलताह्व बताया था। अब एक बार फिर उन्होंने बिगड़े हुए लॉ एंड ऑर्डर को लेकर सरकार के खिलाफ तीखा बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि बिहारी अब और कितनी हत्याओं की भेंट चढ़ेंगे? समझ से परे है कि बिहार पुलिस की जिम्मेदारी क्या है? लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने सोशल मीडिया पर बिहार सरकार को घेरते हुए लिखा है- बिहारी अब और कितनी हत्याओं की भेंट चढ़ेंगे? समझ से परे है कि बिहार पुलिस की जिम्मेदारी क्या है? बिहार सरकार के खिलाफ एक सप्ताह में उन्होंने यह दूसरा बयान दिया है। दरअसल उनको बम से उड़ाने की धमकी देने के बाद उनका यह बयान आया है। शुक्रवार को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इसके बाद उनके मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट ने सायबर थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। हालांकि चिराग पासवान का सोशल मीडिया पर सरकार के खिलाफ ऐसा लिखना फिलहाल राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग यह पूछने लगे हैं कि अब फिर चुनावी मौसम है और ऐसे में चिराग पासवान के द्वारा ऐसे बयान देने का क्या मतलब हो सकता है? कहीं यह लोक सभा का वाला राजनीतिक गेम तो नहीं? हालाँकि इस विषय पर पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट ने कहा कि बिहार पुलिस और राज्य में बढ़ते अपराधों को लेकर चिराग पासवान ने ऐसा लिखा है।राज्य की बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर चिराग पासवान के बयान से विपक्ष को भी सत्तारूढ़ गठबंधन पर हमला करने का अवसर मिल गया है। आरजेडी, कांग्रेस और वाम दल पहले से ही बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर सरकार को घेरते रहे हैं, अब चिराग के इस बयान ने विपक्ष के सुर को और धार दे दी है। इस संबंध में नेता प्रतिपक्ष ने डबल इंजन की सरकार पर हमला करते हुए चिराग पासवान पर तंज कसा है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि चिराग पासवान को इसकी शिकायत प्रधानमंत्री से करनी चाहिए और उन्हें बताना चाहिए कि बिहार में अब जंगलराज आ गया है।

चिराग पासवान को जीतन राम मांझी की खरी-खरी

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान द्वारा अपने ही सरकार को घेरने वाले बयान के बाद सियासी घमासान जारी है। अब केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी और उनके बेटी मंत्री संतोष सुमन इस पर प्रतिक्रिया दी है। जीतन राम मांझी ने तंज कसते हुए कहा कि हमारे यहां एक कहावत है कि गुड़ खाते, गुड अम्मे से परहेज यह ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि अपराध करवाएं राजद वाले, तोहमत सरकार पर, वाह रे गठबंधन धर्म। अब बिहार के मुख्यमंत्री निवास में माफियाओं की खातिरदारी नहीं होती बल्कि उन माफियाओं को ठोक दिया जाता है। वहीं बिहार सरकार आईटी मंत्री संतोष कुमार सुमन ने नसीहत दी है कि इस तरह की टिप्पणियों से गठबंधन में असहजता महसूस होती है। चिराग पासवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि बिहार अब और कितनी हत्याओं की भेंट चढ़ेगा, यह समझ से परे है कि बिहार पुलिस की जिम्मेदारी क्या है। संतोष कुमार सुमन ने गया जिले के गोदावरी स्थित आवास पर शनिवार को कहा कि बिहार में लॉ एंड ऑर्डर चुस्त और दुरुस्त है। उन्होंने बताया कि प्रशासन और सरकार पूरी तरह सक्षम हैं। कोई भी घटना घटने पर उसका बचाव नहीं किया जा सकता। घटनाएं घटती हैं और उनके पीछे बहुत सारे कारण होते हैं। इन कारणों का पता लगाकर अपराधियों को पकड़ा जाता है और उन्हें सजा भी दी जाती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका के हत्याकांड के आरोपी को पुलिस ने ढूंढ निकाला और एनकाउंटर भी हुआ। तुरंत उद्भेदन हुआ और सजा देने का काम भी किया गया। मंत्री संतोष सुमन ने कहा कि उन्होंने स्वीकार किया कि समाज में हर तरह के लोग होते हैं और कुछ सामाजिक लड़ाइयों के कारण ऐसी घटनाएं होती हैं, लेकिन पहले की अपेक्षा अब इनकी संख्या बहुत कम हो गई है। जहां साल भर में 50,000 घटनाएं होती थीं, वहां अब 500 से 1,000 घटनाएं हो रही हैं। बिहार में बहुत सुधार हुआ है और इसे शून्य करने के लिए हम काम कर रहे हैं। चिराग पासवान द्वारा बिहार में बढ़ती घटनाओं पर सरकार पर निशाना साधने पर सुमन ने कहा कि हम सब गठबंधन के सहयोगी हैं और सभी के तालमेल से सरकार चल रही है। चिराग पासवान ने कुछ घटनाओं के बारे में सरकार का ध्यान आकर्षित किया है, जो राजनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी राजनीति में अपने विचारों को व्यक्त करना पड़ता है। कहीं-कहीं गलतियां और परेशानियां होती हैं, जिन्हें बैठकर चर्चा की जा सकती है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सभी के लिए उपलब्ध हैं और उनसे बात की जा सकती है।

मेयर के बेटे की गिरफ्तारी का विरोध

सीता साहू जिंदाबाद का नारा लगा रहे लोग, गांधी मैदान थाना पुलिस की गाड़ी को घेरा

पटना। महापौर सीता साहू के घर आज गांधी मैदान थाना पुलिस पहुंची। पुलिस उनके बेटे शिशिर कुमार की गिरफ्तारी के लिए आई है। लेकिन, स्थानीय लोग गिरफ्तारी का विरोध कर रहे हैं। लोग सीता साहू के जिंदाबाद के नारा लगा रहे हैं। नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर के खिलाफ नारेबाजी हो रही है। सीता साहू के बेटे शिशिर कुमार की गिरफ्तारी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। गांधी मैदान थाने की पुलिस शनिवार की देर भी यहां पहुंची। लेकिन, लोगों के विरोध के कारण अभी तक आरोपी को अरेस्ट नहीं कर सकी है। मेयर के पटन देवी स्थित आवास पर लोगों की भीड़ है। गांधी मैदान थाना के पुलिस की गाड़ी को स्थानीय लोगों ने घेर लिया है। स्थानीय लोगों का यह मानना है कि विधानसभा चुनाव में पटना सिटी से शिशिर कुमार भाजपा के एक मजबूत उम्मीदवार हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए उनके राजनीतिक करियर को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय लोग नगर आयुक्त के खिलाफ धरना पर बैठ गए है। उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का यह कहना है की रात में लगभग 1:30 बजे से थाना की पुलिस भारी संख्या में मेयर सीता साहू के बेटे शिशिर कुमार के घर पहुंच गई। किसी अपराधी की तरह उनके दरवाजे को खुलवाने का प्रयास किया जा रहा था, जिसका स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं। स्थानीय ने कहा कि शिशिर कुमार आने वाले समय में यहां के विधायक बनने वाले है, इस कारण उन्हें बदनाम किया जा रहा है। नगर आयुक्त का हमने पुतला फूंका है। कार्रवाई नगर निगम बोर्ड की नवमी बैठक में हुए हंगामे के बाद की जा रही है। शुक्रवार को पटना के एक होटल में आयोजित बैठक में मेयर के समर्थक और विरोधी आमने-सामने आ गए थे। विवाद इतना बढ़ा कि एक पार्षद का कुर्ता फट गया। पटना नगर निगम बोर्ड की नवमी बैठक शुक्रवार को एक होटल में कराया गया था, जहां जमकर हंगामा हुआ था। पटना मेयर के विरोधी और समर्थन पक्ष इस बैठक में जमकर विरोध प्रदर्शन और हंगामा किए थे। एक पार्षद के कुर्ते भी फटे थे। इसके बाद पटना मेयर बेटे सुशील कुमार पर एफआईआर दर्ज हुआ है। गांधी मैदान एसएचओ राजेश कुमार ने बताया कि बोर्ड बैठक में हुए हंगामे के बाद शिशिर कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। पुलिस प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पूछताछ के लिए उनके घर पहुंची थी। पुलिस की इस कार्रवाई का स्थानीय लोगों ने विरोध किया और काफी देर तक नारेबाजी करते रहे। दरअसल, नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने मेयर सीता साहू के बेटे शिशिर को लेकर कहा था कि वो बंदूक और बाउंसर लेकर निगम की साधारण बैठक में पहुंचे थे। वह इसके सहारे गुंडागर्दी करना चाहते थे। नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम की मीटिंग थी, जिसमें पटना के बाहर के अपराधी आर्म्स के साथ बुलाए गए थे। हम लोग सत्यापन करा रहे हैं। सीसीटीवी के फुटेज पर जांच की जा रही है। सरकारी बैठकों में आर्म्स और बाउंसर को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। कोई भी बंदूक और बाउंसर से मुझे नहीं डरा सकता है। यह गांधी का देश है। हथियार से शासन चलाने नहीं देंगे। पटना नगर निगम की ओर से शुक्रवार को एक पत्र जारी किया गया था।

बेटी बात नहीं मानती थी, इसलिए मार डाला

गयाजी। पति-पत्नी ने मिलकर बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों शनिवार को उसका अंतिम संस्कार करने पुस्तैनी गांव पहुंचे। इसी दौरान पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। फिर दंपती को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस की पूछताछ में मर्डर की बात स्वीकार की है। दंपती ने पुलिस को बताया कि बेटी (14) का व्यवहार ठीक नहीं था। वो हमारी बात नहीं मानती थी। घर के काम में सहयोग नहीं करती थी। इससे परेशान होकर उसको मार डाला। आरोपी पिता ने दो शादियां की थी। जिसकी हत्या की, वो पहली पत्नी की बेटी थी। पिता और सौतेली मां ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया। दंपती ने पुलिस को बताया कि इमामगंज के रानीगंज में किराए के मकान में मर्डर किया। इसके बाद शाम में रानीगंज से 10 किमी दूर ऑटो से तेतरिया स्थित पुस्तैनी घर पर शव ले आए। यहां अंतिम संस्कार की तैयारी में थे। ग्रामीणों ने बताया कि लड़की के गले पर जख्म के निशान देखे। फिर इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर दंपती मनोज (38) और रुचि (34) को गिरफ्तार किया और पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ। आरोपी मनोज मजदूरी करता है। उसकी पहली पत्नी की मौत 7 साल पहले हो गई थी। इसके बाद मनोज ने दूसरी शादी रुचि से की। दोनों की दो संतान हैं। एक की उम्र 5 और दूसरी की 3 साल है। मां-पिता की गिरफ्तारी के बाद बच्चे रुचि के मायके वालों के पास हैं।

संक्षिप्त डायरी

मुजफ्फरपुर में पहली बार 1100 महिलाएं एक साथ करेंगी यज्ञ, विश्व शांति और हिन्दू राष्ट्र की कामना

मुजफ्फरपुर। जिले के खादी भंडार सभागार में पहली बार श्री विद्या त्रिकोटी कुमकुमार्चन महायज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। इस तीन दिवसीय महायज्ञ का नेतृत्व स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी जी महाराज करेंगे। खास बात यह है कि इस यज्ञ में केवल महिलाएं और कुंवारी कन्याएं ही भाग लेंगी, जो परिवार, समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए सनातन धर्म की परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का कार्य करेंगी। पटना और गया के बाद अब यह महायज्ञ मुजफ्फरपुर में कराने का संकल्प लिया गया है। इसका उद्देश्य विश्व शांति और राष्ट्र चेतना का संदेश जन-जन तक पहुँचाना है। आयोजन समिति ने रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। इस अवसर पर देवांशु किशोर (पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष), भाजपा नेत्री ममता रानी, पूर्व विधायक बेबी कुमारी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस महायज्ञ की शुरूआत बीएमपी दुर्गा मंदिर से कलश यात्रा के साथ होगी। पूरा आयोजन 15 जुलाई से 18 जुलाई 2025 तक खादी भंडार सभागार, खादी भंडार रोड, मुजफ्फरपुर में संपन्न होगा। 16 जुलाई को पहली पूजा-अर्चना और विशेष अनुष्ठान होंगे। आयोजन समिति ने बताया कि इस यज्ञ में किसी कथा वाचन का कार्यक्रम नहीं होगा बल्कि वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक विधियों से यज्ञ की सभी रस्में निभाई जाएंगी। महिलाओं के साथ कुंवारी कन्याएं भी बड़ी संख्या में इस यज्ञ में भाग लेंगी। यह महायज्ञ सावन माह में शक्ति उपासना के माध्यम से राष्ट्र चेतना को जागृत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार शक्ति स्वरूप 1100 महिलाएं इस महायज्ञ में भाग लेंगी और भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग के संकल्प को सामूहिक रूप से दोहराएंगी। स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी जी महाराज के सान्निध्य में यह महायज्ञ न केवल आध्यात्मिक जागरण का माध्यम बनेगा बल्कि राष्ट्र धर्म और सनातन संस्कृति की रक्षा के संकल्प को भी बल प्रदान करेगा। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे समय पर पहुंचकर इस ऐतिहासिक महायज्ञ को सफल बनाएं और अधिक से अधिक महिलाओं को भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

रेलवे ट्रैक पर मिला पोस्टमैन का शव, ससुराल जाने के लिए निकला था घर से, हत्या या हादसा?

वैशाली। जिले में उस समय सनसनी फैल गई जब हाजीपुर के ढाला नंबर 54 के पास रेलवे ट्रैक से एक पोस्टमैन का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान लालगंज के कटहरा थाना क्षेत्र के घटारो निवासी राकेश कुमार (37) के रूप में हुई है। वे हाजीपुर पोस्ट ऑफिस में पोस्टमैन के पद पर कार्यरत थे। शव मिलने की खबर से न केवल उनके परिजन, बल्कि पूरा क्षेत्र स्तब्ध है। पुलिस को दिए बयान के अनुसार, राकेश कुमार दो दिन पहले अपने ससुराल जाने के लिए घर से निकले थे। उन्होंने अपने भाई को इस बात की जानकारी दी थी कि वे किशनगंज स्थित अपने ससुराल जा रहे हैं, जहां उनकी पत्नी रेलवे विभाग में कार्यरत हैं। इसके बाद से वे लापता थे, और अब उनका शव रेलवे ट्रैक के पास पाया गया। स्थानीय लोगों ने जब रेलवे ट्रैक के पास शव देखा, तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। जीआरपी और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लिया गया और पहचान कर परिवार को सूचना दी गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। रेलवे ट्रैक के पास शव पाए जाने के कारण इस बात की जांच की जा रही है कि राकेश कुमार की मौत ट्रेन से गिरने की वजह से हुई या उनकी हत्या की गई। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। जीआरपी की टीम भी जांच में जुट गई है। राकेश कुमार की मौत से उनका परिवार पूरी तरह टूट गया है। उनकी पत्नी किशनगंज में रेलवे विभाग में कार्यरत हैं, और उनकी 12 साल की एक बेटी भी है। एक जिम्मेदार सरकारी कर्मचारी की इस तरह असामयिक और संदिग्ध हालात में मौत से उनके परिजनों और सहकर्मियों में गहरा दुख है। हाजीपुर-बछवाड़ा रेलखंड पर शव मिलने की पुष्टि करते हुए जीआरपी ने बताया कि उन्हें ट्रैक पर शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और अब मामले की गहराई से जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि राकेश कुमार की मृत्यु हादसे में हुई, या फिर यह किसी साजिश का हिस्सा है।

बिहार में 1 करोड़ युवाओं को जॉब देने का लक्ष्य

पटना। बिहार चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार ने बड़ा वादा कर दिया है। उन्होंने नौकरी के लेकर किए गए अपने वादे को लेकर बड़ा बयान दिया है। कहा कि अगले पांच साल में बिहार के एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है। इतना ही नहीं सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और लगभग 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर लिखा कि राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हमारी सोच रही है। वर्ष 2005 से 2020 के बीच राज्य में आठ लाख से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई। राज्य के युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने की गति को और बढ़ाने के लिए वर्ष 2020 में हमने सुशासन के कार्यक्रम सात निश्चय-2 में 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 10 लाख लोगों को रोजगार देने का संकल्प लिया था। बाद में इसे बढ़ाकर अगस्त 2025 तक 12 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 38 लाख लोगों को रोजगार का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कुल 50 लाख नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया था। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राज्य में अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और लगभग 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है और 50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने के लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त कर लिया जाएगा। सीएम नीतीश कुमार ने लिखा कि अगले पांच साल में (2025 से 2030) वर्ष 2020-25 के लक्ष्य को दोगुना करते हुए एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया जा रहा है। इसके लिए निजी विशेषकर औद्योगिक क्षेत्रों में भी नौकरी एवं रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे। इसे लेकर एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है। वर्तमान में सात निश्चय के तहत राज्य के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए उन्हें कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

थानेदार की हत्या करने वाले आरोपी को गोलियों से भूना, दो गिरफ्तार

नालंदा। जिले के नगरनौसा थाना क्षेत्र में शनिवार को सनसनीखेज वारदात में थानेदार हत्याकांड के एक आरोपी रवि कुमार की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। रवि की हत्या उस समय की गई जब वह थाना परिसर में आयोजित जनता दरबार से लौटकर अपने घर जा रहा था। हमलावरों ने घात लगाकर ताबड़तोड़ पांच गोलियां चलाईं, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान नगरनौसा थाना क्षेत्र के बडीहा गांव निवासी अशोक यादव के 32 वर्षीय पुत्र रवि कुमार के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, रवि शनिवार को किसी जमीनी विवाद के मामले में नगरनौसा थाने में लगने वाले जनता दरबार में शामिल होने गया था। दरबार समाप्त होने के बाद वह घर लौट रहा था, तभी दुधैला गांव के पास पहले से घात लगाए बदमाशों ने उस पर हमला कर दिया। बदमाशों ने रवि पर बिना कोई मौका दिए ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। गोलियां दोनों पैरों, सीने और गले के पास लगीं, जिससे रवि की मौके पर ही मौत हो गई। गोलीबारी की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दो हमलावरों को पकड़ लिया, जिन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया। एक अन्य आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना के पीछे पारिवारिक संपत्ति विवाद की बात सामने आ रही है। फिलहाल पुलिस ने इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है और स्थिति को नियंत्रित रखने की कोशिश की जा रही है। हिलसा डीएसपी वन सुमित कुमार खुद मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है, और पकड़े गए दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी है। रवि कुमार वर्ष 2015 में नगरनौसा के तत्कालीन थाना अध्यक्ष अवधेश कुमार की हत्या के मामले में मुख्य आरोपी था। यह हत्या उस समय हुई थी जब थानेदार अवधेश कुमार बडीहा गांव में जमीन विवाद को लेकर छापामारी करने पहुंचे थे। वहां पर राम उचित यादव और कपिल यादव के बीच गोलीबारी हुई थी, जिसमें राम उचित यादव को गोली लगी थी।

परिजन थाने में शिकायत करने गए थे, जिसके बाद थानाध्यक्ष गांव पहुंचे और उन्हें भी अपराधियों ने गोली मार दी थी, जिसमें वे घायल हुए और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। इस मामले में रवि कुमार को गिरफ्तार किया गया था। 12 वर्षों तक जेल की सजा काटने के बाद वह इसी साल जनवरी में रिहा हुआ था। पुलिस अब इस पूरे मामले को पूर्व के आपराधिक रंजिश से जोड़कर देख रही है। हत्यारों का मकसद पहले से तय बताया जा रहा है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि हत्या पारिवारिक विवाद की परिणति है या थानेदार हत्याकांड से जुड़ी रंजिश।

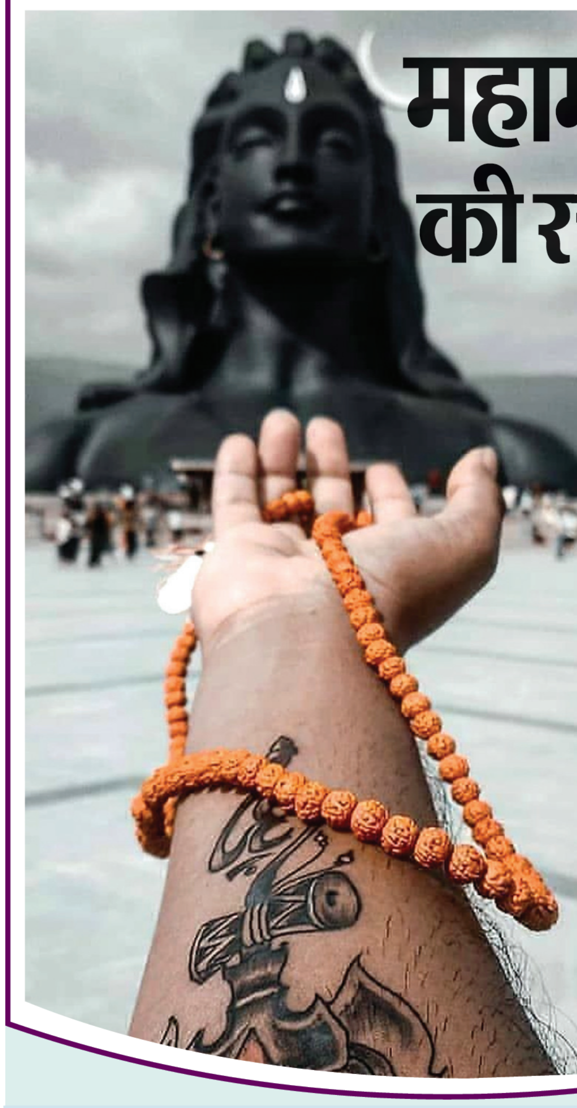

महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए. यह देख जब उनकी पत्नी ने दु:ख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दु:ख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र : ऊँ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए. पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। सा थ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए.

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर- पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीध्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में पीछे नही हटते हैं।

विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शिव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रुलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की ज्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्रि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्रि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्रि रूप है। यह वही अग्रि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो क्रमश: गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वत: प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिए है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,

शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिव्राजक है अर्थात जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुन: शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवषयन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास मे कथा भागवत और अनगिनत उत्सव मनाये जाते है। श्रावन मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावन सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता है जो जैसा मांगें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अत: सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्त्व है। अत: इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रात: गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि षोडशोपचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान ब्राह्मण से रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्त्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरुरी बातें -

- श्रावन मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचनें के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए। शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए। ओम नम: शिवाय. का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं। शिव को सामान्यत: गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

•इमरती •खीर •मावा लड्डू •ड्रायफ्रूट्स •रबड़ी •मालपुए •खोपरापाक •बूंदी के लड्डू •बर्फी •बेसन के व्यंजन •कलाकंद •मैसूर पाक •रसमलाई •पेड़ा •घेवर •सत्तू की मिठाई •हलवा •पेठा •गुलाब जामुन •जलेबी •रसगुल्ला। इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुए, बूंदी आदि।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्ल्मिने च कवचिने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिने च।
नम : श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुब्भ्याय चा हनन्न्याय च नमो घृशणवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम पापनाशनम। अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुश्पाणि महेश्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकुसुम प्रिय।

लॉर्ड्स टेस्ट- इंग्लैंड की आधी टीम पवेलियन लौटी

सुंदर ने रूट को बोल्ड किया, फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की; भारत 154 रन से पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। रविवार को मैच का चौथा दिन है और दूसरा सेशन जारी है।

इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 154 रन बना लिए हैं। बेन स्टोक्स और जैमी स्मिथ नाबाद हैं। वॉशिंगटन सुंदर ने जो रूट (40 रन) को बोल्ड करके फिफ्टी पार्टनरशिप ब्रेक की।

हैरी ब्रूक (23 रन) को आकाश दीप ने बोल्ड कर दिया। नीतीश रेड्?डी ने जैक क्रॉली (22 रन) को कैच कराया। जबकि, मोहम्मद सिराज ने ओली पोप (4 रन) और बेन डकेट (12 रन) को पवेलियन भेजा।

इंग्लिश टीम ने आज 2/0 के स्कोर से खेलना शुरू किया था। पहली पारी में किसी टीम को बढ़त नहीं मिली, इनमें भारत और इंग्लैंड की टीमें एक समान 387-387 के स्कोर पर ऑलआउट हुईं

स्वियाटेक ने अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदकर पहला विंबलडन खिताब जीता

लंदन (एजेंसी)। पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक शनिवार को धमाकेदार अंदाज में विंबलडन 2025 चैंपियन बन गईं। उन्होंने आल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर महिला सिंगल्स फाइनल में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदा। स्वियातेक ने पहली बार टूर्नामेंट का खिताब जीता है। इस ग्रैंडस्लैम में लगातार आठवीं बार पहली महिला चैंपियन देखने को मिली है। इगा इससे पहले विंबलडन में क्वार्टर फाइनल से आगे तक नहीं बढ़ पाई थीं लेकिन इस बार गदर काट दिया और छठा ग्रैंड स्लैम अपने नाम किया। उन्होंने सेमीफाइनल में बेलिंडा बेनसिच को 6-2, 6-0 से हराने के बाद फाइनल में जगह बनाई थी।

पोलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त इगा ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली और महज 57 मिनट में जीत दर्ज की। यह 114 सालों में विंबलडन का पहला महिला फाइनल था, जिसमें प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सकी। स्वियातेक ओपन एरा में फाइनल में कोई भी गेम हारे बिना मेजर टाइटल जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ ने 1988 में आयोजित फ्रेंच ओपन में नतालिया ज्वेरेवा को हराया था। स्टेफी ग्राफ 32 मिनट में चैंपियन बनी थीं। बता दें कि 24 वर्षीय इगा फ्रेंच ओपन में चार और अमेरिकी ओपन में एक ट्रॉफी जीत चुकी हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट: यह समय की बर्बादी का अब तक का सबसे अच्छा उदाहरण है, क्रॉली की रणनीति पर बोले वॉन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि मौजूदा तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन के अंत में जैक क्रॉली की समय बर्बाद करने की रणनीति 'अब तक की सबसे अच्छी रणनीति' थी, लेकिन उन्होंने कहा कि भारत शिकायत नहीं कर सकता क्योंकि मेहमान टीम ने दूसरे दिन भी यही तरीका अपनाया था।

तीसरे दिन के अंत में उस समय गुस्सा भड़क गया जब इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली की समय बर्बाद करने की रणनीति के बाद भारत एक और ओवर नहीं खेल पाया, जिस पर कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई में मेहमान टीम ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। भारतीय पारी तीसरे दिन 387 रन ढेर हो गई जो इंग्लैंड की पारी के समान थी। दिन का अंत इंग्लैंड ने मामूली 2 रन की बढ़त से किया।

387 रनों पर आउट होने के बाद भारत के पास तीसरे दिन के अंतिम सत्र में दो ओवर फेंकने का पर्याप्त समय था, लेकिन जसप्रीत बुमराह के शुरुआती ओवर के दौरान तीन बार चोट का बहाना बनाने और मैच से बाहर होने की क्रॉली की रणनीति के कारण मैच में देरी हुई। इसका मतलब था कि भारत के पास सिर्फ एक ओवर का समय था, जिससे मेहमान टीम नाराज हो गई क्योंकि इंग्लैंड ने तीसरे दिन अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 2 रन बना लिए।

वॉन ने कहा कि यह दोनों टीमों के लिए बराबर था, 'यह समय की बर्बादी का अब तक का सबसे अच्छा उदाहरण है।' उन्होंने कहा, 'भारत शिकायत नहीं कर सकता क्योंकि कल गिल की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था, (केएल) राहुल मैदान से बाहर थे और वह पारी की शुरुआत नहीं कर पाते।' उन्होंने कहा, 'कोई भी टीम शिकायत नहीं कर सकता, लेकिन क्या शानदार ड्रामा था और क्या शानदार दिन था। हमें चौथे और पाँचवें दिन का सामना करना है जो शानदार होगा।'

इंग्लैंड के एक अन्य पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक ने कहा कि 1-1 से बराबरी पर चल रही इस सीरीज को और रोमांचक बनाने के लिए इस तरह के ड्रामा की जरूरत थी। उन्होंने कहा, 'सभी बहुत दोस्ताना रहे हैं, लेकिन 5 मैचों की सीरीज में ऐसा हमेशा होता है। एक-दूसरे के खिलाफ कई बार खेलने के बाद कुछ छोटे-छोटे पल आते हैं।'

मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़कर हरमनप्रीत कौर बनी नंबर-1, भारत ने अपने नाम की सीरीज

लंदन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड की सरजमीं पर इतिहास रचते हुए पहली बार इंग्लैंड में टी20 सीरीज अपने नाम की। भले ही टीम को 12 जुलाई को बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेले गए आखिरी टी20 मैच में हार झेलनी पड़ी लेकिन सीरीज भारत ने 3-2 से जीत ली।

इस ऐतिहासिक जीत की अगुवाई हरमनप्रीत कौर ने की। हालांकि,वे बल्ले से खास कमाल नहीं कर पाई लेकिन सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हो गईं बावजूद इसके उन्होंने एक बड़ा इतिहास रच दिया।

हरमनप्रीत कौर ने भारत के लिए सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने ये उपलब्धि भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज बल्लेबाज मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ते हुए हासिल की।

हरमनप्रीत कौर ने कुल 334 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले, जो कि महिला क्रिकेट में भारत के लिए सबससे ज्यादा है। उन्होंने महान बल्लेबाज मिताली राज का 333 मैचों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। हरमनप्रीत अब विश्व की सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ियों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं।

इस लिस्ट में न्यूजीलैंड की सुजी बेट्स (346 मैच) और ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी (337 मैच) उनसे ऊपर हैं। 36 साल के हरमनप्रीत ने अब तक 8 शतक और 85 अर्धशतक लगाए हैं, जिसमें उनका सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्कोर 171 रन भी शामिल है जो महिला वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा है।

भारत की मिश्रित टीम निशानेबाजी विश्व कप के पदक दौर में जगह बनाने से चूकी

लोनाटो । लक्ष्य श्योराण (22,19,25) और नीरू ढांडा (25,24,25) तीसरी सीरीज में परफेक्ट स्कोर बनाने के बावजूद ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में पदक दौर में जगह बनाने से चूक गए जिसके साथ भारत का अभियान ढ्डस्स्न लोनाटो विश्व कप में समाप्त हो गया। लक्ष्य और नीरू ने क्वालीफाइंग दौर में संभावित 150 में से 140 अंक बनाए और 54 जोड़ियों में 10वें स्थान पर रहे। जोरावर सिंह संधू (21,23,24) और प्रीति रजक (23,24,23) की दूसरी भारतीय जोड़ी 138 अंक के साथ 22वें स्थान पर रही। एक दिन पहले महिला ट्रैप में चौथे स्थान पर रही नीरू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 75 में से केवल एक ही निशाना चूका जबकि लक्ष्य दूसरी सीरीज में लय में नहीं दिखे और छह निशाने चूक गए जिससे भारतीय जोड़ी की पदक दौर में जगह बनाने की संभावनाओं को झटका लगा। ऑस्ट्रेलिया, ग्रेट ब्रिटेन और स्पेन की दोनों टीम 143 अंक के समान स्कोर के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रहीं। पिछले निकोसिया शॉटगन विश्व कप की मिश्रित टीम स्पर्धा में काइनन चेनाई और सबीरा हारिस की भारतीय जोड़ी ने कांस्य पदक जीता था। यह स्पर्धा 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पहली बार आयोजित की जाएगी।

जो रूट का कमाल जारी, सचिन तेंदुलकर की खास क्लब में बनाई जगह

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के बेहतरीन जो रूट लगातार रनों की अंबार खड़ा कर रहे हैं। बीते पांच साल में वह 20 शतक जमा चुके हैं। सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट रन के रिकॉर्ड को तोड़ने के रूट काफी करीब है और हाल ही में उन्होंने सचिन के साथ ही एक खास लिस्ट में अपना नाम भी लिखवा लिया है।

भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में रूट ने ये मुकाम हासिल किया। इस मैच की पहली पारी में रूट के बल्ले से शतक निकला था जिसके दम पर मेजबान टीम ने 387 रनों का स्कोर खड़ा किया था। इस शतक से भी रूट ने कई रिकॉर्ड बनाए थे और दूसरी पारी में भी वह यही कर रहे हैं।

रूट ने इस मैच में बल्लेबाजी करते हुए नंबर-4 पर टेस्ट क्रिकेट में अपने 8000 रन पूरे कर लिए हैं। रूट से पहले इस नंबर पर सिर्फ चार ही बल्लेबाजों ने टेस्ट में 8000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली ने भी लंबे समय तक नंबर-4 पर बल्लेबाजी की लेकिन वह भी इस मुकाम को नहीं छू पाए। कोहली के नाम तो टेस्ट में 10,000 रन भी नहीं हैं। टेस्ट में कोहली के नाम 123 मैचों में 9230 रन हैं। चौथे नंबर पर खेलते हुए कोहली ने 7564 रन बनाए हैं। इसके साथ ही रूट के नाम क्रिकेट के मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स पर सबसे ज्यादा शतक जमाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने इस मैदान पर कुल आठ शतक हैं। उनके बाद किसी का नंबर है जो इंग्लैंड के ही माइकल वॉन और ग्राहम गूज का। दोनों के नाम लॉर्ड्स में कुल 6-6 शतक हैं।

अभी रिटायरमेंट लेने का कोई इरादा नहीं : नोवाक जोकोविच

लंदन । विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में हार के बाद नोवाक जोकोविच ने अपने प्रशंसकों को यह साफ संदेश दिया है कि वह अभी रिटायरमेंट लेने का कोई इरादा नहीं रखते। शुक्रवार को सेंटर कोर्ट पर दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर से सीधे सेटों में 6-3, 6-3, 6-4 से हार झेलने के बाद जोकोविच ने कहा कि यह उनका विंबलडन करियर खत्म करने वाला मैच नहीं था। 38 वर्षीय जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मैं आज अपना विंबलडन करियर खत्म करने की योजना नहीं बना रहा हूं। मैं निश्चित रूप से कम से कम एक बार और वापसी की योजना बना रहा हूं।' उनकी इस हार ने न सिर्फ रोजर फेडरर के आठ विंबलडन खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी करने बल्कि अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीदों को भी तोड़ दिया। क्वार्टर फाइनल के दौरान चोटिल होने के बाद जोकोविच सेमीफाइनल में पूरी लय में नजर नहीं आए। उन्होंने कहा कि वे अपनी चोट के बारे में विस्तार से बात नहीं करना चाहते, लेकिन प्रदर्शन से जरूर निराश हैं। मैच के दौरान तीसरे सेट से पहले जोकोविच ने अपने बाएं पैर के ऊपरी हिस्से के उपचार के लिए ट्रेनर को बुलाया और इसके बाद शुरुआती तीन गेम जीतने में सफल रहे। हालांकि, वे असहज महसूस करते रहे और आखिरी सात गेम में से छह हार गए। उनके प्रतिद्वंद्वी सिनर ने भी माना कि तीसरे सेट में जोकोविच की तकलीफ साफ दिख रही थी और वे सहज नहीं थे।

14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, आईपीएल से लेकर इंग्लैंड में मचाई धूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 से भारतीय क्रिकेट को एक नया सितारा मिल गया है। बिहार के समस्तीपुर में जन्मे महज़ 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने अपनी धमाकेदार बल्लेबाज़ी से सबको चौंका दिया है। आईपीएल से लेकर इंग्लैंड दौरे तक उन्होंने अपनी प्रतिभा का ऐसा जलवा दिखाया कि विशेषज्ञ भी उनकी तुलना सचिन तेंदुलकर और ब्रायन लारा जैसे दिग्गजों से करने लगे हैं। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 2025 की नीलामी में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा। उन्होंने 14 साल और 23 दिन की उम्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में डेब्यू किया। पहले ही मैच में 20 गेंदों पर 34 रन ठोक दिए।

आईपीएल-2025 में वैभव ने 7 मैच खेले और 36 की औसत से 252 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और एक अर्धशतक निकला। उन्होंने 24 छक्के और 18 चौके जड़ते हुए दिखा दिया कि उम्र महज एक नंबर है। राजस्थान के बाद, वैभव को भारत की अंडर-19 टीम में इंग्लैंड दौरे के लिए चुना गया। वहां भी उन्होंने मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। पांच यूथ वनडे में उन्होंने 48, 45, 86, 143 और 33 रन की पारियां खेलीं। सबसे खास पारी रही चौथे वनडे में 143 रन की। उन्होंने महज 52 गेंदों में शतक पूरा किया और 78 गेंदों पर 10 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 143 रन बनाए। इसी के साथ वैभव सूर्यवंशी यूथ वनडे में सबसे तेज शतक बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने नजमुल हसन शांतो का रिकॉर्ड तोड़ा। वैभव ने 14 साल और 100 दिन की उम्र में यह कारनामा किया। इस मैच में उन्होंने विहान मल्होत्रा (129) के साथ 219 रन की साझेदारी कर भारत को 55 रन से जीत दिलाई।

वैभव के बारे में विशेषज्ञ कहते हैं कि उनमें सचिन तेंदुलकर की तकनीकी नजाकत और ब्रायन लारा जैसा अटैकिंग अंदाज नजर आता है। हालांकि कुछ कोच उन्हें पृथ्वी शॉ की गलतियों से सीखने की सलाह भी देते हैं। घरेलू क्रिकेट में भी वैभव ने रिकॉर्ड कायम किया। 13 साल 269 दिन की उम्र में लिस्ट-ए क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय बने। बिहार की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में मध्य प्रदेश के खिलाफ डेब्यू किया। वह आधुनिक युग में प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी भी हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वैभव ने 5 मैचों की 10 पारियों में 100 रन बनाए। छह लिस्ट-ए मैचों में 22 की औसत से 132 रन उनके नाम हैं। हालाँकि यह आंकड़े दिखाते हैं कि अभी उन्हें घरेलू क्रिकेट में और मेहनत करनी होगी। फिटनेस के लिए जरूरी यो-यो टेस्ट पास करना आधुनिक क्रिकेट का अहम हिस्सा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वैभव अपनी फिटनेस और जज्बा बनाए रखें, तो वह भविष्य में भारतीय टीम के स्टार सलामी बल्लेबाज़ बन सकते हैं।

पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार डायमंड लीग में नीरज और अरशद में होगी प्रतिस्पर्धा

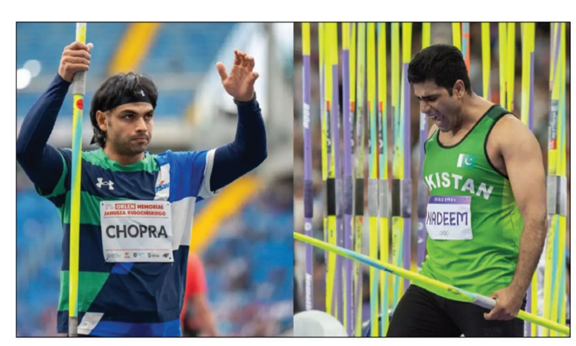

सिलेसिया । भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम के बीच 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में होने वाली डायमंड लीग भाला फेंक (डीएल) स्पर्धा में टक्कर होगी। पेरिस ओलंपिक के बाद ये दोनो के बीच पहला मुकाबला होगा और ऐसे में सभी की नजरें इस पर लगी रहेंगी। अरशद ने पेरिस में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जबकि नीरज ने रजत पदक जीता था। नीरज टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता होने के साथ ही विश्व चैम्पियन भी हैं। चोपड़ा को हालांकि पेरिस में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। विश्व एथलेटिक्स के एक बयान में कहा गया है कि चोपड़ा और नदीम सिलेसिया डायमंड लीग में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने भी नीरज और अरशद के बीच इस मुकाबले की पुष्टि करते हुए कहा कि यह नीरज के लिए पिछली हार का बदला लेने का अच्छा अवसर हो सकता है। आयोजकों ने प्रतिष्ठित डायमंड लीग स्पर्धा के प्रतिभागियों की घोषणा करते हुए कहा, 'पोलैंड के प्रशंसकों को नीरज और अरशद नदीम के मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है।' आयोजकों ने कहा, 'अरशद यूरोपीय सर्किट में ज्यादा स्पर्धाओं में भाग नहीं लेते है ऐसे में उनके प्रदर्शन के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। वह रज वहीं चोपड़ा हाल ही में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले दुनिया के 26वें भाला फेंक खिलाड़ी बने हैं। चोपड़ा ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। सिलेशिया डायमंड लीग के आयोजकों ने कहा, 'इस सत्र में वह 90 मीटर से अधिक थ्रो करने वाले इतिहास के 26वें खिलाड़ी बन गए हैं। वह निश्चित रूप से इसे और बेहतर करना चाहेगे।' पुरुषों की भाला फेंक में मौजूदा विश्व चैंपियन और मौजूदा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता के बीच मुकाबला सिलेसिया डायमंड लीग के मुख्य आकर्षणों में से एक होने वाला है। चोपड़ा ने पेरिस खेलों के बाद कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिसमें चार डायमंड लीग मीट, पोलैंड के चोरजो और चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में दो अन्य शीर्ष-श्रेणी की प्रतियोगिताएं भी शामिल है।

मैं अभी और टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं, चयनकर्ताओं से संपर्क भी किया : रहाणे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो वर्षों से कोई टेस्ट मैच नहीं खेलने वाले 37 वर्षीय अजिंक्य रहाणे की भूख और जुनून अभी बाकी है। उन्होंने इस संबंध में चयनकर्ताओं से संपर्क करने की कोशिश भी की थी लेकिन उन्हें चयनकर्ताओं की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। रहाणे इस समय लंदन में हैं और उन्हें स्काई स्पोर्ट्स में नासिर हुसैन और माइकल आथर्टन से बात करते हुए कहा, 'मैं अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मेरे अंदर टेस्ट क्रिकेट खेलने का जुनून बाकी है और इस समय मैं अपनी क्रिकेट का लुत्फ उठा रहा हूं। मैं यहां सिर्फ कुछ दिनों के लिए आया हूं और अपने ट्रेनिंग के कपड़े भी साथ लाया हूं ताकि मैं खुद को फिट रख सकूं। हमारा घरेलू सीजन शुरू होने वाला है इसलिए तैयारी अभी शुरू ही हुई है।'

जब रहाणे से पूछा गया कि विरोट कोहली और रोहित शर्मा सरीखे सीनियर खिलाड़ियों के संन्यास के बाद भारतीय टीम युवा खिलाड़ियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है ऐसे में उनके सामने टेस्ट में वापसी करने के लिए कैसी चुनौतियां हैं तो उन्होंने कहा कि उनका ध्यान सिर्फ उन चीजों पर है जिन पर उनका नियंत्रण है। नए कप्तान शुभमन गिल ने कोहली की जगह चौथे नंबर पर ले ली है, जबकि उप-कप्तान ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर आ गए हैं।

पुराने खिलाड़ियों में से, केएल राहुल ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो अभी भी चयनकर्ताओं की योजनाओं में मजबूती से शामिल हैं। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद रहाणे बेफिक्र हैं और घरेलू क्रिकेट के प्रति अपने समर्पण के जरिए वापसी की कोशिश कर रहे हैं। टेस्ट टीम से बाहर होने के बाद से रहाणे ने लगातार दो रणजी ट्रॉफी सीजन में मुंबई का नेतृत्व किया है, जिसमें टीम ने 2023-24 में अपना 42वां खिताब जीता, जबकि 2024-25 में उपविजेता रही। वह सैयद मुश्ताक अली (टी20) खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का भी हिस्सा थे।

रहाणे ने 2024-25 के रणजी सीजन में 14 पारियों में 35.92 की औसत से एक अर्धशतक और एक शतक सहित 467 रन बनाए। वह निराशाजनक IPL 2025 के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जहां उनकी टीम 10 टीमों में से आठवें स्थान पर रही। रहाणे ने 14 पारियों में 147.27 के स्ट्राइक रेट से 390 रन बनाए। रहाणे ने कहा, 'मैं सिर्फ उन्हीं चीजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं जो मेरे नियंत्रण में हैं।

राहणे ने कहा, 'सच कहूं तो मैंने इस संबंध में चयनकर्ताओं से बात करने की कोशिश भी की लेकिन बतौर खिलाड़ी ऐसी चीज़ें मेरे नियंत्रण में नहीं होती। मुझे कोई जवाब नहीं मिला। एक क्रिकेटर के तौर पर मैं बस इतना ही कर सकता हूं कि मैं क्रिकेट खेलूं, खेल का आनंद लूं और हर मौके पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूं। मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना बहुत पंसद है। खेल के प्रति मेरा प्रेम ही मुझे लगातार अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है।'

बुमराह सबसे अधिक बार शून्य पर आउट होने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बने, 35 वहीं बार खाता नहीं खोल पाये

लॉर्ड्स । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह अब तक इंग्लैंड दौरे में रनों के मामले में असफल रहे हैं। बुमराह ने अभी तक इस दौरे में तीन बार बल्लेबाजी की है और तीनो में ही वह अपना खाता नहीं खोल पाये। इस प्रकार बुमराह ने इस सीरीज में शून्य पर आउट होने की हैट्रिक लगायी है। पिछली 7 पारियों में वह 6 बार 0 पर आउट हुए हैं। इसी के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की अनचाही सूची में सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा को भी पछाड़ दिया है। लॉर्ड्स टेस्ट में 0 पर आउट होने के बाद बुमराह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35 वीं बार पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। वहीं सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा 34-34 बार अपना खाता नहीं खोल पाये हैं। सबसे ज्यादा बार 0 पर आउट होने वाले बल्लेबाजों की सूची में बुमराह अब संयुक्त रूप से पांचवें पायदान पर हैं। उनके अलावा पूर्व कप्तान अनिल कुंबले भी 35 बार अपने करियर में 0 पर आउट हुए हैं।

माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज हुआ जर्जर, कई जगह आए क्रैक्स

-अभियंताओं की टीम ने किया निरीक्षण, जल्द मरम्मत कराने की कही बात

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मालगाड़ी के टकराने से टूटा माड़ीपुर रेलवे ओवरब्रिज कई जगहों से जर्जर हो गया है। अभियंताओं की टीम ने निरीक्षण के बाद विशेषज्ञ से इसका आडिट कराने की अनुशंसा की है। बता दें 1970 में इस पुल का निर्माण कराया गया था। रेलवे और पथ निर्माण विभाग द्वारा बनाया गया यह पुल काफी अहम है। 2013 में एक मालगाड़ी के टकराने से यह पुल बीच से टूट गया था। 2014-15 में मरम्मत के बाद इस पर फिर परिचालन शुरू हो गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुल की स्थिति का अभियंताओं की टीम ने एक जुलाई को निरीक्षण किया था। रिपोर्ट में कहा गया कि पांच सौ मीटर लंबे और करीब 7.5 मीटर चौड़े इस पुल के पाए का प्लास्टर झड़ रहा है। इसके अलावा इसके कैप का कंक्रीट भी झड़ रहा है। इससे इसका छड़ दिख रही है। इसमें जंग लग गया है। सुपरस्ट्रक्चर स्लैब के 100 फिट भाग का आरसीसी भी डैमेज पाया गया। इसके छड़ में भी जंग लग गया है। पुल की रेलिंग में क्रैक्स पाए गए हैं। इसे देखते हुए इस ओवरब्रिज की स्थिति अच्छी नहीं है। इसकी जल्द ही मरम्मत कराना जरूरी है। अभियंताओं ने इसका आडिट कराने या अन्य निर्णय के लिए डीएम से मार्गदर्शन मांगा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुल पर रात में मालवाहक एवं भारी वाहनों का परिचालन होता है। शहर के मुख्य बाजार एवं बाबा गरीबनाथ मंदिर जाने का भी यह अहम रास्ता है।

भारी बारिश में रीवा एयरपोर्ट की दीवार गिरी, 500 करोड़ से किया गया था निर्माण

रीवा (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रीवा में 24 घंटे की बारिश में हाल ही बने एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल गिर गई। इस एयरपोर्ट के निर्माण में करीब 500 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। 15 फरवरी 2023 को शिलान्यास के बाद एयरपोर्ट करीब डेढ़ साल में बनकर तैयार हुआ था। पीएम मोदी ने 20 अक्टूबर 24 को इसका वर्चुअल लोकार्पण किया था। इस एयरपोर्ट को बनाने में करीब पांच गांवों की 323 एकड़ जमीन को 99 साल के लिए भारतीय विमान प्राधिकरण को दी गई है। राज्य में भोपाल, जबलपुर, खजुराहो, इंदौर और ग्वालियर के बाद रीवा 6वां एयरपोर्ट है, जिसे डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने लाइसेंस दिया है। यह जिला मुख्यालय से करीब 12 किमी दूर बना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारी बारिश की वजह से एयरपोर्ट एरिया की जमीन धंस गई, जिससे दीवार का एक हिस्सा भरभरा कर गिर गया।

छांगुर बाबा के 18 खातों में 68 करोड़, 7 करोड़ विदेश से फंडिंग

- ईडी को हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में कथित धर्मांतरण गिरोह चलाने वाले जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एंट्री हो चुकी है और जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। ईडी को बाबा के कुल 30 बैंक खातों में से अब तक 18 की जानकारी मिली है, जिनमें लगभग 68 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है। सबसे हैरानी की बात यह है कि केवल बीते तीन महीनों में ही इन खातों में करीब 7 करोड़ की विदेशी फंडिंग दर्ज हुई है। यह फंडिंग विभिन्न देशों से कई ट्रांजेक्शन के जरिए की गई, जिससे ईडी को हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग की आशंका है। सूत्रों के अनुसार यह रकम बाबा के कथित आध्यात्मिक कार्यों के नाम पर भेजी गई, लेकिन असल में इसका उपयोग किस उद्देश्य से हुआ, इसकी जांच जारी है। ईडी अब उनकी संपत्तियों, आयकर रिटर्न, लेन-देन और फर्जी ट्रस्टों के माध्यम से संपत्ति खरीद की गहराई से जांच कर रही है। ऐसा संदेह है कि छांगुर बाबा ने कई संपत्तियाँ अपने सहयोगियों और ट्रस्टों के नाम पर खरीदीं, जिनके पीछे वही असली मालिक हैं। बाकी 12 बैंक खातों की जानकारी मिलने के बाद जांच और तेज़ हो जाएगी। फिलहाल छांगुर बाबा यूपी एटीएस की रिमांड में हैं और ईडी की नजर अब उनके नेटवर्क, विदेशी फंडिंग के स्रोत और धन के उपयोग पर है। आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

दिल्ली में नशे में कार चालक ने फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को कुचला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के वसंत विहार इलाके में शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। शिवा कैंप के पास फुटपाथ पर सो रहे पांच लोगों को एक तेज रफ्तार सफेद ऑडी कार ने कुचल दिया। हादसे में एक आठ साल की बच्ची समेत सभी घायल हो गए। घायल लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार आरोपी चालक का नाम उत्सव शेखर है, जो 40 वर्ष का और द्वारका का निवासी है। वह नोएडा से द्वारका लौट रहा था और शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था। मेडिकल जांच में भी यह बात साबित हुई है। हादसे के बाद आरोपी भागने की कोशिश में एक ट्रक से टकरा गया, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि करीब 15 लोग फुटपाथ पर सो रहे थे, जिनमें से पांच लोग इस हादसे का शिकार बने। घायल राजस्थान के रहने वाले हैं, जिनमें लाढ़ी (40), उनकी बेटी बिमला (8), पति सबामी उर्फ चिर्मा (45), रामचंदर (45) और उनकी पत्नी नारायणी (35) शामिल हैं। ये सभी मजदूरी करते हैं और भीख मांगकर जीवन यापन करते हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर उसकी कार जब्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने और जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज किया गया है। डीसीपी (दक्षिण पश्चिम) ने बताया कि सभी घायल लोगों की हालत फिलहाल स्थिर है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हादसे के वक्त की सही परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

कोचिंग सेंटर कल्चर खतरनाक, यह बच्चों के विकास में रुकावट पैदा कर रहा: धनखड़

कोटा (एजेंसी)। कोटा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर कल्चर राष्ट्रीय एजुकेशन पॉलिसी के खिलाफ है। यह कल्चर खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे हैं। ये उच्च दबाव के क्षेत्र में है, जो बच्चों के विकास में रुकावट पैदा करते हैं। विशेषकर कोटा का युवा यहां के कोचिंग सेंटर की वजह से आगे देखने में असमर्थ है।

मीडिया रिपोर्अ के मुताबिक रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में शनिवार को उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं आश्वस्त हूं कि यह हमेशा के लिए नहीं है। समय बदलेगा और बड़ी संख्या में लोगों के माइंडसेट को बदलने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शिक्षा मंत्री यहां मौजूद मैं कहना चाहूंगा कि स्कूल-कॉलेज में स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा बढ़े, ऐसी पॉलिसी पर विचार करना चाहिए। धनखड़ ने शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा कि हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा, क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए खतरनाक है। उन्होंने कोचिंग सेंटरों की ओर से विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना की और कहा कि विज्ञापन और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है, जो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई करते हैं। यह पैसे का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगे लेकिन हमारी आत्मा के लिए आंखों की किरकिरी बन गए हैं।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञान-दान में विश्वास रखते हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। उन्होंने लोगों, समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में आत्म नियंत्रण लाने के लिए एकजुट हों।

डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा- 21वीं सदी का युद्ध क्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं। समारोह में 189 स्टूडेंट्स को डिग्रियां दी गई। अंकुर अग्रवाल को कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और ध्रुव गुप्ता को इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में गोल्ड मेडल दिया गया। इससे पहले संस्थान में उपराष्ट्रपति ने एक पेड़ पिता के नाम और एक पेड़ मां के नाम लगाया।

सत्ता और पावर में आते ही लोग अहंकारी हो जाते है : नितिन गडकरी

नागपुर (एजेंसी)। यहां एक सम्मेलन में प्राचार्यों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए केंद्रीय परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सत्ता, धन, ज्ञान और सुंदरता प्राप्त करने वाले लोग अक्सर अहंकारी हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि एक बार जब लोग यह मानने लगते हैं कि वे सबसे बुद्धिमान हैं, तो उनकी दृढ़ता दूसरों पर प्रभुत्व में बदल सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा, लेकिन कोई भी खुद को थोपकर महान नहीं बनता।

इतिहास देखिए, जिन्हें अपने लोगों ने स्वीकार किया है उन्हें कभी किसी पर खुद को थोपना नहीं पड़ा। गडकरी ने नेताओं के बीच अहंकार के इस जाल पर दुख जताया। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, मैं सबसे बुद्धिमान हूं। मैं साहब बन गया हूं... मैं दूसरों की गिनती भी नहीं करता। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा अहंकार सच्चे नेतृत्व को कमजोर कर देता है। गडकरी ने शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि यहां तक कि शिक्षक नियुक्तियों में भी घूस ली जाती है। यह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए पूछा, इतनी भ्रष्ट व्यवस्था में सड़कें कैसे बनती हैं? उन्होंने कहा कि कुछ लोग चुनौतियों को अवसर में बदलते हैं, जबकि कुछ मौके बर्बाद कर देते हैं। गडकरी ने सही नेतृत्व की परिभाषा देते हुए कहा कि किसी भी संस्था की ताकत, चाहे वह राजनीति हो, समाज सेवा हो या कॉर्पोरेट, मानवीय रिश्तों में निहित होती है। उन्होंने कहा, आप अपने अधीनस्थों से कैसे व्यवहार करते हैं, यही असली नेतृत्व है। सम्मान मांगने से नहीं मिलता, वह कर्मों से अर्जित होता है। उनकी टिप्पणियों को विपक्ष ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर परोक्ष हमला बताया। कांग्रेस नेता और पूर्व महाराष्ट्र मंत्री नितिन राऊत ने कहा, गडकरी जी का बयान भाजपा के अंदर फैले अहंकार और आत्मकेंद्रित रवैये पर सीधा इशारा करता है।

महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास जम्मू-कश्मीर में शांति व समृद्धि की कुंजी: एलजी

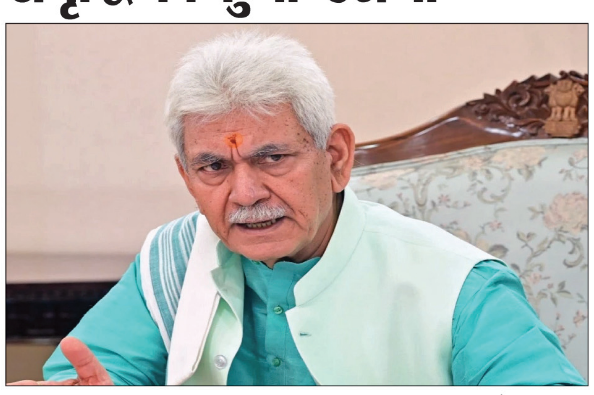

नई दिल्ली(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकवाद और नशे की लत जैसी चुनौतियों पर काबू पाने तथा एक शांतिपूर्ण व समृद्ध केंद्र शासित प्रदेश बनाने के लिए महिलाओं के नेतृत्व में विकास महत्वपूर्ण है।

सिन्हा दक्षिण कश्मीर के शोपियां के बालापुर में स्थित आर्मी गुडविल स्कूल में महिलाओं के व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने स्कूल और पुलवामा, कुलगाम, बडगाम, अनंतनाग और पंपोर में पांच अन्य उद्यमिता और आजीविका संवर्धन केंद्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण और संवर्धन कौशल पाठ्यक्रम पूरा करने वाली महिला प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया।

उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जम्मू-कश्मीर में महिला सशक्तीकरण एक जन आंदोलन में तब्दील हो गया है। उन्होंने कहा, 'महिलाओं का सामाजिक व आर्थिक उत्थान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि महिलाओं के नेतृत्व में होने वाला विकास आतंकवाद, नशाखोरी और अन्य सामाजिक बुराइयों पर विजय पाने और एक शांतिपूर्ण व समृद्ध जम्मू-कश्मीर बनाने में हमारी मदद करेगा।

हरिद्वार में कांवड़ लेने पहुंच रहे शिव भक्त, अब तक 6 लाख ने भरे कावड़

-डीएम ने की अपील कांवड़िए पटरी का ही करें उपयोग ताकि परेशानी न हो

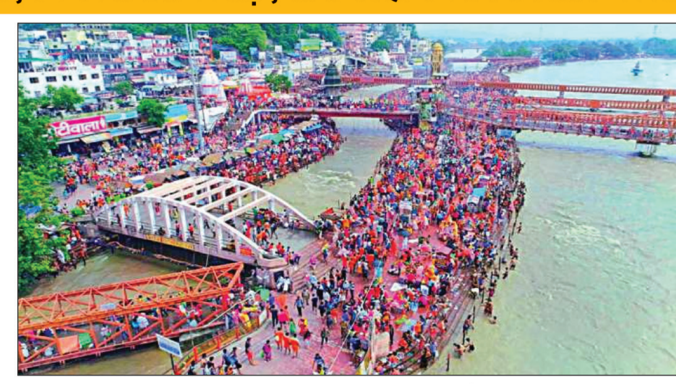

हरिद्वार (एजेंसी)। सावन के महीने में हरिद्वार में चल रहे कांवड़ मेले में शिवभक्तों की श्रद्धा देखने को मिल रही है। देश के कई राज्यों से आए श्रद्धालु गंगाजल भरकर अपने-अपने गंतव्यों को जा रहे हैं। मेला प्रशासन के मुताबिक शुक्रवार को करीब 4 लाख शिवभक्तों ने गंगाजल भरकर यात्रा शुरू की, जबकि शनिवार को कांवड़ यात्रियों की संख्या 6 लाख पहुंच गई। जो अब तक के आंकड़ों में सबसे बड़ी संख्या बताई जा रही है। हरिद्वार में कांवड़ यात्रियों की संख्या गुरु पूर्णिमा से शुरू हो गई थी। गुरुपूर्णिमा पर 3.90 लाख शिवभक्तों ने हरकी पैड़ी समेत कई घाटों से गंगाजल एकत्र कर जलाभिषेक के लिए प्रस्थान किया था। अब कांवड़ मेले में दिन-प्रतिदिन शिवभक्तों की संख्या में तीव्र वृद्धि हो रही है।

गंगाजल भरने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी है। पुलिस और प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला और मेला नियंत्रण कक्ष लगातार सक्रिय है। एसएसपी के मुताबिक शुक्रवार व शनिवार करीब दस लाख शिवभक्तों ने जल भरा। सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन कैमरों से निगरानी, जगह-जगह चेक पोस्ट और ट्रैफिक डायवर्जन की प्रभावी व्यवस्था लागू की गई है। महिला सुरक्षा को लेकर भी महिला पुलिस कर्मियों को कई संवेदनशील स्थलों पर तैनात किया है।

जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे कांवड़ यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें और किसी भी स्थिति में नियमों का उल्लंघन न करें। किसी भी समस्या की स्थिति में कांवड़ नियंत्रण कक्ष के हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल करें। प्रशासन की ओर से जो मार्ग व दिशा निर्देश दिए गए हैं उन्हीं के अनुसार चले। कांवड़ पटरी का ही उपयोग करें। कांवड़ पटरी पर सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। कांवड़ मेले के दृष्टिगत शनिवार को डीएम व एसएसपी ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने बताया कि कांवड़ पटरी पर पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य की सुविधा सुचारू है। शनिवार उन्होंने नहर पटरी बहादराबाद, धनौरी, कलियर होते हुए वापस सिटी कंट्रोल रूम तक निरीक्षण किया। कई स्थानों पर कांवड़ यात्रियों से भी बातचीत की। कंट्रोल रूम में सीसीटीवी कैमरों से मेला क्षेत्र की मॉनिटरिंग की जा रही है। बता दें शंकराचार्य चौक और ऋषिकुल तिराह के बीच कांवड़ पटरी के किनारे चद्द को उखाड़कर और लोहे के एंगिल तोड़कर कांवड़िए हाईवे पर आ गए। यह क्रम शनिवार की सुबह से दोपहर तक चलता रहा। दोपहर में जब जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निरीक्षण के लिए पहुंचे तो उनकी नजर में यह घटनाक्रम आया। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ियों द्वारा पटरी के किनारे जो हिस्सा तोड़ा गया है, उसे सही कराया जा रहा है, जिससे हाईवे पर आने वाला रास्ता बंद हो सके। कांवड़ यात्रियों के लिए कांवड़ पटरी को पूरी तरह से सुरक्षित और सुविधा युक्त बनाया गया है।

पत्नी बिना ठोस कारण के पति से अलग रहती है तो भरण-पोषण की हकदार नहीं

-इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला, केस वापस फैमिली कोर्ट को भेजा

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण-पोषण को लेकर एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर पत्नी बिना किसी ठोस कारण के पति से अलग रहती है, तो वह पति से गुजारा भत्ता मांगने की हकदार नहीं है। यह फैसला मेरठ की एक फैमिली कोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए दिया गया, जिसमें पत्नी को पांच हजार रुपए प्रतिमाह भरण-पोषण देने का आदेश दिया गया था।

बता दें मेरठ के रहने वाले विपुल अग्रवाल ने फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दायर की थी। फैमिली कोर्ट ने 17 फरवरी 2025 को आदेश दिया था कि पति विपुल अपनी पत्नी को 5,000 और नाबालिग बच्चे को 3,000 प्रति माह भरण-पोषण के रूप में दें। न्यायमूर्ति सुभाष चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि फैमिली कोर्ट के फैसले में स्पष्ट विरोधाभास है।

ट्रायल कोर्ट ने माना था कि पत्नी पर्याप्त कारणों के बिना पति से अलग रह रही है, फिर भी भरण-पोषण देने का आदेश दे दिया गया, जो सही नहीं है। अगर पत्नी बिना वैध कारण के पति से अलग रहती है, तो वह भरण पोषण की हकदार नहीं है। अगर ट्रायल कोर्ट खुद मानता है कि पत्नी के पास अलग रहने का कोई उचित कारण नहीं है, तो फिर भरण-पोषण देना कैसे सही ठहराया जा सकता है? इससे न्यायिक प्रक्रिया में असंगति आती है।

पत्नी और राज्य सरकार के वकीलों ने कहा कि पत्नी पति की उपेक्षा के कारण अलग रह रही है, इसलिए उसे भरण-पोषण मिलना चाहिए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट का फैसला और उसमें दिए गए तर्क आपस में मेल नहीं खाते हैं। हाईकोर्ट ने मामला फिर से विचार के लिए फैमिली कोर्ट को वापस भेज दिया है। जब तक ट्रायल दोबारा पूरी नहीं हो जाती, तब तक पति को अंतरिम राहत के तहत पत्नी को 3,000 प्रति माह, बच्चे को 2,000 प्रति माह देना होगा। यह फैसला साफ करता है कि सिर्फ अलग रहना ही भरण-पोषण का आधार नहीं हो सकता। महिला को यह साबित करना होगा कि वह उचित कारण से पति से अलग रह रही है।

गडकरी पीएम पद के लिए सही च्वॉइस, बीजेपी करे संघ प्रमुख के बयान का सम्मान

-कांग्रेस विधायक ने मोहन भागवत के 75 साल वाले बयान का समर्थन कर की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस के एक विधायक ने नितिन गडकरी को पीएम बनाने की मांग की है। उन्होंने इसके लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत के रिटायरमेंट वाले बयान का हवाला दिया है। कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्णा कर्नाटक की सागर विधानसभा से विधायक हैं। उन्होंने भागवत के बयान का स्वागत करते हुए कहा कि अगर इसके हिसाब से नरेंद्र मोदी पीएम पद से रिटायर होते हैं तो गडकरी को पीएम बनना चाहिए। वह इस पद के लिए सही च्वॉइस होंगे।

बता दें मोहन भागवत ने कहा था कि 75 साल की उम्र पूरी होने के बाद नेताओं को सत्ता से इस्तीफा दे देना चाहिए। इसके बाद कांग्रेस ने निशाना साधते हुए कहा था कि मोहन भागवत का इशारा पीएम मोदी के लिए है। पीएम मोदी इस साल 75 साल के होने वाले हैं।

विधायक गोपालकृष्णा ने अपने बयान में कहा है कि अगर भागवत के 75 साल में रिटायरमेंट वाली बात के हिसाब से पीएम मोदी पद से हटते हैं तो नितिन गडकरी को अगला पीएम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गडकरी पीएम पद के लिए सही च्वॉयस होंगे। उन्होंने कहा कि गडकरी को देश के गरीब लोगों की ज्यादा चिंता है। गोपालकृष्णा ने कहा कि बीजेपी ने 75 साल का होने के बाद बीएस येदियुरप्पा को इस्तीफा देने पर मजबूर किया। उस वक्त उनकी आंखों में आंसू भरे हुए थे। अब बीजेपी को संघ चीफ की इच्छा का सम्मान करना चाहिए और यही फॉर्मूला पीएम पद भी लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश गरीब लोगों की संख्या बढ़ रही है। अमीर और अमीर होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश का धन कुछ लोगों के हाथ में जा रहा है। इसको देखते हुए नितिन गडकरी पीएम पद के लिए सबसे योग्य इंसान हैं। बीजेपी हाईकमान को इस बारे में सोचना चाहिए।

चुनाव आयोग का खुलासा, बिहार की मतदाता सूची में नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों के नागरिकों के नाम

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, राज्य की मतदाता सूची में नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे देशों के विदेशी नागरिकों के नाम शामिल पाए गए हैं। दरअसल घर-धर जाकर किए जा रहे सत्यापन के दौरान यह बात भी सामने आई है कि इन विदेशी नागरिकों के पास वोटर आई कार्ड, आधार कार्ड और राशन कार्ड जैसे दस्तावेज भी हैं। इस खुलासे ने न केवल प्रशासन को, बल्कि सियासी हलकों में भी हलचल पैदा कर दी है। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि ऐसे अवैध मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जाएंगे। आयोग के मुताबिक, एसआईआर अभियान का मकसद ही फर्जी और गैरकानूनी मतदाताओं को पहचान कर सूची से हटाना है। चुनाव आयोग के सूत्रों के अनुसार, 1 अगस्त 2025 के बाद उचित जांच के पश्चात ऐसे नामों को 30 सितंबर 2025 को प्रकाशित होने वाली अंतिम सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। आयोग ने संकेत दिया है कि फाइनल लिस्ट के साथ इन विदेशी मतदाताओं की संख्या भी सार्वजनिक की जाएगी। फिलहाल मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने अपना नाम, पता, जन्मतिथि, आधार नंबर, और वोटर आई कार्ड की जानकारी देकर फॉर्म जमा कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 25 जुलाई 2025 की अंतिम तिथि तय की है, लेकिन संभावना है कि तय समय से पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। आपको बता दें कि बांग्लादेश और नेपाल की सीमा से सटे बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया को सीमांचल नाम से पुकारा जाता है।

सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण पूरी तरह बदल गई डेमोग्राफी

सीमांचल में अवैध घुसपैठियों के कारण इस इलाके की डेमोग्राफी पूरी तरह बदल गई है। 1951 से 2011 तक देश की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी जहां चार प्रतिशत बढ़ी है, वहीं सीमांचल में यह आंकड़ा करीब 16 प्रतिशत है। किशनगंज बिहार का ऐसा जिला है, जहां हिंदू अल्पसंख्यक हो चुके हैं। दिलचस्प बात तो यह है कि सरकारी दस्तावेज में अवैध घुसपैठियों के भारतीय नागरिक के रूप में उनका नाम-मुकाम भी दर्ज हो जा रहा। इसी आधार पर वे तमाम योजनाओं के हकदार भी बन जा रहे हैं। सीमांचल में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों का दबदबा इस कदर बढ़ गया है कि वहां के हिंदू पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। सीमांचल कहलाने वाले बिहार के किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया जिलों में बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं के कारण बड़े पैमाने पर जनसांख्यिकीय बदलाव हुए हैं, जिनके कारण इन इलाकों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं।

सीमांचल में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक

बिहार के किशनगंज, कटिहार, अररिया और पूर्णिया जिलों में मुस्लिम आबादी 38 फीसदी से 68 फीसदी तक है। कुछ लोग मानते हैं कि अधिक संख्या में आधार कार्ड बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए बनाए गए हैं। उनका दावा है कि स्थानीय नेताओं और कट्टरपंथी समूहों ने इसमें मदद की है। हाल ही में हुई जातिगत जनगणना से पता चला है कि किशनगंज में मुस्लिम आबादी 68 फीसदी, अररिया में 50 फीसदी, कटिहार में 45 फीसदी और पूर्णिया में 39 फीसदी हो गई है। केंद्र सरकार सीमांचल में हो रहे इन बदलावों को लेकर चिंतित है। रिपोर्ट के मुताबिक बिहार के इन जिलों में मुसलमानों की आबादी करीब 40 से बढ़कर करीब 70 फीसदी हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीमांचल के कई ऐसे जिले हैं, जहां हिंदू अल्पसंख्यक हो गए और बाद में प्रताड़ना से तंग आकर वहां से पलायन कर गए। अररिया जिले के रानीगंज प्रखंड के रामपुर गांव के हिंदू पलायन कर दोगांछी गांव चले गए। यहां हिंदुओं की आबादी थोड़ी अधिक है।

बिहार में मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में

बहरहाल बिहार में मतदाता गणना फॉर्म जमा करने का कार्य अंतिम चरण में है। अब तक 80 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपना नाम, पता, जन्मतिथि, आधार नंबर, और वोटर आईडी की जानकारी देकर फॉर्म जमा कर दिया है। निर्वाचन आयोग ने इसके लिए 25 जुलाई 2025 की अंतिम तिथि तय की है, लेकिन संभावना है कि तय समय से पहले ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**